फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 125 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 6 दिसम्बर, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Buddhism began in China with a Han Emperor's Dream

Emperor Ming saw the *Buddha* in a dream, and sent a mission to India, triggering a chain of events that led to Buddhism's rise in China.

Kai Experience @Leela palace

The sit down began with a 'jewelled' *Kachori*. Now, could it get better in a city of jewellers?

अमेरिका ''क्रिसमस ट्री'' के आयात पर भारी शुल्क लगायेगा!

चीन व अन्य देशों (जैसे कैनडा व मैक्सिको) से अमेरिका में आयात हो रहे सामान के खिलाफ उन्माद जैसा वातावरण पैदा हो गया है अमेरिका में, चुनाव अभियान के दौरान ट्रम्प द्वारा दिये गये उत्तेजनात्मक भाषणों के कारण

- क्रिसमस के दौरान लगभग हर घर में क्रिसमस ट्री सजाने का सदियों पुराना रिवाज़ है।
- हर साल अमेरिका तीन अरब डॉलर की कीमत के क्रिसमस ट्री आयात करता है।
- इस लय में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रम्प ने ''ब्रिक्स'' देशों को चेतावनी दी है, कि अगर उन्होंने अमेरिकी डॉलर का उपयोग घटाने की सोची अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में, तो, वो ब्रिक्स देशों द्वारा अमेरिका निर्यात की गई वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगायेंगे।
- अमेरिका ने अपनी ''फाइनैंशियल'' ताकत का उपयोग करते हुए, यूक्रेन पर रुस के आक्रमण के बाद, रुस से खरीद -फरोख्त पर प्रतिबंध लगाया था। तथा अन्तर्राष्ट्रीय बैंकों को सैटलमेंट करने के लिये उपयोग में आने वाले सिस्टम ''स्विफ्ट'' से रुस को वंचित कर दिया था, और धमकी दी थी, कि जो भी देश रुस से माल खरीदेगा उसे भी ''स्विफ्ट'' सैटलमेंट सिस्टम से निकाल दिया जायेगा।
- भारत भी चीन से फार्मास्युटकल उद्योग में आने वाले मूल कैमिकल ए.पी.आई. पर इतना निर्भर है कि भारत चीन से आयात पर प्रतिबंध लगाने की स्थिति में नहीं है। यह ही स्थिति चीन से आयात किये जा रहे इलैक्ट्रॉनिक्स कॉम्पोनैंट की है। उदाहरण के लिये, दिवाली के सीज़न में चीन आयातित सजावटी बल्ब, देवी-देवताओं की प्लास्टिक की मूर्तियां आदि के जहाज पर जहाज भारत आते हैं चीन से, पर भारत इस आयात पर इतना आश्रित है, कि प्रतिबंध लगाने की सोच भी नहीं रहा।

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। न्यूयॉर्क के भव्य रॉकफैलर प्लाज़ा में पहला क्रिसमस ट्री जगमगाने लगा है और अमेरिका में विदेश से आयातित क्रिसमस ट्री पर शुल्क लगाने की चर्चा हो रही है। यह जानकारी दी एक स्थानीय समाचार संगठन ने। अमेरिका में चीन व अन्य देशों यहां तक कि कैनडा और मैक्सिको से आयात के खिलाफ भारी माहौल है।

क्यों ना हो, अपने चुनाव प्रचार के ट्रम्प ने शिकागो इकोनॉमिक क्लब के समक्ष कहा था कि डिक्शनरी का सबसे खूबसूरत शब्द ''टैरिफ'' है। इसका अर्थ है कि ट्रम्प और अमेरिका ट्रेड को ''टैरिफ'' से सुंदर बनाएंगे।

लेकिन यह भी सत्य है कि अमेरिका हर साल लगभग तीन अरब डॉलर के क्रिसमस ट्री आयात करता है। स्थानीय क्रिसमस ट्री निर्माता इसका भारी विरोध करते रहे हैं क्योंकि चीन से हो रहे सस्ते आयात के कारण उनका धंधा चौपट हो गया है और अब वे खुश हैं कि अंततः उनके लिए कुछ किया जाएगा। भारत में दीवाली के आसपास त्यौहार से संबंधित बहुत सा सामान चीन से आयात किया जाता है, जिसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस मनमोहन सुप्रीम कोर्ट में जज बने

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। न्यायमूर्ति मनमोहन, जो दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश हैं, को गुरुवार को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई गई। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने सर्वोच्च न्यायालय में आयोजित एक समारोह में उन्हें शपथ दिलाई।

न्यायमूर्ति मनमोहन के शपथ लेने के साथ ही, सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या अब 32 हो गई है, जो 34 जजों की स्वीकृत संख्या से दो कम है। सर्वोच्च न्यायालय की कोलीजियम जिसमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के अतिरिक्त न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, सूर्यकान्त, ऋषिकेश रॉय तथा अभय एस. ओका शामिल हैं, ने 28 नवम्बर को सर्वसम्मति से दिल्ली उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश के शीर्ष अदालत के जज के रूप में पदोन्नयन की सिफारिश की थी।

1987 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैम्पस लॉ सेन्टर से एल.एल.बी. करने तथा उसी साल दिल्ली की बार काउंसिल में एडवोकेट के रूप में नामांकित होने के बाद, उन्होंने सिविल, क्रिमिनल, कॉन्स्टीट्यूशनल, टैक्सेशन, आर्बीट्रेशन, ट्रेडमार्क तथा सर्विस मैटर्स

- इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 32 हो गई है। पूर्ण क्षमता 34 जज की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राहुल गांधी अव्वल नम्बर के गद्दार हैं'

भाजपा ने सदन में व सदन के बाहर राहुल गांधी पर संगीन आरोप लगाया, और कहा, अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरॉस, न्यूज पोर्टल ओ.सी.सी.आर.पी व राहुल गांधी एक शक्तिशाली ''तिकड़ी'' है, जो मिलकर संगठित तरीके से भारत को बदनाम करने व नीचा दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती

- भाजपा के अनुसार ऐसा ही दुष्प्रचार भारत में विकसित व निर्मित कोविड की वैक्सीन के बारे में किया गया था।
- और अब भारत के एक उद्योगपति को निशाना बनाया जा रहा है, अन्तर्राष्ट्रीय पूंजी निवेशकों का भारत की इकॉनमी में विश्वास डिगाने के लिये।
- भाजपा ने फ्रांस में प्रकाशित एक मीडिया रिपोर्ट, मीडिया पार्ट में प्रकाशित, को आधार बनाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि, अपने आप को विश्व में खोजी पत्रकारिता की सबसे बड़ी न्यूज़ एजेन्सी बताने वाली ओ.सी.सी.आर.पी., जिसका मुख्यालय एम्स्टरडम में है, अमेरिकी सरकार व राहुल गांधी में एक साठ-गांठ है। तथा यह भी कहा कि ओ.सी.सी.आर.पी., भी अमेरिकी अरबपति सोरॉस के पैसे से चलती है, तथा न्यूज़ एजेन्सी ओ.सी.सी.आर.पी., अमेरिकी सरकार व राहुल गांधी सुनियोजित तरीके से भारत की छवि बिगाड़ने के अभियान को संचालित करते हैं।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। सत्तारुढ़ भाजपा और कांग्रेस के बीच तब जबर्दस्त वाकयुद्ध छिड़ गया जब सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी को ''ट्रेटर ऑफ द हाइएस्ट ऑर्डर'' कहा। राहुल गांधी, अमेरिका की कुछ एजेंसियां और अरबपति जॉर्ज सोरॉस भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे है।

कांग्रेस ने इस पर तुरंत प्रतिक्रिया और विपक्ष के नेता पर आरोप लगाने की आलोचना की और एक अन्य भाजपा सांसद निशिकांत दुबे पर भी निशाना साधा, जिन्होंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर बेहद अपमानजनक टिप्पणी की, प्रियंका हाल ही में वायनाड से चुनाव जीत कर सांसद बनी हैं।

दुबे की टिप्पणी के बाद भारी हंगामा हुआ और लोकसभा स्थगित करनी पड़ी ऐसा ही हंगामा राज्यसभा में हुई क्योंकि भाजपा के सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया विदेश से राष्ट्रीय हितों पर संदिग्ध हमले हो रहे हैं। विदेशी प्रकाशनों व स्वतंत्र विदेशी संगठनों के आकलन को संदेह की नज़र से देखने वाली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अडानी ग्रुप को देश भर में सोलर पावर अनुबंधन नई नीलामी प्रक्रिया के कारण मिले'

दिल्ली की ''रिपोर्टर्स कलैक्टिव'' ने अपनी रिपोर्ट में कहा, दुर्भागय की बात है, सोलर पावर प्लान्ट्स के विवाद में ध्यान केवल प्रदेश स्तर पर केन्द्रित हो गया है

- पर, सबसे बड़ी भूमिका रिन्युएबल एनर्जी विभाग व उसकी संस्था एस.ई.सी.एल. की है, जिसने अनुबंधन की शर्तें इस प्रकार की बनाईं कि, एक औद्योगिक घराने को ही सभी पावर परचेज़ एग्रीमेंट करने का एकाधिकार मिला।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 5 दिसंबर। अमेरिका ने भारत के टॉप बिज़नैसमैन गौतम अडानी तथा सात अन्य लोगों पर, पावर सप्लाई डील्स के लिए, भारत के सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोप लगाए थे।

एक तरफ जहां, अडानी रिश्वत काण्ड में सार्वजनिक बहस का फोकस राज्य स्तरीय राजनीतिज्ञों व अधिकारियों की भूमिका पर है, वहीं, दिल्ली की संस्था ''रिपोर्टर्स कलैक्टिव'' की जांच में सामने आया है कि यू.एस. के अधिकारियों ने जिसे ''द करप्ट सोलर प्रौजैक्ट'' (भ्रष्ट सौर परियोजना) का नाम दिया, वो एक संदिग्ध ऑक्शन (नीलामी) से उत्पन्न हुई थी, जिसे केन्द्रीय सरकार ने सौर ऊर्जा खरीदने के लिए पहले से तैयार किया हुआ था।

रिपोर्टर्स कलैक्टिव की जांच से पता चलता है कि ऊर्जा मंत्रालय, अक्षय ऊर्जा मंत्रालय और इसकी एक शाखा, एन.ई.जी.आई., ने विशेष रूप से अडानी समूह के लिए एक सौर ऊर्जा नीलामी तैयार करने और आठ गीगावॉट बिजली सप्लाई के लिए अनुबंध हासिल करने में समूह की मदद की, जबकि, इसने मूलरूप से केवल चार गीगावॉट परियोजना के लिए बोली लगाई थी।

सोलर पावर नीलामी की प्रक्रिया ने अन्य क्षेत्रों से प्रतिस्पर्धा को निरूत्साहित किया और अडानी समूह के लिए, अगले 25 वर्षों के लिए हज़ारों करोड़ रुपये की महंगी बिजली बेचने का अनुबंध हासिल करने का रास्ता साफ कर दिया।

एक मानदंड, जिसके कारण अधिकतर सौर ऊर्जा उत्पादक नीलामी प्रक्रिया के बाहर रह गए, यह थी, कि वो ही कम्पनियाँ प्रक्रिया में भाग ले सकती हैं, जो सौलर पावर कॉम्पोनैन्ट्स (कल-पुर्जे) भी बनाती हैं। इससे ''मैनुफैक्चरिंग लिंक्ड ऑक्शन्स'' का नाम दिया गया। भारत में बहुत कम कंपनियाँ ये दोनों काम करती हैं। लेकिन निस्संदेह अडानी ग्रुप ऐसी एक कंपनी थी। नीलामी की असाधारण शर्तों तथा मंत्रालयों और एस.ई.सी.आई. द्वारा लाई गई अनेक छूटों ने सुनिश्चित किया कि अडानी समूह प्रतिस्पर्धा में प्रमुख खिलाड़ी रहे। प्रतिस्पर्धा में केवल दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डैंटल ऑफिसर भर्ती -2024 के परिणाम पर से रोक हटी

जयपुर, 5 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने डैंटल ऑफिसर भर्ती-2024, के विवादित प्रश्न-उत्तर से जुड़े मामले में दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश भरत बेनीवाल व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने गत दिनों सभी पक्षों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने गत 24 अक्टूबर को भर्ती का परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी थी। याचिकाओं के खारिज होने से परिणाम जारी होने पर लगी रोक भी हट गई है।

- विवादित प्रश्न-उत्तर से जुड़े मामले में दायर याचिकाओं को हाईकोर्ट ने खारिज करके इस रोक को हटा दिया।

याचिकाओं में कहा गया था कि राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ने डैंटल ऑफिसर के 209 पदों के लिए गत 31 मई को भर्ती निकाली। विवि की ओर से 18 जुलाई को लिखित परीक्षा आयोजित की गई और बाद में अभ्यर्थियों से आपत्तियां

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''समझौते'' के बाद दोनों सदनों में कुछ कामकाज हुआ गत तीन दिन

कांग्रेस ने भाजपा से, राहुल गांधी पर लगाये गये बेबुनियाद, घिनौने आरोप के कारण ''सदन'' में माफी मांगने की मांग की

- इस मुद्दे पर कांग्रेस ने यह भी कहा कि, ''अडानी के एजेन्टों'' को एक ही काम सौंपा गया है, उन लोगों की प्रतिष्ठा पर आक्रमण करे और उनसे गाली गलौच करें, जो अडानी के ''साम्राज्य'' पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे हैं।
- राहुल गांधी व कांग्रेस के कुछ सांसदों ने जैकेट पहनी थी, जिस पर लिखा था, ''मोदी अडानी एक हैं''। इस पर संसदीय मामलों के मंत्री किरन रिजीजू ने कटाक्ष किया, कांग्रेस संसद में ''फैशन शो'' कर रही है।
- कार्यवाही के दौरान, कुछ सांसदों ने, मार्क्सवादी पार्टी के रहीम, बीजू जनता दल की सुलातो देव, तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष, द्रमुक की कनिमोई, ने इस बयान पर आपत्ति की, कि नये विधेयकों के मार्फत हिन्दी थोपने का प्रयास हो रहा है। ''एयर क्राफ्ट बिल 2024'' को भारतीय वायुयान विधेयक 2024, तथा इण्डियन पीनल कोड को भारतीय न्याय संहिता बताकर संसद में पेश किया गया है।
- टी.एम.सी. के सौगात रे ने कहा, नीति आयोग ने कहा है, किसी भी पार्टी को दो से ज्यादा हवाई अड्डों के संचालन का काम नहीं देना चाहिये, पर अडानी ग्रुप के पास आठ हवाई अड्डों के संचालन का काम है।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। लोकसभा में प्रश्नकाल भारी अशांति के साथ खत्म हुआ। यही हाल राज्यसभा में भी देखा गया। राज्य सभा में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी को ज्यादा समय दिया जाना विपक्ष को नागवार गुजरा तथा विपक्ष के प्रकोप के चलते राज्य सभा कुछ पहले ही स्थगित करनी पड़ी, भले ही यह स्थगन अस्थाई था।

ज्ञातव्य है कि केन्द्र तथा विपक्षी सदस्यों के बीच बनी सहमति के बाद, संसद किसी तरह मंगलवार से पिछले तीन दिनों में काम-काज करने की स्थिति में आ गई थी।

कांग्रेस ने माँग की कि राहुल गांधी पर की गई अपनी टिप्पणी के लिये भाजपा सांसद निशिकान्त दुबे माफी माँगें। एक विदेशी निवेशक और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच सम्बन्ध होने की टिप्पणी को लेकर निशिकान्त दुबे पर प्रहार करते हुये, कांग्रेस ने कहा कि ''अडानी के एजेंटों'' को केवल यही काम सौंपा गया है कि वे लोग उनको बदनाम करें तथा उनके लिये अपशब्दों का प्रयोग करें, जो उस व्यवसायी का पर्दाफाश कर रहे हैं।

किरेन रिजिजू के यह कहने, कांग्रेस पार्टी सदन उद्दण्ड व्यवहार कर रही है, के बाद भी लोकसभा में हंगामा चलता रहा। रिजिजू ने कहा, ''कांग्रेस ने सदन में इस प्रकार के कपड़े पहनकर आने का फैशन शो शुरू कर दिया है, हम इसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टैटू के कारण अयोग्य घोषित को चयन प्रक्रिया में शामिल करें

जयपुर, 5 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्रीय पुलिस बल की कांस्टेबल भर्ती में दाएं हाथ की कलाई पर टैटू के कारण अयोग्य घोषित किए अभ्यर्थी को राहत दी है। अदालत ने केन्द्र सरकार को कहा है कि वह याचिकाकर्ता को अंतरिम रूप से चयन प्रक्रिया में शामिल करे। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती का परिणाम जारी कर, उसे सीलबंद लिफाफे में अदालत के समक्ष पेश करने को कहा है। वहीं, अदालत ने एक पद

- हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के लिये कांस्टेबल का एक पद खाली रख उसका भर्ती परिणाम सीलबंद लिफाफे में अदालत में पेश करने के निर्देश दिये।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गैर आर.ए.एस. से आई.ए.एस. पदोन्नति का रास्ता साफ

हाईकोर्ट ने इसके खिलाफ दायर याचिका खारिज की, पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया

- याचिकाकर्ताओं का कहना है कि राज्य व केंद्र सरकार पदोन्नति के लिये रिक्त सीटों की 15 प्रतिशत की ऊपरी सीमा को गैर कानूनी तरीके से ''कोटे'' की तरह इस्तेमाल कर रही हैं।
- हाईकोर्ट ने कहा कि आर.ए.एस. से आई.ए.एस. पद के लिये पदोन्नत होने के लिये अधिकतम सीमा 15 प्रतिशत की है। और इस प्रक्रिया में ''कोटा'' शब्द के उपयोग पर आपत्ति जताना अनावश्यक है।
- वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर और अधिवक्ता तनवीर अहमद ने कहा कि नियम में 15 प्रतिशत रिक्त पद गैर आर.ए.एस. से भरे जाने के लिये ''विशेष परिस्थितियों'' का वर्णन है, जिन्हें ''आउटस्टेंडिंग'' श्रेणी के उम्मीदवारों से भरा जा सकता है।
- उन्होंने कहा कि राज्य व केंद्र सरकार को बताना पड़ेगा कि इस वर्ष ऐसी क्या विशेष या विकट स्थिति थी कि उन्हें 15 प्रतिशत सीटें इन अभ्यर्थियों से भरनी पड़ीं।

- यादवेंद्र शर्मा -

जयपुर, 5 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने गैर आर.ए.एस. सेवा से अभ्यर्थियों को आई.ए.एस. के पद पर पदोन्नत किये जाने के लिये नियमों को गलत तरीके से लागू करने और 15 प्रतिशत कोटा बनाये जाने के खिलाफ दायर रिट याचिका को खारिज किया है। अदालत ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद और अन्य 22 याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर रिट याचिका को खारिज करते हुए कहा कि नियमानुसार गैर आर.ए.एस. से आई.ए.एस. पद के लिये पदोन्नत होने के लिये अधिकतम सीमा 15 प्रतिशत की है। और जहां तक इस पदोन्नति की प्रक्रिया में सरकार की नोट शीट में ''कोटा'' शब्द के उपयोग पर आपत्ति जताना बेबुनियाद है क्योंकि केंद्र सरकार और राज्य सरकार के सलाह-मशवरे पर ही हर वर्ष इन पदों की रिक्तियां निर्धारित की जाती हैं। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इन पदोन्नतियों के लिये नियम में वर्णित ''विशेष परिस्थितियां'' राज्य सरकार के आकलन का विषय है, और केंद्र सरकार, राज्य सरकार की राय के बाद ही इन पदों पर पदोन्नति करती है।

न्यायाधीश पंकज भंडारी और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश देते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं की रिट याचिका परोक्ष कारणों की वजह से दायर की है जिसमें कोई महत्व नहीं है और इसी मामले में सैंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्युनल (कैट) के आदेश को सही माना। अदालत ने याचिकाकर्ताओं की याचिका खारिज कर पांच लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। हाईकोर्ट की ओर से याचिका खारिज करने से गैर आर.ए.एस. से आई.ए.एस. में पदोन्नति पर 7 जुलाई, 2023 को लगी रोक भी भी हट गई है।

अदालत ने कहा कि याचिका गैर आर.ए.एस. श्रेणी से भर्ती को रोकने के लिए गलत इरादे से दायर की गई है। ऐसे में पूर्व में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने अपील खारिज करने में कोई गलती नहीं की है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता पर लगाई गई हर्जाना राशि चार सप्ताह में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा कराई जाए। यदि तय अवधि में राशि जमा नहीं होती है तो प्राधिकरण सचिव अदालत को इसकी जानकारी दें।

याचिकाकर्ताओं की ओर से इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता तनवीर अहमद, पृथ्वीपाल, नीतीश जोशी, जिया उल हक और गुलाम नूरानी पैरवी के लिये पेश हुए थे। याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत में कहा गया था कि ऑल इंडिया सर्विस एक्ट व उसके नियम-विनियम के तहत 66.67 प्रतिशत सीधी आई.ए.एस. भर्ती से और 33.33 प्रतिशत राज्य के प्रशासनिक अफसरों की पदोन्नति से भरे जाने का प्रावधान है। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि अपवाद परिस्थिति में ही इस 33.33 प्रतिशत कोटे में से 15 फीसदी पद अन्य सेवा के अफसरों से भरे जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार ने मनमाने तरीके से हर साल अन्य सेवा के अफसरों से आई.ए.एस. पद पर पदोन्नति देने की परंपरा बना ली है। पूर्व में गैर आर.ए.एस. से पदोन्नत हुए आई.ए.एस. का पद खाली होने पर राज्य सरकार इस पद को गैर आर.ए.एस. को ही पदोन्नत कर भरती है। ऐसे में राज्य सरकार नियमों के खिलाफ जाकर गैर आर.ए.एस. की पदोन्नति के लिए कोटा तय नहीं कर सकती। यह न केवल सेवा नियमों का उल्लंघन है, बल्कि राज्य के प्रशासनिक सेवा के अफसरों के लिए तय किए पदोन्नति के पदों पर भी अतिक्रमण है।

जिरह के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन.माथुर और अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को कहा कि पिछली सरकार में जो नीति अपनाई गई थी कि गैर आर.ए.एस. से आई.ए.एस. पदों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मर्यादाओं को ताक में रखा मोदी ने'

नयी दिल्ली, 05 दिसम्बर (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि इंडिया समूह के नेता संसद में अडानी भ्रष्टाचार मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मर्यादाओं को तार-तार करके इस उद्योगपति का बचाव कर रहे हैं।

- कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में सांसदों के प्रदर्शन में प्रधानमंत्री पर अडानी के बचाव करने का आरोप लगाते हुए यह टिप्पणी की।

संसद भवन परिसर में इस मुद्दे पर इंडिया समूह के सांसदों ने प्रदर्शन किया और इस दौरान प्रियंका ने कहा कि मोदी भ्रष्टाचार का बचाव कर रहे हैं। इसी दौरान कांग्रेस महासचिव के सी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

किसी भी हालत में अपनी शक्ति पर अभिमान मत कर, यह बहुरुपिया आसमान हर घड़ी हजारों रंग बदलता है। - हाफिज़

मदरसा एक्ट राज्य विधायिका की वैधानिक क्षमता के अन्दर है, किन्तु उच्च शिक्षा की डिग्री देना राज्य के दायरे में नहीं है

यू. पी. मदरसा एक्ट, 2004 को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश दिनांक 5 नवम्बर, 2024 से राज्य की विधायिका की वैधानिक क्षमता के अधिकार क्षेत्र में माना है और इलाहाबाद हाईकोर्ट के निर्णय जो उक्त न्यायालय ने अन्जुम कादरी व अन्य बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया व अन्य (व अन्य कनेक्टेड मेटर्स) में दिया था उसे निरस्त करते हुये, संवैधानिक करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी निर्णय में यह भी करार दिया है कि अधिनियम में 'फाजिल' और 'कामिल' की शिक्षा की डिग्री देना राज्य के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इस कार्य को यू.जी.सी. एक्ट की धारा 22 के प्रतिकूल माना है। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ मुख्य न्यायाधीश डी वाई चन्द्रचूड, जस्टिस जे बी पारडीवाला व जस्टिस मनोज मिश्रा से बनी थी। यह कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण निर्णय है। इस निर्णय से 13364 मरदरसे जहाँ 12 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं प्रभावित हुये हैं। सुप्रीम कोर्ट की उक्त खण्डपीठ का यह निर्णय 70 पृष्ठों का है और इसे मुख्य न्यायाधीश डी वाई चन्द्रचूड ने लिखा है तथा पीठ के साथी दोनों न्यायाधीश ने अपनी सहमति अभिव्यक्त की है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मदरसा एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला दिनांक 22 मार्च, 2024 इस मत पर आधारित था कि कोर्ट की धारणा थी कि मदरसा एक्ट के प्रावधान संविधान के मूल ढाँचे (Basic Structure) के विरूद्ध हैं तथा समाजवाद के सिद्धान्तों की अवज्ञा करते थे। हाईकोर्ट ने इस प्रकार मदरसा एक्ट को असंवैधानिक करार दिया था और यहां पर पढने वाले विद्यार्थियों को नियमित स्कूलों में भेजने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि केवल मजहवी प्रशिक्षण दिये जाने के कारण इसे असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। मदरसा कानून एनसीईआरटी की किताबों और धार्मिक शिक्षा का उपयोग कर शिक्षा देता है। पीठ ने माना कि राज्य सरकार के पास शिक्षा का मानक निर्धारित करने के लिये पर्याप्त शक्तियां हैं।

सर्वोच्च न्यायालय की खण्डपीठ के निर्णय के मुख्य अंश इस प्रकार हैं:-

(अ) मदरसा अधिनियम शिक्षा के मानक निर्धारित करता है जिन्हें बोर्ड ने स्वीकार किया है।

(ब) मदरसा अधिनियम राज्य के उन कर्त्तव्यों की ओर इंगित करता है, जिनके कारण मदरसों में पढने वाले विद्यार्थियों का समाज में भागीदारी निभाने व जीविका उपार्जन करने के योग्य बनाया जाता है।

(स) संविधान का अनुच्छेद 21ए, 6 वर्ष से 14 वर्ष के आयु के बच्चों को शिक्षा का अधिकार देता है। धार्मिक व भाषाई अल्पसंख्यक (Linguistic Minorities) को अपने शिक्षा के हेतु स्कूलों के प्रबन्धन का अधिकार है।

(द) मदरसा अधिनियम लाने का अधिकार राज्य की विधायिका का है और इसे शक्ति प्राप्त होती है एन्ट्र 25, लिस्ट 3 सं. 1 उच्च शिक्षा के अधिकार के अनुसार फाजिल व कामिल की शिक्षा का अधिकार यूजीसी एक्ट से है जो अपनी शक्ति लिस्ट 1 व एन्ट्री 66 से प्राप्त होता है।

इस प्रकार न्यायालय ने यह माना कि मदरसा अधिनियम के प्रावधान उचित है, वे विद्यार्थियों को शिक्षा के औचित्यपूर्ण उद्देश्य की पूर्ति करता है और उन्हें परीक्षा में बैठने के लिये तैयार करता है। मदरसा एक्ट परीक्षा के स्तर को सही रूप से नियंत्रित करता है और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के हेतु उन्हें योग्यता प्रदान करता है

इस प्रकार न्यायालय ने यह माना कि मदरसा अधिनियम के प्रावधान उचित है, वे विद्यार्थियों को शिक्षा के औचित्यपूर्ण उद्देश्य की पूर्ति करता है और उन्हें परीक्षा में बैठने के लिये तैयार करता है। मदरसा एक्ट परीक्षा के स्तर को सही रूप से नियंत्रित करता है और उच्च शिक्षा प्राप्त करने के हेतु उन्हें योग्यता प्रदान करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में यह माना कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मदरसा एक्ट को अवैध करार देकर निरस्त करने में गलती की है और हाईकोर्ट का निर्देशन कि विद्यार्थियों को रेगूलर स्कूलों में पढाई हेतु भेजा जावे, वह भी गलत है। अपने 70 पृष्ठों के निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि अल्पसंख्यकों द्वारा शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने का जो अधिकार है वह अक्षुण्ण नहीं है, अपितु राज्य सरकार को जंदकंतक वि म्कनबंजपवद का स्थापित करने के लिये उचित निर्देश देने का अधिकार है तथा आर्थिक सहायता प्रदान करने के हेतु रेगूलेशन बनाने का भी अधिकार है।

मदरसा एक्ट किसी भी प्रकार शिक्षण संस्थान के संचालन करने में कोई व्यवधान पैदा नहीं करता।

सुप्रीम कोर्ट ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा कि जहां तक उच्च शिक्षा प्रदान करने का प्रश्न है तथा 'फाजिल' 'कामिल' की डिग्री प्रदान करने का प्रश्न है, राज्य को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है, क्योंकि यह विषय यूजीसी एक्ट से सम्बन्ध रखता है। माननीय कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मदरसा बोर्ड 12वीं कक्षा तक की शिक्षा को नियंत्रित कर सकता है।

मदरसा एक्ट किसी भी प्रकार धर्म निरपेक्षता के सिद्धान्तों का उल्लंघन नहीं करता। धार्मिक शिक्षा देने का अर्थ यह नहीं है कि वह मुख्यधारा की शिक्षा (Standard of Education) का विकल्प है।

माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में राज्य के दो मुख्य कर्त्तव्यों की ओर इंगित करते हुये कहा कि इनमें आपसी सामजस्य स्थापित होना चाहिये। राज्य का कर्त्तव्य है कि वह ध्यान रखे कि अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान शिक्षा के स्तर की श्रेष्ठता (Mainstream Education) पर कोई विपरीत असर नहीं हो और साथ ही अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के अधिकार के प्रयोग में भी कोई कोताही न हो।

यू.पी. मदरसा एजूकेशन एक्ट को वैध मानते हुये सुप्रीम कोर्ट ने कानून की व्याख्या के सिद्धान्त को मजबूत धरातल दिया और कहा कि कोई भी कानून उस समय अवैध होता है जब वह संविधान के पार्ट-तृतीय में दिये गये मूल अधिकारों को खण्डित करता हो और उस कानून को बनाने का अधिकार विधायिका को नहीं हो। यहां हाईकोर्ट ने मदरसा अधिनियम का केवल इस बात पर निरस्त किया था कि मदरसा एक्ट संविधान के धर्मनिरपेक्षता का मूल संरचना सिद्धान्त (Basic Structure Principal of Secularism) के विरूद्ध था। यह सही नहीं था।

संविधान के अनुच्छेद 30 में शिक्षा संस्थानों की स्थापना और प्रशासन करने के अल्पसंख्यक वर्ग के अधिकार को माना है तथा अनुच्छेद 30 विधान के भाग 3 का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 28 में यह व्यवस्था है कि राज्य निधि से पूर्णत: पोषित किसी शिक्षा संस्था में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जायेगी।

अल्पसंख्यक संस्था को घोषित करने के लिये क्या मानक होने चाहिये, यह विवाद सर्वोच्च न्यायालय की तीन जजों की पीठ तय करेगी यह निर्देश संविधान पीठ ने अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के केस में बडी संविधान पीठ ने अभी कुछ दिन पूर्व दिये हैं। कोर्ट को यह देखकर निर्णय करना होगा कि संस्था की स्थापना का क्या उद्देश्य है और किसने की है? जमीन किसने दी है? प्रशासन कौन कर रहा है? शिक्षा मौलिक अधिकार है।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

राष्ट्रवाद का सामाजिक अभिप्राय

प्रो. मनोज कुमार बहरवाल

बाबा साहेब ने अपने पूरे जीवनकाल में जो भी कार्य किया, उन सभी कार्यों से भारतीय राष्ट्रवाद को एक नया आशय मिला। यह सामाजिक आशय है। एक बार बाबा साहेब ने कहा था कि जब अस्पृष्यों के और देश के हितों में टकराव होगा तब अपनी ओर से मैं यह कहता हूँ कि अस्पृश्यता के हितों को प्रधानता दूंगा। छल करने वाली जो बहुसंख्यक जमात है, वह यदि देश के नाम पर भी बोल रही हो तो भी मैं उसे समर्थन नहीं दूंगा। मेरी यह भूमिका हरेक व्यक्ति द्वारा और हरेक स्थान पर समझ ली जानी चाहिए। देश का हित पहले है या मेरा हित पहले है यह सवाल यदि उठा तो मैं पहले देश का हित ही देखूंगा। बाबा साहेब ने देश और अस्पृश्यों के हित चिन्तन में सदैव समान्तर अनुपात बनाए रखा और राष्ट्रिहत को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान की।

बाबा साहेब के संघर्ष का लक्ष्य था कि वे अस्पृश्यों के मन में आत्मविश्वास और आत्मसम्मान की भावना भर कर उन्हें सामाजिक और राजनीतिक अधिकार दिलवा सकें। अस्पृष्यों के मुद्दों पर उन्होंने राष्ट्र हित से कभी कोई समझौता नहीं किया। भारत स्वतंत्र होना चाहिए , इस बात की उन्होंने कभी अनदेखी नहीं की। बाबा साहेब ने कहा कि एक अखण्ड स्वाधीन भारत ही मेरी नीति का ध्येय है। हम सब भारतीय हैं। यह भावना बढ़ाना ही हमारा ध्येय होना चाहिए। सभी भारतीयों को सर्वप्रथम भारतीय ही होना चाहिए, अन्य कुछ भी नहीं। बाबा साहेब ने अपने आलेख जातिभेद निर्मूलन में लिखा है कि जाति भेद के कारण समाज और राष्ट्र कमजोर होता है। समाज को तोड़ने वाले भावनात्मक तंतु कमजोर करते हैं। जिस घर में फूट है वह घर टिक नहीं सकता। समाज की यह दरार यदि हमने पाटी नहीं तो हमारा लोकतंत्र नष्ट हो जाएगा व् हमारी संस्कृति और स्वतंत्रता हाथ से चली जाएगी। बाबा साहेब ने एसा संकेत कई बार दिया। बाबा साहेब एक सच्चे राष्ट्रभक्त थे। बाबा साहेब ने समाज, लोकतंत्र, स्वतंत्रता को राष्ट्रीयता के सन्दर्भ में देखा और नख से शिख तक समता और सम्मान तथा परस्पर भाईचारा जैसा वातावरण बनाने का सदैव आग्रह किया। केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से देश स्वतंत्र नहीं बना रहेगा और लोकतंत्र टिका भी नहीं सकता है। स्वतंत्रता और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सामाजिक लोकतंत्र की महती आवश्यकता है।

सामाजिक लोकतंत्र समाज में सभी तरह की असमानता को दूर करके ही स्थापित और निर्मित किया जा सकता है। बाबा साहेब ने सामाजिक आशय पर कहा कि मेरा सामाजिक तत्वज्ञान निश्चित रूप से तीन शब्दों में पिरोया जा सकता है। वे शब्द हैं स्वतंत्रता, समता और बंधुता। किसी की यह नहीं समझना चाहिए कि मेरा यह तत्वं ज्ञान मैंने फ्रांस की राज्य क्रांति से उधार लिया है। मेरे तत्व ज्ञान का मूल धर्म में है, शासन प्रणाली में नहीं। अपने गुरु गौतम बुद्ध की शिक्षाओं से मैंने उसे निकाला है। परन्तु अमर्यादित स्वतंत्रता से समता का नाश होता है और विशुद्ध समानता स्वतंत्रता के लिए कोई गुंजाईश नहीं छोड़ती है। केवल स्वतन्त्रता और समता का उल्लंघन न हो इसलिए मेरे तत्वज्ञान में मात्र संरक्षण के रूप में निर्बंधों का स्थान है। परन्तु प्रतिबिम्ब स्वतंत्रता व समता सम्बन्धी होने वाले उल्लंघनों के खिलाफ गारंटी दे सकता है। ऐसा मेरा विश्वास नहीं है। मेरे तत्वज्ञान में बन्धुता को बहुत ऊँचा स्थान है। स्वातंत्र्य और समता के सामने संरक्षण केवल बंधू भावना में ही है। इसका दूसरा नाम बन्धुता अथवा मानवता है और मानवता ही धर्म का दूसरा नाम है। बाबा साहेब एक राष्टभक्ति से भरपूर सच्चे भारतीय थे। उन्होंने पाकिस्तान के निर्माण का विरोध किया। अपनी संसदीय बहसों में वे जम्मू कश्मीर की स्वतंत्रता के घोर विरोधी रहे। अनुच्छेद 35 अ का सबसे पहले विरोध करने वालों में बाबा साहेब सबसे अग्रणी रहे थे। हिन्दू कोड और हिन्दू कोड बिल यह सिद्ध करते हैं कि वे सदैव भारतीयों का हित चिन्तन करते हैं।

प्रो. (डॉ.) मनोज कुमार बहरवाल,
प्राचार्य, स. पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर।

चांदनी चौक के शहीदों की अमर गाथा

हिंद की चादर गुरू तेग बहादुरजी के शहादत दिवस के संदर्भ में....

जसबीर सिंह

चौदहवीं व पंद्रहवी शताब्दी में भारत बाहरी आक्रान्ताओं के अत्याचार, कट्टर धर्मान्धता से ग्रस्त था। बाबर के समय हो रहे अत्याचारों पर सिख परम्परा के पहले गुरू गुरूनानक देव जी ने अपनी वाणी में कहा "खुरासान खसमाना कीआ हिंदुसतान डराइआ। आपै दोसु न देई करता जमु कर मुगल चड़ाइआ। एती मार पई करलाणे तैं की दरद न आइआ।" अर्थात खुरासान से आये हुये मुगल आक्रान्ता ने हिन्दुस्तान की जनता को डरा रखा है व अत्याचार कर रखे हैं और हे ईश्वर क्या आपको आत्याचार से पीड़ित लोगों के लिये दर्द अनुभव नहीं हो रहा। बाहरी आक्रान्ताओं के अत्याचार निरन्तर जारी रहे तथा पाँचवें गुरू गुरू अर्जुन देव जी पर तत्कालीन शासक जहाँगीर के आदेश से जलती हुयी रेत डाली गयी, जलती हुयी लाल कढाही में डाला गया, गरम जल से नहलाया गया और उनकी जीवन लीला समाप्त कर दी गयी। रामधारी सिंह दिनकर के अनुसार तब तथाकथित सुविख्यात जहाँगीरी न्याय का यह उदाहरण संसार के सामने आया।

औरंगजेब के शासन काल में वृहतर समाज पर अत्याचारों व जबरन धर्मातंरण की पराकाष्ठा होने लगी। उसने मथुरा, काशी, गुजरात, उडीसा, बंगाल, राजस्थान, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश आदि में मंदिरों को तुडवाना व बहुसंख्यक समाज पर अतिरिक्त कर (जजिया) लगा दिया। उसने अपने अधिकारियों को हुक्म दिया कि उनके माथे से तिलक मिटा दिये जाये और उनके जनेऊ उतारकर जबरन धर्मान्तरण कर दिया जाये। ऐसी परिस्थितियों में 500 कश्मीरी पंडितों का जत्था गुरू तेग बहादुरे के पास आनन्दपुर साहिब पंजाब पहुँचा व शासक के जुल्म से बचाने का आग्रह किया। तब गुरूजी ने उस दल से कहा कि जाओ और बादशाह के सिपहसलारों से कहो कि पहले गुरू तेग बहादुर को धर्मान्तरण कबूल करने के लिये मनायें फिर हम सब मुस्लिम धर्म कबूल कर लेंगे।

गुरूजी निर्दोष व मासूम लोगों को निष्ठुरता व जुल्म से बचाने के लिये अपने शिष्य भाई मतीदास, सतीदास और भाई दयाला के साथ आनन्दपुर साहिब छोड़ पटियाला, धमतान, जींद, रोहतक, आगरा के रास्ते दिल्ली के लिये रवाना हो गये।

औरंगजेब दिल्ली से बाहर गया हुआ था। उसके वजीरों ने गुरू जी को बादशाह के हुक्म अनुसार इस्लाम धर्म कबूल करने के लिये कहा। 12 मार्गशीर्ष 1732 तद्नुसार वर्तमान 6 दिसम्बर का दिन था। जब हर कोशिश के बावजूद गुरूजी नही माने तो उन्हें डराने व झुकाने के लिये भाई मतीदास जी को लकड़ी के घेरे में खड़ा कर एक बड़े आरे से चिरवाया गया। भाई दयाला को उबलते पानी की देग में डाल दिया गया। फिर सतीदास को रूई में लपेटकर आग लगा दी गयी।

बादशाह के आदेश से गुरूजी को तंग पिंजरे में कैद कर दिया गया व उनके सामने तीन शर्तें रखी गयी। पहली कोई करामात करिश्मा दिखाइये या दूसरी इस्लाम कबूल कीजिये या फिर मृत्यु के लिये तैयार हो जाइये। गुरूजी के इन शर्तो को मानने से इंकार करने पर शाही फरमान आया कि चांदनी चौक में लोगों के सामने इन्हें मार डाला जाये। 1675 में आज ही के दिन गुरूजी ने प्रात:काल स्नान किया व जपुजी साहब का पाठ किया। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित हो गयी। आसमान पर बादल और काली घटायें छायी हुई थी, तेज हवायें चल रही थी, जल्लाद आया और तलवार से गुरू जी का सिर धड़ से अलग कर दिया गया। गुरूजी के शहीद होते ही हाहाकार मच गया "यह तो जुल्म है इतने बड़े संत का क्यों कत्ल कर दिया गया है यह शासन अब ज्यादा चलने वाला नहीं।" प्रकृति ने ऐसा रूप धारण किया कि आंधी तूफान के कारण मुगल सिपाहियों को कुछ दिखाई नही दे रहा था। चारों ओर भगदड़ मच गयी।

इस भागदौड़ में गुरूजी का एक श्रद्धालु "भाई जैता" आगे बढे, फुर्ती से गुरूजी का सीस उठाया, श्रद्धा से अपने कपड़ों में लपेट लिया और अपने दो साथियों "भाई नानू" और "भाई ऊद्धा" को साथ लिया तथा छिपते-छिपाते पाँच दिन की यात्रा पश्चात कीरतपुर पंजाब जा पहुँचे। जैता जी ने बोझिल मन से गुरू जी के सीस को उनके सुपुत्र गोविन्द राय के आगे रखा। गोविन्द राय ने भाई जैता के साहसिक कार्य को सरहाते हुये कहा "रंगरेटे गुरू के बेटे।" भाई जैता एक पिछड़ी जाति 'रंगरेटा' समाज के थे। गुरू तेग बहादुर के सीस का बड़े सत्कार के साथ आनन्दपुर साहिब में संस्कार किया गया जहाँ पर वर्तमान में बहुत ही सुन्दर गुरूद्वारा सुशोभित है।

उधर दिल्ली में गुरूजी के एक और श्रद्धालु शिष्य " लखी शाह बंजारा" व उसका बेटा " नगाहिया", रूई और दूसरे सामान की कई बैलगाडियॉ लेकर चांदनी चौक पहुँचे और भीड़ को चीरते हुये आगे आये, बड़ी फुर्ती से गुरूजी के धड़ को उठाया, रूई के ढेर में छिपाया तथा गाडियों को हॉक कर अपनी बस्ती रायसीना ले गये। इस दृश्य को उस वक्त के एक गायक केसौ भट्ट ने इस तरह वर्णन किया है :-

चलो चलाई हो रही, गड़ गड़ बरसे मेघ
लखी नगाहिया ले गये, तू खड़ा तमाशा देख

दूसरी तरफ मुगल सिपाही परेशान थे कि गुरू जी का सीस और धड़ कहॉ गायब हो गया। लखी शाह गुरू जी के धड़ को सत्कार से अपने घर जो वर्तमान रायसीना हिल पर स्थित था, ले गया और अंतिम संस्कार के लिये अरदास 'प्रार्थना' के पश्चात उसने अपने घर को ही आग लगा दी। मुगल फौज और लोगों ने यही समझा कि लखी शाह के घर को ही आग लग गयी है।

इस तरह ईश्वर ने "भाई जैता" और "भाई लखी शाह" के साहसिक कार्य द्वारा गुरू जी के शरीर का अपमान होने से बचा लिया। जहाँ लखी शाह ने अपने घर को आग लगाकर गुरू जी के धड़ का अंतिम संस्कार किया था वहॉ अब गुरूद्वारा रकाबगंज सुशोभित है जो राष्ट्रपति भवन, संसद भवन और केन्द्रिय सचिवालय के समीप स्थित है। जिस तरह चादर हमें सर्दी गर्मी से बचाती है व हमारी रक्षा करती है उसी तरह गुरू तेग बहादुर जी ने हिन्दु धर्म, तिलक, जनेऊ व हिन्दुस्तान की रक्षा की इसलिये उन्हें " हिन्द की चादर" कहा जाता है। निस्संदेह गुरू तेग बहादुर के धार्मिक स्वाधीनता के लिये दिये गये बलिदान ने औरंगजेब की धार्मिक नीति के विरूद्ध प्रतिरोध को और अधिक मजबूत किया और साथ ही साथ विकासशील सिख समाज के विकास को चरम सीमा की ओर अग्रसर किया।

सनातन धर्म को मानने वाले इस बलिदान को अपने धर्म के लिये किया गया बलिदान मानने लगे और सम्पूर्ण पंजाब एवं उत्तर भारत में एक ज्वाला सी धधक उठी। सन् 1666 में जन्में गुरू गोविन्द सिंह जी ने 1675 में अपने पिता के हुये इस बलिदान का समाचार जब आनन्दपुर साहिब में सुना तो उन्होंने अनुभव किया कि सिख पंथ को मानने वालों ने बेशक बलिदान देकर मानवता के कोमल गुणों यथा विनम्रता, प्रेम, अहिंसा के पालन का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है परन्तु अब समय आ गया है जब एक कुशल कारीगर की समय पर लगाई गयी हथौड़े की चोट के भांति समाज को मानवता के इन्हीं गुणों की सुरक्षा करने के लिये नये मोड़ पर ले जाया जाये।

गुरूजी की शहादत ने मुगल साम्राज्य की नींव हिला दी जो अन्ततोगत्वा उसके पतन का प्रमुख कारण बनी। कालान्तर में 1783 में तीस हजार सिख सिपाहियों की फौज वर्तमान में तीस हजारी कोर्ट जिसका नाम इसी वजह से यह पड़ा, के स्थान से रवाना हुई व सरदार बघेल सिंह, सरदार जस्सा सिंह आहुलवालिया के नेतृत्व में मुगल फौज को हराकर दिल्ली के लाल किले पर केसरिया खालसा ध्वज फहराया।

जसबीर सिंह,
पूर्व अध्यक्ष, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग।

बीसलपुर बांध से लाखों रुपए कीमत की मछलियां रोजाना चोरी हो रही है

देवली, (निसं)। इन दोनों देवली उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध में मछली चोरी के मामले बढ़ते चले जा रहे हैं।

ऐसा ही एक मामला बीसलपुर बांध के मत्स्य ठेकेदार आर आर फिशरीज कंपनी के डायरेक्टर ने जानकारी में बताया कि बुधवार को बीसलपुर बांध में बोट से गश्त करने के दौरान कंपनी के कर्मचारियों ने मछली चोरी करते हुए जावेद कुंदेडा नामक व्यक्ति को अवैध रूप से मछली निकालने के मामले में पकड़ा है। इस दौरान जावेद से चोरी की मछलीयां एवं जाल तथा अवैध नाव सहित इत्यादि सामग्रियां भी ठेकेदार की कर्मचारियों ने जप्त कर ली है।

यह भी बताया कि इस चोरी के मामले की जानकारी कंपनी ने पुलिस को पहुंचा दी है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष भारी बारिश के कारण बीसलपुर बांध का जलाशय लबालब भरा हुआ है। इस जलाशय का फैलाव तीन जिलों की सीमा तक बना हुआ है। तो वहीं राजस्थान सरकार के मत्स्य विभाग को प्रतिवर्ष लगभग 6 करोड़ रुपए का सालाना राजस्व भी इसी बीसलपुर बांध के मत्स्य आखेट ठेके से प्राप्त हो रहा है। लेकिन यहां बीसलपुर बांध के उक्त मत्स्य ठेकेदार को बांध से मछली चोरी को रोकने के मामले में संबंधित विभाग और पुलिस से फौरी फौरी मदद ही मिल पा रही है।

- **मत्स्य विभाग को प्रतिवर्ष छह करोड़ रुपए का रिवेन्यू देने वाले ठेकेदार को मछली चोरी के मामलों से नहीं मिल है रही राहत**
- **नियमों के तहत मत्स्य विभाग और पुलिस प्रशासन सख्त कार्रवाई करे तो सरकारी कोष में हो सकता है और अधिक लाभ**
- **आर आर फिशरीज कंपनी का मानना है कि देवली की मछली मंडी में बिकता है चोरी का माल**

यहां मत्स्य ठेकेदार आर आर फिशरीज का मानना यह भी है कि अगर केकड़ी और भीलवाड़ा जिला पुलिस एवं मत्स्य विभाग से भी मछली चोरी को रोकने के मामलों में सहयोग मिल जाता है तो। भविष्य में राजस्थान सरकार के मत्स्य विभाग को और अधिक रिवेन्यू का लाभ पहुंच सकता है।

बीसलपुर बांध में मछली चोरी के मामलों से बीसलपुर बांध में मछलियों की संख्या कम होती जा रही है। ऐसे में मत्स्य विभाग की अनदेखी के चलते बांध के जलभराव क्षेत्र में अवैध मछली शिकारियों की ओर से रोजाना दर्जनों अवैध नावों का संचालन कर लाखों रुपए की मछलियां खुलेआम अनैतिक तौर पर निकालकर देवली की मछली मंडी में पहुंचाई रही है।

देवली उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध में रोजाना मछलीयां निकाली जा रही है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 6 दिसम्बर, 2024

मार्गशीर्ष मास शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2081, श्रवण नक्षत्र सायं 5.18 तक, ध्रुव योग दिन 10.43 तक, बालव करण दिन 12.08 तक, चन्द्रमा शनिवार प्रात: 5.07 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति - सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरु-वृष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में संचार करेगा। आज सवार्थ सिद्धि ओर कुमार योग सूर्योदय से सायं 5.18 तक है। रवियोग 5.18 से आरम्भ होगा। आज श्रीराम जानकी विवाह, नाग पंचमी (दक्षिण भारत में), स्कन्ध षष्ठी है।

श्रेष्ठ चौघडिया - चट-सूर्योदय से 8.24 तक, लाभ-अमृत 8.24 से 11.00 तक, शुभ 12.18 से 1.36 तक

राहुकाल 10.30 से 12.00 तक, सूर्योदय 7.06 सूर्यास्त 5.29

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखे। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। वाणि पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कर्क
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

सिंह
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में अथितियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा सम्भव है।

तुला
घर परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अथितियों का आगमन रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक
वृश्चिक - व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बडेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए भाग-दौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित समस्या हो सकती है। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
आर्थिक-वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

पच्चीस हजार रुपये का इनामी शातिर चंदन तस्कर गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने कार्रवाई कर नौ साल से फरार चल रहे तस्कर को पकड़ा

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने उदयपुर के जिला कलेक्टर एवं बांसवाड़ा के सेशन न्यायाधीश एवं एसडीएम के सरकारी निवास एवं नर्सरी के गार्ड को बंधक बना मारपीट कर चंदन के पेड़ों की चोरी कर तस्करी करने के मामले में करीब 9 सालों से फरार चल रहे शातिर चंदन तस्कर कालूराम जाट पुत्र सोनाथ निवासी हरनी कला थाना कोतवाली जिला भीलवाड़ा को डिटेन कर लिया। जिसे अग्रिम कार्रवाई के लिए बांसवाड़ा जिले की कोतवाली थाना पुलिस को सौंप दिया गया है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स दिनेश एमएन ने बताया कि वांछित अपराधियों एवं आपराधिक गिरोह पर निगरानी के लिए उपमहानिरीक्षक पुलिस श्री योगेश यादव एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ शर्मा के सुपरविजन में गठित एजीटीएफ की विभिन्न टीमों को आसूचना संकलन के लिए प्रदेश के विभिन्न शहरों में रवाना किया गया है।

एडीजी एमएन बताया कि पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में उप निरीक्षक प्रताप सिंह एवं कांस्टेबल विजय सिंह व गोपाल लाल की एक टीम पश्चिम राजस्थान में आसूचनाओं का संकलन कर जानकारी जुटा रही थी। चंदन के पेड़ों की चोरी कर तस्करी के मामले में बांसवाड़ा जिले के थाना कोतवाली में वांछित 25 हजार रुपये का इनामी व उदयपुर जिले के भूपालपुरा थाने का स्थाई वारंटी कालूराम जाट 9 साल से फरार चल रहा था। इस पर बांसवाड़ा जिले में तीन एवं उदयपुर जिले में चंदन के पेड़ों की चोरी का एक मुकदमा दर्ज है।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने तस्करी करने के मामले में करीब नौ सालों से फरार तस्कर को गिरफ्तार किया।

एमएन ने बताया कि टीम ने आरोपी के बारे में जानकारी जुटा इसकी गतिविधियों पर नजर रखना शुरू किया। इसी दौरान टीम के सदस्य कांस्टेबल विजय सिंह एवं गोपाल धाबाई एवं डीएसटी भीलवाड़ा के कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह को इसके बारे में इनपुट प्राप्त हुए। इस पर इंस्पेक्टर राम सिंह मय टीम द्वारा सूचना को पुख्ता किया गया। भीलवाड़ा जिले में कोतवाली थाना अंतर्गत तेजसिंह सर्कल से बड़ी मुश्किल आरोपी को डिटेन किया गया, जिसे अग्रिम कार्रवाई के लिए थाना कोतवाली बांसवाड़ा को सुपुर्द किया जा चुका है।

- यूपी, एमपी और महाराष्ट्र में आइसक्रीम की लोरी चलाकर काट रहा था फरारी

गिरफ्तार आरोपी कालूराम जाट काफी शातिर किस्म का है। पुलिस से बचने के लिए आरोपी ने अपने पास मोबाइल रखना भी छोड़ दिया। अपने गांव, परिजनों एवं रिश्तेदारों से किनारा कर यूपी, एमपी और महाराष्ट्र में आइसक्रीम की लोरी चलाकर फरारी काट रहा था। कभी-कभी रात के अंधेरे में छुपते-छुपाते परिजनों से मिलने आता और सुबह होने से पहले वापस निकल जाता।

एडीजी ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में एजीटीएफ के कांस्टेबल विजय सिंह एवं गोपाल धाबाई एवं डीएसटी भीलवाड़ा के कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

भंवरलाल शर्मा की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्रद्धेय भंवलाल शर्मा को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। राठौड़ ने कहा कि जनसंघ से लेकर भाजपा तक संगठन व जनसेवा के लिए भंवरलाल जी का परिश्रम हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायक है। भंवरलाल का संगठन के विस्तार और प्रदेश के विकास में अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में आज गुरूवार को पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व. भंवरलाल शर्मा की जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया। इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया की उपस्थिति में भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत, पूर्व प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, महेंद्र सिंह, रेशी शर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए और उन्हें नमन किया।

दस्तावेजों को अपडेट करावे

जयपुर। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश कुमार अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में शैक्षिणक सत्र 2024-25 के लिए सूचीबद्ध होने के लिए इच्छुक पात्र एवं योग्य पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं के ऑनलाईन प्रस्ताव विभाग द्वारा आमंत्रित किये जाने के लिए पोर्टल 20 नवंबर से खोला गया है, जिसकी अंतिम तिथि 15 दिसंबर निर्धारित है।

गांडीव स्टेडियम में ऑनर रन के बिब एक्सपो का आयोजन

बिब एक्सपो में सेना के जवानों द्वारा मार्शल आर्ट्स की शानदार प्रस्तुतियाँ पेश की गई।

जयपुर। जयपुर मिलिट्री स्टेशन के गांडीव स्टेडियम में 5 दिसंबर को "बिब एक्सपो" और सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा और पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड और बारिंदरजीत कौर, क्षेत्रीय अध्यक्ष, आवा, सप्त शक्ति कमांड उपस्थित थे। बिब एक्सपो में सेना के जवानों द्वारा मार्शल आर्ट्स की शानदार प्रस्तुतियाँ पेश की गई। इसमें कलारीपयट्टु, गतका, पैरामोटर शो और 61 कैवेलरी द्वारा ट्रिक राइडिंग जैसी रोमांचक गतिविधियाँ शामिल थीं जिसे देखकर दर्शकों ने गौरंविंत महसूस किया। मदन दिलावर, लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह, आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड, बारिंदरजीत कौर, क्षेत्रीय अध्यक्ष, आवा, सप्त शक्ति कमांड, ऋतु गौर, जनरल मैनेजर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और दीपा मलिक, पद्मश्री, अर्जुन अवार्डी ने प्रमुख धावकों को बिब सौंपे।

विशेष अतिथि वक्ताओं में पैरालंपियन डॉ. दीपा मलिक, एशियाई मैराथन चैंपियन सुनीता गोदारा, संगीता बिश्नोई और पैरा एथलीट कर्नल अनुज बिंदरा ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से दर्शकों को उत्साहित किया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ सेना अधिकारी, आर्मी पब्लिक स्कूल के छात्र और नेशनल कैडेट कोर के कैडेट्स भी शामिल थे। बिब वितरण 6 दिसंबर से जारी रहेगा और 7 दिसंबर को जयपुर से बाहर आने वाले धावकों के लिए भी उपलब्ध होगा। "ऑनर रन" 8 दिसंबर को "शूरवीरों के नाम एक दौड़" थीम पर आयोजित होगा, जिसमें 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी टाइम-बेस्ड श्रेणियाँ होंगी, साथ ही 3 किमी का फन रन भी होगा। इस कार्यक्रम का ध्वजारोहण कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उद्योग और वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री, राजस्थान द्वारा किया जाएगा। यह आयोजन भारतीय सेना के बहादुर वेटरन्स के साहस, बलिदान और सेवा को सम्मानित करने के साथ-साथ स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने का उद्देश्य भी रखता है।

राइजिंग राजस्थान में आने वाले देसी विदेश मेहमानों के स्वागत के लिए जयपुर के मुख्य मार्गों सहित यहाँ की शोभा बढ़ाते स्थानों को बेहद खूबसूरत बनाया जा रहा है। स्टेचू सर्किल व अम्बेडकर सर्किल को देखते ही मन को सकून मिलता है।

"द ढूंढाड टॉक्स" में देश की जानी-मानी बड़ी हस्तियां शिरकत करेंगी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में 17 जनवरी से "द ढूंढाड टॉक्स" का आयोजन होने जा रहा है। दो दिन तक चलनेवाले इस "द ढूंढाड टॉक्स" में देश की बड़ी हस्तियां शिरकत करेंगी। यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सांगानेर महानगर के महानगर संघचालक आशीष गुप्ता ने दी। वे गुरूवार को जगतपुरा स्थित होटल बनेटो में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। गुप्ता ने कहा कि प्रदीप गोपाल स्मृति न्यास सांगानेर का "द ढूंढाड टॉक्स" 17 व 18 जनवरी को सीतापुरा स्थित पूर्णिमा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में होगा। इस भव्य आयोजन मे देशभर से दर्जनो लेखक, वक्ता और कलाकार भाग लेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत 17 जनवरी प्रात: 9 बजे उद्घाटन समारोह से होगी।

उद्घाटन कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख प्रदीप जोशी मुख्य वक्ता रहेंगे। कार्यक्रम में कुल सात सेशन रहने वाले हैं। प्रथम मे ओर्गेनाइजर संपादक प्रफुल्ल केतकर, स्प्रिंग बोर्ड के राजवीर सर और जागरण पत्रिका के सह प्रबंधक श्यामसिंह रहेगे।

द्वितीय मे केरला स्टोरी के लेखक सूर्यपाल सिंह और समाज सेवी व लेखिका दीपिका नारायण भारद्वाज शामिल होगे। म्यूजिक नाईट सायं 5 बजे रहेगा जिसमे रेपरिया बालम अपनी शानदार प्रस्तुतिया देगी।

कार्यक्रम के दूसरे दिन 18 जनवरी को प्रात: 10 चौथे सत्र में सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा और फैशन डिजाइनर रुमा देवी महिलाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। दोपहर 2 बजे प्रथम सॉफ्टवेयर के सीइओ पुनीत मित्तल और डायरेक्टर पुर्णिमा शशिकांत सिंघी राष्ट्रिहत से जुड़े हुए विभिन्न विषयों पर अपना मंतव्य रखेंगे।

- दो दिन विभिन्न महत्वपूर्ण विषयो पर विशेषज्ञ करेंगे चर्चा

कार्यक्रम के अंतिम सेशन में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी शामिल होंगे।

प्रेसवार्ता के दौरान सांगानेर महानगर संघ चालक आशीष गुप्ता,, को-फाउण्डर राहुल सिन्घी, उद्योगपति अक्षय गुप्ता, उद्योगपति अक्षय हाडा, भार्गव एवं लोढा स्टॉक ब्रोकर नरेश भार्गव, जेइआरसी डाइरेक्टर अमित अग्रवाल, रूगटा हास्पिटल डायरेक्टर रासविहारी रूंगटा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जयपुर प्रांत प्रचार प्रमुख श्री अविनाश पँवार, महात्मा गांधी अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डा.बुद्धि प्रकाश की ओर से द ढूँढाड़ टॉक्स के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

आशीष गुप्ता ने बताया कि द ढूँढाड़ टॉक्स कार्यक्रम की टैग लाइन "राष्ट्र हितम मम कर्तव्यं" अर्थात राष्ट्रिहत में मेरा कर्तव्य क्या? है। उन्होंने बताया कि द ढूँढाड़ टॉक्स कार्यक्रम राजस्थान की राजधानी में जयपुर केंद्र मे हो रहा है। हम हमारी विरासत को सहेजे और जो हमारा पुराना नाम ढूँढाड़ उसको हमने कार्यक्रम के नाम में शामिल किया है। आज के इस आधुनिकीकरण के युग में समाज अपनी दिशा स्वयं तय करे उसके लिए कई विषयों पर खुली वार्ता रखी गई है। जिससे हम यह तय कर सके की राष्ट्र के निर्माण में हम क्या योगदान कर सकते हैं।

आर.जी.एच.एस. में लाइव फोटो व्यवस्था असंगत और अमानवीय : जूली

जयपुर। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरजीएचएस के अंतर्गत मरीजों के लाइव फोटो और फिंगर प्रिंट की अनिवार्यता की नयी व्यवस्था का आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि खामियों से भरा यह आदेश अव्यवहारिक ही नहीं बल्कि अमानवीय भी है। इस नये आदेश से प्रदेश के बुजुर्ग, पेंशनर और असाध्य रोगी परेशान हो रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार का प्रदेश की जनता के दु:ख-दर्द से कोई सरोकार नहीं है। जूली ने कहा कि आरजीएचएस से जुड़े अस्पतालों में 1 दिसंबर से लागू इस नयी व्यवस्था से बुजुर्ग मरीजों की परेशानियां बढ़ी हैं।

जूली ने कहा कि बहुत अफसोस की बात है कि राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर दोनों को ग्राउंड रियल्टी की रत्ती भर भी जानकारी नहीं है। इसलिए राज्य सरकार ने इतना असंगत निर्णय लेकर प्रदेश की जनता की तकलीफ बढ़ाने का काम किया है। इससे ओपीडी से लेकर इनडोर तक सभी जगह मरीजों की परेशानी में इजाफा हुआ है। चार दिन में ही ऐसे मामले सामने आ रहे हैं कि लाइव फोटो का इंप्रेशन पर्ची पर साफ नहीं आ रहा है और इससे मरीजों को पुन: लाइन में लगना पड़ रहा है। इसके अलावा इस नयी व्यवस्था की कोई आवश्यकता नहीं है। लेकिन सरकार ने बिना विचार किये यह व्यवस्था लागू की है।

रसायनमुक्त खेती समय की आवश्यकता : भागीरथ चौधरी

दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने गुरुवार को अपने दिल्ली स्थित आवास से 'मेरे गांव की मिट्टी- शुद्ध उगाओ, शुद्ध खिलाओ' अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान की पहल भारत की प्रमुख मसाला कंपनी एमडीएच ने की है। इसका उद्देश्य किसानों को पेस्टीसाइड के दुष्परिणामों से अवगत कराना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण तथा पेस्टीसाइड मुक्त फसलें उगाने के लिए प्रेरित करना है।

- केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री ने "मेरे गांव की मिट्टी" अभियान का शुभारंभ किया

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 10 वर्षों में किसानों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। लेकिन यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि किसान फसल की गुणवत्ता पर ध्यान दें। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि 'मेरे गांव की मिट्टी' जैसी पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेगी बल्कि उनके खेतों की उर्वरता और उत्पादकता को भी बनाए रखेगी। यह अभियान किसानों को पेस्टीसाइड के प्रयोग को कम करने और अधिक स्वस्थ व स्वच्छ कृषि उत्पाद उगाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। चौधरी ने कहा कि दुनिया अब ऑर्गेनिक खेती की ओर देख रही है। पेस्टीसाइड-मुक्त उत्पादों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, यह अभियान किसानों के लिए जागरूकता और मार्गदर्शन का माध्यम बनेगा। स्वस्थ खाना तभी संभव है जब किसान स्वस्थ उत्पाद उगाएं। केंद्रीय मंत्री ने भागीरथ चौधरी ने बताया कि भारतीय कृषि उत्पादों का निर्यात लगभग 55 अरब डॉलर का है, जिसमें मसालों का योगदान तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2023-24 में मसालों के निर्यात में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस तरह के अभियानों से भारतीय मसाला उद्योग का आकार 2030 तक 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। राजस्थान में उगाए जाने वाले जीरा, धनिया, लाल मिर्च, और अन्य मसालों की गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने और उनकी आय बढ़ाने के लिए यह अभियान विशेष योगदान देगा। एमडीएच के सदस्य प्रेम अरोड़ा ने बताया कि यह कंपनी पेस्टीसाइड-मुक्त मसालों को ही प्रोसेस करती है और किसानों को इस दिशा में प्रेरित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस मौके पर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रधान प्रेम अरोड, राजस्थान नागौर से सुरेश राठी, एमडीएच परिवार से शरद राठी, स्पाईस बोर्ड ऑफ इंडिया से दिनेश बिष्ट, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, जनरल सक्रेटरी और खाद्य तेल कारोबारी हमेंत गुप्ता, कैमीकल इंडस्ट्री एसोसिएशन के प्रधान प्रदीप गुप्ता, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जनरल सक्रेटरी और सदर बाजार फडरेशन के प्रधान राकेश यादव, एमडीएच के राजेन्द्र कुमार और सीपीएआई से बीके सभरवाल भी मौजूद रहे।

किसानों के कल्याण के लिए कृत संकल्पबद्ध मोदी सरकार : राठौड़

- राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ द्वारा "पीएम किसान योजना" को लेकर लगाए सवाल का कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने दिया जवाब

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की आय दोगुनी करने के साथ उनके कल्याण और उत्थान के लिए कृत संकल्पबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से फरवरी 2019 में "प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना" का शुभारंभ किया और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण मोड के माध्यम से किसानों के खातों में सालाना 6 हजार रूपए देने की घोषणा की। पीएम किसान योजना से जहां 2019 में पहली किस्त के तौर पर देश के 3 करोड 16 लाख से अधिक किसानों को 6323 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता राशि प्रदान की गई, वहीं 18वीं किस्त के तौर पर देश के 9 करोड़ 58 लाख 97 हजार से अधिक किसानों को इस योजना से लाभान्वित किया गया। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने यह जानकारी दी है।

राठौड़ ने बताया कि राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पहली किस्त 64 हजार किसानों को दी गई थी, जबकि 18वीं किस्त में लाभान्वित किसानों की संख्या 70 लाख से अधिक पहुंच गई। 2019 में 64 हजार 993 किसानों को 12.99 करोड़ रूपए पीएम किसान सम्मान निधि के तौर पर सीधे खातों में दिए गए। जबकि 18वीं किस्त के तौर पर राजस्थान के 70 लाख 31 हजार 163 किसानों को इस योजना में शामिल करते हुए 1544.86 करोड़ रूपए खाते में भेजे गए। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सभी भूमि धारक किसानों के परिवारों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना है, ताकि उचित फसल स्वास्थ्य और उचित उपज सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न आवश्यक सामग्री खरीदी जा सकें। इस योजना के तहत सालाना 6000 रुपये की राशि तीन किस्तों में दी जाती है।

खान विभाग की इसी माह के अंत तक एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना के लिए ई-नीलामी की तैयारी : टी. रविकान्त

- मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा एम-सेण्ड पॉलिसी जारी करते ही विभाग एक्शन मोड पर
- फील्ड अधिकारियों को एम-सेण्ड इकाइयों के लिए प्लाट तैयार कर प्रस्ताव भेजने के निर्देश
- बजरी का सस्ता और सहज विकल्प, खुलेंगे निवेश और रोजगार के नए अवसर

जयपुर। खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने बताया है कि विभाग द्वारा इसी माह के अंत तक एम सेण्ड ब्लाकों की ई-नीलामी की प्रक्रिया आरंभ कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग के फील्ड अधिकारियों को एम सेण्ड इकाइयों की स्थापना के लिए प्लाट तैयार कर निदेशालय को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त ने मुख्यमंत्री एवं खान मंत्री श्री भजन लाल शर्मा द्वारा बुधवार को राज्य की नई एम-सेण्ड पॉलिसी जारी होने के साथ ही एक्शन मोड पर आते हुए गुरुवार को सचिवालय में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि बजरी के विकल्प के रुप में एम-सेण्ड की सहज उपलब्धता के लिए नई एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना हेतु प्लाट तैयार कर ई नीलामी की जाएगी। इससे प्रदेश में एम-सेण्ड का उत्पादन बढ़ेगा और आमनागरिकों को बजरी के विकल्प के रुप में एम-सेण्ड की सहज और सस्तें में उपलब्धता हो सकेगी। इसके साथ ही प्रदेश में माइनिंग सेक्टर में नया निवेश और रोजगार के अवसर विकसित हो सकेंगे।

टी.रविकांत

टी. रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने आमनागरिकों के लिए संवेदनशील निर्णय करते हुए बजरी के विकल्प के रुप में नई और व्यावहारिक एम-सेण्ड नीति बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में नई एम-सेण्ड पॉलिसी तैयार की गई। नई नीति में एम-सेण्ड इकाइयों को उद्योग का दर्जा देने के साथ ही राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना में विशेष रियायतों दी गई है। राज्य की नई एम-सेण्ड नीति में प्रदेश में एम-सेण्ड इकाइयों की स्थापना और प्रदेश में बजरी के विकल्प के रुप में एम-सेण्ड के उपयोग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। नई नीति में प्रदेश में एम-सेण्ड इकाइयों के संचालन में आसानी एवं उत्पादन की दृष्टि से निवेशकों के अनुकूल बनाने के साथ ही निवेशकों को रिप्स में सहायता प्रावधान और आमनागरिकों को बजरी के विकल्प के रुप में एम-सेण्ड की सहज उपलब्धता सुनिष्चित करने पर बल दिया गया है।

प्रमुख सचिव रविकान्त ने बताया कि राज्य की नई एम-सेण्ड नीति में आम नागरिकों को बजरी के विकल्प के रुप में सस्ती एवं सहज उपलब्धता, नदियों से बजरी की आपूर्ति पर निर्भरता कम करते हुए पारिस्थितिकीय तंत्र में सुधार, खनन क्षेत्र के आवरबर्डन का बेहतर उपयोग, भवनों और कंक्रिट ढांचे के मलबे को रिसाईकलिंग के साथ ही एम-सेण्ड उद्योग को बढ़ावा व रोजगार के अवसर विकसित करना है। उन्होंने बताया कि नई नीति में एम-सेण्ड इकाई की स्थापना की पात्रता में रियायत देते हुए 3 साल के अनुभव व 3 करोड़ के टर्न ऑवर की बाध्यता समाप्त कर दी गई है। इसी तरह से ऑवरबर्डन पर देय रॉयल्टी को कम किया गया है वहीं नीलामी के समय एम-सेण्ड यूनिट के लिए दो प्लाट रखने के स्थान पर 5 प्लाट आरक्षित कर आवंटित किया जाएगा। इसके साथ ही ऑवरबर्डन पर देय डीएमएफटी की राशि में छूट, एम-सेण्ड के निर्माण में प्रयुक्त ऑवरबर्डन पर देय रॉयल्टी को कम करने, सरकारी और सरकार से वित पोषित निर्माण कार्यों में बजरी की मांग के आपूर्ति में 50 प्रतिशत एम-सेण्ड के उपयोग की अनिवार्यता तय की गई है ताकि प्रदेश में बजरी के विकल्प के रुप में सरकारी निर्माण कार्यों में एम-सेण्ड के उपयोग को बढ़ावा देना है।

रविकान्त ने बताया कि विभाग का जोर अब एम-सेण्ड इकाइयों की अधिक से अधिक स्थापना और सरकारी व सरकार से वित पोषित निर्माण कार्यों में बजरी के विकल्प के रुप में एम-सेण्ड का 25 प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि विभाग एम-सेण्ड के उत्पादन में प्रतिवर्ष 20 फीसदी बढ़ोतरी के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेगा।

हरियाणा भाजपा प्रभारी, पूर्व अध्यक्ष भाजपा राजस्थान डॉ. सतीश पूनिया ने जयपुर में रानी सती नगर स्थित अपने जनसंवाद केंद्र पर प्रदेशभर से आये पार्टी कार्यकर्ताओं व आमजन से मुलाकात की। इस दौरान भारी संख्या में हुजूम उमड़ा। सभी से पूनिया ने रामा-श्यामा कर हालचाल भी जाना। सतीश पूनिया ने पार्टी कार्यकर्ताओं व आमजन से मुलाकात कर जन समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों से बात कर समाधान के लिए आग्रह किया।

इंवेस्ट के नाम पर 5.77 लाख रुपये की ठगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के झालामंड क्षेत्र में रहने वाला एक युवक को वर्क फ्रॉम में इंवेस्ट के नाम पर 5.77 लाख की ठगी का शिकार हो गया। पंद्रह दिन तक उससे इंवेस्ट के नाम पर शातिर रकम ऐंठते रहे फिर साइट को बंद कर दिया। धोखाधड़ी के शिकार युवक ने कुड़ी थाने में अब केस दर्ज करवाया है। पुलिस ने अठिाम पड़ताल आरंभ की है। कुड़ी पुलिस ने बताया कि मूलतः खोपड़ा नोहर हनुमानगढ़ हाल झालामंड स्थित आदर्श नगर निवासी रामस्वरूप पुत्र धनराज जाट की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया गया है कि उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया था, जिसमें वर्कफ्रॉम के नाम पर पैसा इंवेस्ट करने और दुगुना करने का प्रलोभन दिया गया। शातिरों ने पहले पांच हजार रूपए इंवेस्ट किए जाने पर उसे दुगुना करके दिया। इस तरह उसे धन दुगुना करने के नाम पर रकम ऐंठते गए और आखिर में उससे 5 लाख 77 हजार 540 रूपए का फ्रॉड कर दिया। शातिरों ने बाद में साइट को बंद कर दिया।

राजस्थान-सरकार

कार्यालय, उप वन संरक्षक, पाली (राज.)

रेल्वे स्टेशन के पास, सरदार पटेल नगर, पाली दूरभाष नं. 02932-280798

Email-dcf.pali.forest@rajasthan.gov.in

क्रमांकः-एफ( )उवसं/स्टोर/2024-25/6838 दिनांकः-27.11.2024

खुली ई-निविदा सूचना सं. 16/2024-25

इस वनमण्डल द्वारा रेंज-पाली में निम्नलिखित MJSA 2.0 कार्यों के लिए खुली ई-निविदा आंमत्रित की जाती है। यह निविदा सुचना www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकता है तथा निविदा प्रपत्र http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं अपलोड किये जा सकते है। इस कार्यालय में कार्यालय समय में देखा जा सकता है।

क्र. सं.	यूबीएन नं.	कार्य राशि (लाखो मे)	कार्य की प्रकृति	अंतिम तिथि व समय
1	NIB code FOR2425A1528 UBN code FOR2425WSOB02097	175.87	MPT,CCT, PT, work approved under Range Pali, Tehsil Pali under MJSA 2.0 of Panchayat Samiti Pali and Tehsil Rohat under Panchayat Samiti Rohat	16.12.2024 दोपहर 12:00 पी.एम. बजे तक

(पी. बाला मुरुगन, IFS)
उपवन संरक्षक,
पाली

DIPR/C/12190/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खण्ड उदयपुर

क्रमांक-2442 NIT NO. 18/2024-25 दिनांक-29.11.2024

Notice Inviting Bid No. PWD2425A3058

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगर खण्ड उदयपुर के अधीन उपखण्ड कार्यालयों में विभिन्न भवन मरम्मत एवं सुदृढीकरण का कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष से पांच वर्ष की गारण्टी अवधि सहित निम्न कार्यो की निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	भवन कार्य-कुल 6 (छः) कार्य
निविदा की कुल लागत	राशि रू. 171.67 लाख
ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	03.12.2024 प्रात 9.30 से 12.12.2024 सायं 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	13.12.2024 सायं 4.00 बजे से

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "http://dipr.rajasthan.gov.in" "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "sppp.rajasthan.gov.in" पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया पर ऑनलाईन सम्पादित की जावेगी।

S.No.	UNB NO. PWD2425A3058				
1.	PWD2425WSOB11226	2.	PWD2425WSOB11227	3.	PWD2425WSOB11228
4.	PWD2425WSOB11229	5.	PWD2425WSOB11230	6.	PWD2425WSOB11231

(आर.के. मुदंडा) अधिशाषी अभियंता
सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खण्ड उदयपुर

DIPR/C/12269/2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर,

मोरी चार बाग भरतपुर 321 001 (राज.)

eemhbharatpur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in, Mob. 9602097030

क्रमांक-M&H/2024-25/2256 दिनांकः 29.11.2024

निविदा सूचना संख्याः 13/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर/डीग/धौलपुर / करौली में रू0. 501.20 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

(एल.के. अग्रवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

NIB No. MHS2425A2800

1.	Construction of PHC Machhariya, Distt-Dholpur	UBN is: MHS2425WSOB04047
2	Construction of PHC Mehrawar. Distt-Bharatpur	UBN is: MHS2425WSOB04048
3.	Solar Power Plant at PHC Daulatpura District Karauli	UBN is: MHS2425WSOB04049
4.	Internal Electrification work in BPHU Rondhai, Distt-Karauli	UBN is: MHS2425WSOB04050
5.	Internal Electrification work in BPHU Masalpur, Distt-Karauli	UBN is: MHS2425WSOB04051
6.	Internal Electrification work in BPHU Rarah, Distt-Deeg	UBN is: MHS2425WSOB04052
7	Internal Electrification work in BPHU Roopbas. Distt- Bharatpur	UBN is: MHS2425WSOB04053
8.	Internal Electrification work in PHC Fatehpur. Distt-Karauli	UBN is: MHS2425WSOB04054
9.	Internal Electrification work in PHC Jagar, Distt-Karauli	UBN is: MHS2425WSOB04055
10.	Internal Electrification work in PHC Barkheda. Distt- Bharatpur	UBN is: MHS2425WSOB04056
11.	Internal Electrification work in PHC Salempur Khurd, Distt-Bharatpur	UBN is: MHS2425WSOB04057
12.	Internal Electrification work in PHC Jhalatala, Distt- Bharatpur	UBN is: MHS2425WSOB04058
13.	Internal Electrification work in CHC Sewar, Distt- Bharatpur	UBN is: MHS2425WSOB04059
14.	Internal Electrification work in CHC Khanua, Distt- Bharatpur	UBN is: MHS2425WSOB04060

DIPR/C/12278/2024

बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की 100% पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सूचना

(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (2) के तहत)

1. बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड , जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 में है, जो कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित है, ने केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 15 की उप-धारा (1) के तहत पारेषण लाइनों, उप-स्टेशनों और अन्य परिसंपत्तियों के संबंध में ट्रांसमिशन लाइसेंस प्रदान करने के लिए एक आवेदन किया है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:-

क्र. सं.	लाइन/सबस्टेशन का नाम (नोट के अनुसार स्थान)	बीपीसी की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार लाइन की लंबाई/क्षमता	वार्षिक ट्रांसमिशन शुल्क (आईएनआर) मिलियन प्रति वर्ष	कमीशनिंग शेड्यूल	टिप्पणी
1.	765/400/220kV बीकानेर-IV पूलिंग सब स्टेशन और संबंधित उपकरण।	12000एमवीए, 730 एमवीएआर (बीआर) 480 एमवीएआर (एसएलआर)	5879.06	असरदार तारीख यानी 11.11.2024 से 24 महीने	
2.	बीकानेर-IV पीएस में स्टेटकॉम (2x±300 एमवीएआर) एमएससी (4x125 एमवीएआर) और एमएसआर (2x125 एमवीएआर) के साथ	+/- 600 एमवीएआर			
3.	बीकानेर II पीएस-बीकानेर III पीएस (क्वाड) सीधी 400 केवी लाइन के दोनों सर्किटों का बीकानेर-IV पीएस पर LILO	लिलो 32.378 किमी			
4.	765 केवी बीकानेर-IV पीएस-सिवानी डी/सी लाइन	236.176 कि.मी			
5.	400 केवी सिवानी-फतेहाबाद (पीजी) डी/सी लाइन (क्वाड)	74.42 किमी			
6.	400ट सिवानी - पातड़ाँ (इंडी ग्रिड) डी/सी लाइन (क्वाड)	152.457 कि.मी			
7.	फतेहाबाद (पीजी) और पातड़ाँ (इंडी ग्रिड) जीआईएस एस/एस प्रत्येक में 2 नंबर 400 केवी लाइन बे	-			
8.	सिवानी एस/एस पर 2 नग 765 केवी लाइन बे	480 एमवीएआर (एसएलआर)			
9.	सिवानी एस/एस पर 4 नग 400 केवी लाइन बे	160 एमवीएआर (एसएलआर)			

नोटः (i) तत्व 1, 2, और 3 के स्थान राजस्थान राज्य में हैं; तत्व 4 के स्थान राजस्थान और हरियाणा दोनों में हैं। तत्व 5, 8, और 9 का स्थान हरियाणा में है, और तत्व 6 और 7 का स्थान हरियाणा और पंजाब दोनों में है।
(ii) पूर्ण दायरे के लिए कृपया https://www.powergrid.in/subsidiaries पर जाएं।

2. आयोग के समक्ष दायर पूर्ण आवेदन और अन्य दस्तावेज पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेब साइट https:%//www.powergrid.in/subsidiaries पर किसी भी व्यक्ति द्वारा उपयोग के लिए उपलब्ध हैं। आवेदन का निरीक्षण कंपनी के सी/ओ ईडी (टीबीसीबी), पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सौदामिनी, प्लॉट नंबर 2, सेक्टर -29, गुड़गांव 122001 में, श्री नरेश कुमार, वित्त प्रभारी, बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड या आयोग द्वारा निर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार आयोग का कार्यालय के साथ भी किया जा सकता है।
3. आपत्ति या सुझाव, यदि कोई हो, आवेदक या उसके अधिकृत एजेंट, अखबार में नोटिस के प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर सचिव, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, 7वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली- 110029 के समक्ष आपत्ति (ओं)/सुझाव (ओं) की एक प्रति के साथ दायर किया जाना चाहिए।

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 06.12.2024

श्री नरेश कुमार,
वित्त प्रभारी,
बीकानेर ए पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड

PG/CC/Notice-130(TBCB)/Advt-166/24-25/LALIT

अनियंत्रित होकर पिकअप खाई में पलटी, दो दर्जन लोग घायल

पिकअप सवार लोग पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने ध्यावा गांव से तिलोटी गांव जा रहे थे

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिला मुख्यालय से सालासर निकलने वाले हाइवे पर एक हादसा हो गया। हादसे में पिकअप में सवार लगभग दो दर्जन लोग घायल हो गये। जानकारी में सामने आया है कि सामने से अचानक दूसरा वाहन आ जाने से सवारियों से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई थी।

जानकारी के अनुसार ध्यावा गांव से एक ही परिवार के लगभग दो दर्जन से ज्यादा लोग सवार होकर तिलोटी गांव पारिवारिक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे। इसी दौरान मिठड़ी कस्बे के बाइपास पर रिंगण रोड तिराहे पर सामने से अचानक दूसरा वाहन आ जाने से सवारियों से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर खाई में पलट गई। पिकअप पलटने से पिकअप में सवार लगभग दो दर्जन लोग हादसे का शिकार हो गए। सभी घायल एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल है। घटना की जानकारी मिलते ही मिठड़ी कस्बे में स्थित पुलिस चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को मिठड़ी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए लाया गया, जिसमें लगभग एक दर्जन घायलों की गंभीर स्थिति देखते हुए उन्हें सीकर अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं एम्बुलेंस नर्सिंग स्टाफ विजय मोरदिया, पायलट भूपेश भालोटिया के द्वारा चार गंभीर घायलों को डीडवाना के राजकीय बांगड़ जिला अस्पताल इलाज के लिए लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को जयपुर रेफर किया गया। वहीं दो घायलों का इलाज जारी है।

घायलों को मिठड़ी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए ले जाया गया।

- मिठड़ी कस्बे के बाइपास पर रिंगण रोड तिराहे पर सामने से दूसरा वाहन आने से हादसा हुआ

दस करोड़ का जप्त मादक पदार्थ नष्ट कराया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की जिला पश्चिम पुलिस द्वारा चलाए जा रहे मिशन संकल्प के तहत विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के दर्ज प्रकरणों में दस करोड़ कीमत का जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थ नष्ट कर उनका निस्तारण किया गया। साथ ही 20 किलो अफीम को क्षारोद कारखाना नीमच (एमपी) में जमा करवाया गया।

डीसीपी पश्चिम राजर्षि राज वर्मा ने बताया कि पुलिस आयुक्त राजेन्द्रसिंह के निर्देशन में जिला स्तर पर चलाए जा रहे मिशन संकल्प के तहत एनडीपीएस एक्ट के दर्ज प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध मादक पदार्थों का प्रावधानानुसार निस्तारण व नष्टीकरण किया गया है। विगत एक माह 15 दिन में विभिन्न थानों के एनडीपीएस एक्ट के 23 प्रकरणों में कुल 6462 किलोग्राम जब्त शुदा अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त, गांजा, स्मैक व नशीली टेबलेट्स का धारा 52ए एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानानुसार नष्टीकरण किया गया। इसी प्रकार एनडीपीएस एक्ट के 15 प्रकरणों में जब्तसुदा 20 किलो अफीम को क्षारोद कारखाना नीमच में जमा करवाया गया।

तीन साल से फरार टॉप टेन में वांटेड हड़मत सारण गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेंज पुलिस ने कमलेश प्रजापति मुठभेड़ के प्रकरण में तीन साल से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वह टॉप टेन में वांटेड था। आरोपी को सीबीआई ने तलब किया था, मगर वह घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। उसे दस्तयाब कर अब गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि पाली रेंज टॉप-10 इनामी अपराधी की सूची में शामिल पाली के पुलिस थाना साण्डेराव के वांछित इनामी अपराधी हड़मत सारण पुत्र दुर्गाराम जाट निवासी करना सिणधरी जिला बाड़मेर को रेंज की साईक्लोनर सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी तीन साल से फरार चला आ रहा था। आईजी विकास कुमार के अनुसार आरोपी हड़मत सारण को सीबीआई द्वारा कमलेश प्रजापति मुठभेड़ की जांच के दौरान भी तलब किया गया था। वर्ष 2021 में साण्डेराव पुलिस द्वारा वांछित अपराधी कमलेश प्रजापति की गिरफ्तारी के लिए की जा रही कार्रवाई के दौरान आरोपी कमलेश ने थानाधिकारी की गाड़ी को टक्कर मारकर जानलेवा हमला कर दिया था। तब थानाधिकारी हमले के दौरान बुरी तरह घायल हो गये थे। आरोपी कमलेश की गाड़ी भी पूरी तरह टूट गई थी और यह अपराधी इस मामले का मुख्य सूत्रधार जो उसे सकुशल बचा ले गया।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि आरोपी कमलेश को दस्तयाबी के लिए पुलिस द्वारा बाड़मेर में दबिश के दौरान हुई मुठभेड़ में आरोपी कमलेश मारा गया था, जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की गई थी। कमलेश प्रजापति की मुठभेड़ में हुई मौत की जांच के दौरान सीबीआई द्वारा आरोपी हड़मत को भी तलब किया गया था, परन्तु आरोपी हड़मत फरार चलने के कारण सीबीआई जांच के लिए नहीं गया था।

अपराधी हड़मत की गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। साईक्लोनर सेल को प्राप्त सूचना के अनुसार रेन्ज जोधपुर जिला बाडमेर क्षेत्र के दो बड़े इनामी अपराधी मध्यप्रदेश से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त है। आसूचना के विश्लेषण के बाद टीम मध्यप्रदेश को रवाना हुई। साईक्लोनर टीम पिछले तीन दिन से बैठी इंतजार कर रही थी और टीम चाय की दुकान पर बैठी थी। तभी अपराधी चाय की दुकान पर आया और वहां बैठी टीम के बारे में दुकान वाले को पूछा तो उसने कोई जवाब नहीं दिया तो अपराधी वहां से भाग निकला। आरोपी वहां से भागते हुए गाड़िया बदल-बदल कर छिपता रहा, अंत में बस में बैठे होने की पुख्ता जानकारी प्राप्त हुई।

पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि बस में बैठने की जानकारी प्राप्त होने पर साईक्लोनर टीम ने अगले कस्बे पर अपराधी एवं उसके साथ कितने साथी है इसकी तस्दीक करवाने के लिए टीम के एक सदस्य को बस में बिठाया और उसकी और उसके अन्य साथ होने वालों की जानकारी साईक्लोनर टीम लगातार लेती रही। बाद में जब बस अपने मंजिल उदयपुर पर पहुंच रही थी तो टीम द्वारा बस को घेराबंदी कर अपराधी को बस स्टॉप की भीड़भाड़ से निकलने दिया और सुरक्षित स्थान पर दबोच लिया गया।

जेल में पिटाई से हुई थी सहायक वाणिज्य कर आयुक्त की मौत, जेलर गिरफ्तार

झुंझुनूं जिला निवासी धनराज चौधरी सहायक वाणिज्य कर आयुक्त के पद पर थे

- धनराज चौधरी को एसीबी ने रायसिंहनगर में ट्रेप करके जेल भिजवाया था
- आरोपी जेलर रविकुमार ने धनराज चौधरी को बुरी तरह पीटा, इससे वे घायल हो गए थे

बीकानेर, (निसं)। केंद्रीय कारागृह में जेलर रहे दौसा के मालावास निवासी रविकुमार रैगर (35) पुत्र परसाराम को गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी वर्तमान में दौसा में कार्यरत है, इसलिए दौसा से गिरफ्तार कर लाया गया। यह जांच सीआईडी सीबी बीकानेर के इंस्पेक्टर सुरेंद्र पूनिया कर रहे हैं। आरोपी को अदालत में पेशकर उसी जेल में न्यायिक हिरासत में भिजवाया गया है, जहां वह घटना के दौरान जेलर था। यह घटना 4 अगस्त 2020 की है।

झुंझुनूं जिला निवासी धनराज चौधरी सहायक वाणिज्य कर आयुक्त के पद पर थे। उनको हनुमानगढ़ एसीबी ने रायसिंहनगर में 28 जुलाई 2020 को ट्रेप करके 29 जुलाई को जेल भिजवाया था। 30 जुलाई को तबीयत खराब होने पर जिला अस्पताल भर्ती करवाया गया। तीन अगस्त को डिस्चार्ज होने पर वापस जेल दाखिल करवाया गया। रात को आरोपी जेलर रविकुमार ने धनराज चौधरी को बुरी तरह पीटा। इससे वे घायल हो गए, लेकिन उनको जिला अस्पताल में भर्ती नहीं करवाया। अगली सुबह वे जेल डिस्पेंसरी में दवा लेने गए तो वहां फिर जेलर रविकुंमार ने उनसे बदसलूकी की और पेट तथा प्राइवेट पार्ट पर पैर से मारी। इससे धनराज चौधरी के प्राइवेट पार्ट में गंभीर चोट लगी और वे जोर-जोर से कराहने लगे। इसके बावजूद उनको जिला अस्पताल नहीं भिजवाया गया। शाम तक तड़पते रहे तो जेल डिस्पेंसरी प्रभारी ने उनको जिला अस्पताल लेकर जाने की सलाह दी। इस पर जेल गार्ड उनको जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां उनको मृत घोषित कर दिया।

न्यायिक जांच अधिकारी ने जांच रिपोर्ट केसाथ एसपी को पत्र लिखकर हत्या केआरोप में मुकदमा दर्ज करने को कहा। न्यायिक हिरासत में विचाराधीन बंदी की मौत पर न्यायिक जांच शुरू हुई। तत्कालीन मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में 5 अगस्त 2020 को मेडिकल बोर्ड ने पोस्टमार्टम किया। इसमें धनराज चौधरी के शरीर पर 9 जगह चोटें दिखाई दीं। इनमें से एक चोट उनके प्राइवेट पार्ट पर भी थी। जबकि एक दिन पहले ही 3 अगस्त को जिला अस्पताल में ही धनराज के हुए मेडिकल टेस्ट में उनके एक भी चोट नहीं बताई गई थी। तब न्यायिक अधिकारी ने 1 मार्च 2023 को जांच पूरी की। इसमें धनराज की हत्या किया जाना सामने आया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER P.W.D. DN. ALIGARH

No. 2497-2506 Dated-28.11.2024

Notice Inviting Bid 08/2024-25

3 Nos. Bids for Upgradation of Ayush Dispensary & Construction and Development of Studium are invited from interested bidders upto 16.12.2024 Time 6.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and Public Works department Rajasthan website. The approximate value of the procurement is Rs. 149.84 Lacs.

NIB CODE- PWD2425A3073

UBN IS: PWD2425WSOB11316, PWD2425WSOB11317, PWD2425WSOB11319

(B.S. Meena)
Executive Engineer,
P.W.D. Dn. Aligarh

DIPR/C/12304/2024

कार्यालय उप वन संरक्षक, करौली

क्रमांक-एफ( )एम.जे.एस.ए./उवसं/2024-25/6563 दिनांक-28.11.2024

खुली ई-निविदा सूचना 01/2024-25

करौली वन मंडल के अधीन मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान योजनान्तर्गत अग्रिम विकास एवं मृदा जल संरक्षण हेतु DEEP_CCT/CCT/MPT/TALAI/ECD/LSCD इत्यादि विकास कार्यो हेतु इच्छुक पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त विस्तृत विवरण एवं निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.raj.nic.in पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

UBN NO.- FOR2425WSRC02182, NIB NO.- FOR2425A1588

(सुमित बंसल)
उप वन संरक्षक, करौली

DIPR/C/12313/2024

दुराचार के आरोपी को 20 साल का कारावास

- 1 लाख 55 हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया

अजमेर, (कासं)। अजमेर की पोक्सो कोर्ट ने गुरुवार को एक नाबालिग किशोरी से दुराचार के आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उसे 1 लाख 55 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया है। इसी प्रकार पीड़िता को प्रतिकर स्कीम योजना के तहत 6 लाख रुपए मुआवजा देने के आदेश दिए हैं।

सरकारी अधिवक्ता रूपेन्द्र परिहार ने बताया कि नाबालिग किशोरी के पिता ने केकड़ी सिटी थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया था। उन्होंने बताया कि उनकी नाबालिग पुत्री गांव में दुकान से सामना लेने गई थी। काफी देर तक वह वापस नहीं लौटी तो गांव में तलाश की गई। बाद में पता चल कि आरोपी शैतान बैरवा दूर का भाई लगता है वह उसे बहला-फुसला कर अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर उसे गिरफ्तार कर लिया और पीड़िता का मेडिकल करवाया। कोर्ट में पीड़िता के बयान दर्ज करवाए गए। इस प्रकरण में अभियोजन पक्ष की ओर से 13 गवाह 22 दस्तावेज पेश किए गए।

कार्यालय नगर पालिका मांगरोल, जिला-बारां (राज0)

क्रमांक/न.पा.मा./निर्माण/2024/3139 दिनांक 04.12.2024

निविदा सूचना सं. ....वर्ष (2024-25)

NIB Code- DLB2425A4197

राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत उपर्युक्त श्रेणी के ठेकेदारों एव नगर पालिका मांगरोल के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधिशाषी अधिकारी से सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती हैं कार्य की अनुमानित लागत एवं डालने की दिनांक तथा निविदा खोलने की दिनांक, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान लोक उपापन पोर्टल वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No. DLB2425GSOB12769 पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मांगरोल

राज.संवाद/सी/24/8732

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड बाडी

क्रमांक :-1307 दिनांक :-29.11.2024

निविदा सूचना संख्याः 06/2024-25

NIB code PWD2425A3052 and UBN is: PWD2425ESOB11209

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड बाडी जिला धौलपुर में कुल 1 नं. पर भवन कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए, "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए, "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट "www.eproc.dipronline.org" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड बाडी
1	निविदा का कार्य	भवन मरम्मत कार्य
2	निविदा की कुल लागत	रु. 35.00 लाख
3	निविदा शुल्क, प्रोसेसिग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प. (5) / वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास चालान पर ऑनलाइन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। 1) निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 2) प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-(16)-02 (निर्माण विभाग) (RISL Fees) 3) धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 02.12.2024 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 11.12.2024 सायं 6:00 बजे तक
5	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 02.12.2024 प्रातः 11:00 बजे दिनांक 11.12.2024 सायं 6:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तारीख (बेवसाईट पर)	दिनांक 12.12.2024 सायं 03:00 बजे

(सौरभ शर्मा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि.खण्ड बाडी

IN The High Court of Judicature for Rajasthan at Jaipur

S.B./D.B./PIL Civil Writ Petition No. /2024

Any person/Company/Society/Stack Holders/Firm ....Petitioner

Versus

Kota Development Authority through its Secretary ....Respondent

Application under Rule 159 of Rajasthan High Court Rules for entering into Caveat

MAY IT PLEASE YOUR LORDSHIPS;

Your Lordship's humble applicant wants to enter into caveat under Rule 159 of the Rajasthan High court Rules and let nothing be done till the applicants are heard. In the matter.

The particulars of the S.B./DB/PIL Civil Writ Petition which is likely to be filed are given below:-

The S.B./DB/PIL Civil Writ petition may be filed by the following person:

Any person/Company/Society/Stack Holders/Firm etc.

The S.B./DB/PIL Civil Writ petition may be filed against:-

Kota Development Authority through its Secretary.

That the S.B./DB/PIL Civil Writ petition may is likely to be filed in the matter of proposed "Kund Kund" residential scheme of Kota Development Authority at land bearing khasra No. 1836 (Part) 1838, 1841/C, 1852 to 1855, 1861, 1862, 1864 to 1866, 1873 to 1877, 1878, 1879 situated at Village Nanta.

That Vakalatnama on behalf of Kota Development Authority through its Secretary is submitted herewith.

It is therefore, humbly prayed that nothing be done in the case till the applicants are heard.

HUMBLE Applicant
Kota Development Authority
Through Counsel:
(Satyanarayan Kumwat)
Advocate
R/571/1993
(M) 9314883733
emailID-snkumawat5039@gmail.com

Jaipur
Dated: 05.12.2024

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान

आबकारी भवन 2-गानियावाला, पंचवटी उदयपुर-313001

क्रमांक-F.32(B) (1) (AP)EX/L/2024-25-03000 part(6)/1345 दिनांकः 05.12.2024

पडत मदिरा की रिटेल ऑफ कम्पोजिट दुकानों के अनुज्ञापत्र हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचनाः-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2024-25 के अनुसार पडत रही कम्पोजिट मदिरा दुकानों के लिए ई-निविदा प्रक्रिया से बन्दोबस्त करने हेतु निम्नानुसार ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 06.12.2024 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 09.12.2024 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक, समय व स्थान	दिनांक 09.12.2024 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित स्थान जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय।

ई-निविदा में भाग लेने की शर्ते-

1. यह निविदा वेबसाईट https://www.sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय https://excise.rajasthan.gov.in पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएं बेबसाईट https://www.eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत की जानी है। ई-निविदा में भाग लेने के लिए डिजिटल सर्टिफिकेट, इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 के तहत प्राप्त करना होगा, जो इलेक्ट्रोनिक निविदा में लॉगिन/साइन करने हेतु काम में आयेगा। निविदादाता उपरोक्त डिजिटल सर्टिफिकेट सीसीए (CCA) द्वारा स्वीकृत एजेन्सी से प्राप्त कर सकते है। जिन निविदादाताओं के पास पूर्व में वैध डिजिटल सर्टिफिकेट है. उन्हें नया सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नही है।
2. देशी मदिरा, राजस्थान निर्मित मदिरा (RML), भारत निर्मित विदेशी मदिरा (IMFL) एवं बीयर की कम्पोजिट दुकानों का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, अनुमानित गारण्टी राशि, अमानत राशि, धरोहर राशि, पंजीकरण शुल्क का विवरण विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।
3. ई-निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा मदिरा दुकान का फार्म डाउनलोड करके फार्म के साथ प्रक्रिया शुल्क, आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि के चालान राजकोष में ऑनलाईन / ऑफलाईन जमा करवाकर चालानों की प्रति अपलोड करनी होगी। इन राशियों के जना नही होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता को निम्नलिखित राशियां उनके सामने उल्लेखित राजकोष मद में जमा करवानी होगी

क्र.सं.	विवरण	राशि (रूपय में)	राजकोष लेखा मद
1	RISL की प्रक्रिया/पंजीकरण शुल्क	रू. 2000/-	8658-00-102-(16)-01 (सिविल विभाग)
2	आवेदन शुल्क	निविदा के संबंध में जारी दिशा- निदेश एवं शर्तों की शर्त संख्या 6.11 के अनुसार रू. 10,000/- से लेकर रू. 20,000 तक (अनुमानित गारण्टी राशि के अनुसार)	0039-00-501-01-00 (आवेदन शुल्क)
3	अमानत राशि	अनुमानित गारण्टी राशि की 2 प्रतिशत	8443-00-103-00-00 (प्रतिभूति जमा)

ई-प्रोक पोर्टल से प्रकिया शुल्क, निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का एक चालान जनरेट करने पर लेखा मद 0075-00-800-52-01 (निविदा प्रपत्र शुल्क) में राशि रू. एक रूपया जमा करवाकर आवेदन शुल्क का चालान पृथक से राजकोष में मद 0039-00-501-01-00 में जमा करवाया जा सकता है।

4. अनुमानित गारण्टी राशि से कम राशि की निविदा प्राप्त होने पर स्वीकृति के संबंध में सक्षम स्तर से निर्णय लिया जायेगा। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने के समस्त अधिकार आबकारी आयुक्त को होगें।
5. स्वीकृत निविदादाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-निविदा के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
6. निर्धारित समय में वीछित राशियों यथा-धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जना राशि जप्तराज की जायेगी।
7. मंदिरा दुकानों के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2024-25 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश, आबकारी नीति वर्ष 2024-25 तथा प्रारूप अनुज्ञापत्र इत्यादि https://excise.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जिनका ई-निविदा में भाग लेने से पूर्व भली भाँति अध्ययन कर लेना चाहिए। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
8. ई-निविदा के संबंध में अन्य प्रावधान आबकारी एवं महासंयम नीति वर्ष 2024-25 एवं राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत्त बने नियम के अनुसार रहेगे। 9. ई-निविदा के संबंध में यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो न्यायिक क्षेत्र संबंधित जिला ही रहेगा।

UBN-EXC2425GLOB00163

(शिवप्रसाद नकाते)
आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/_____/2024

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के विकास कार्यों को मिशन अवधि में पूर्ण करने के निर्देश

जयपुर। जयपुर स्मार्ट सिटी की 24वीं बोर्ड बैठक गुरुवार को डीएलबी मुख्यालय पर आयोजित की गई।

बोर्ड बैठक के संबंध में जयपुर स्मार्ट सिटी सीईओ अरुण कुमार हसीजा ने बताया कि स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव, जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी, ग्रेटर निगम आयुक्त रुक्मणि रियाड सहित स्मार्ट सिटी के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव ने स्मार्ट सिटी द्वारा शेष रहे प्रगतिरत कार्यों को मिशन अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जयपुर स्मार्ट सिटी की बोर्ड बैठक गुरुवार को डीएलबी मुख्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश कुमार यादव हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव, जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी, ग्रेटर निगम आयुक्त रुक्मणि रियाड सहित स्मार्ट सिटी के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे

- जयपुर स्मार्ट सिटी की 24वीं बोर्ड बैठक आयोजित
- वाइस चेयरमैन कुसुम यादव जल्द करेगी स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का दौरा

वहीं चौगान स्टेडियम स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर संबंधित विभाग राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल को हस्तांतरित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में शेष रहे वित्तीय अनुदान के संबंध में दोनों नगर निगम को मैचिंग शेयर जल्द उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिए गए।

साथ ही स्मार्ट सिटी के अन्य प्रगतिरत प्रोजेक्ट में आ रही रुकावट के संबंध में विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर दूर करने के भी निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव राजेश कुमार यादव ने जयपुर स्मार्ट सिटी के अधिकारियों से वाइस चेयरमैन कुसुम यादव के साथ प्रगतिरत प्रोजेक्ट के निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए। साथ ही सिटीज 2.0 परियोजना के तहत ठोस कचरा प्रबन्धन के लिए उपयोगिता के आधार प्लांट लगाने के साथ विभिन्न प्रोजेक्ट्स घटको का चयन करने के लिए निर्देश दिए गए।

वहीं जयपुर में साइकिल स्टैंड को चलाने के लिए विज्ञापन के अधिकारों के साथ पुन: निविदा आमंत्रित करने के भी निर्देश दिए।

यूटीबी पर कार्यरत महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ और पैरामेडिकल कर्मचारियों की सेवा समाप्ति के बाद कार्मिक किरोड़ी लाल मीणा के आवास पर पहुंचे। सैंकड़ों कार्मिको ने स्वास्थ्य भवन पर विरोध प्रदर्शन किया। उच्च अधिकारियों के साथ वार्ता के बाद सहमति नहीं बनी। इसके बाद आंदोलन को जारी रखने का निर्णय लिया गया। यह जानकारी राजस्थान यूटीबी कार्मिक एसोसिऐशन के अध्यक्ष गिरीश शर्मा ने दी।

समिट में प्रत्येक जिले के विशिष्ट उत्पादों को मिलेगी पहचान : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने गुरूवार को आठवां संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में प्रदेश के हर जिले के विशिष्ट उत्पादों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने के लिए उपहार स्वरूप दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट हर मायने में बहुआयामी है। इस आयोजन का हिस्सा बनने वाले सभी गणमान्य व्यक्तियों को एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) के तहत हस्त निर्मित उत्पादों को उपहार के रूप में देंगे।

जिफ की दूसरी लिस्ट जारी में 19 देशों की 42 फिल्में शामिल

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (जिफ) के 17वें संस्करण के लिए नामांकित फिल्मों की दूसरी सूची जारी कर दी गई है।

इस सूची में 19 देशों की 42 फिल्में शामिल हैं। इनमें 17 फीचर फिल्में शामिल हैं। इससे पहले पहली सूची में 41 देशों की 170 फिल्में चयनित की गई थीं। इस सूची में विभिन्न श्रेणियों की फिल्मों को शामिल किया गया है, जो विश्व सिनेमा के विविध पहलुओं और कहानियों को दर्शाती हैं। प्रथम सूची के लिए 77 देशों की 1651 फिल्मों और दूसरी सूची के लिए 46 देशों की 477 फिल्मों के आवेदन प्राप्त हुए थे। फेस्टिवल के संस्थापक डायरेक्टर हनु रोज ने बताया कि इस साल कई फीचर फिल्मों के वर्ल्ड और इंडियन प्रीमियर भी होंगे।

इन फिल्मों का पहला प्रदर्शन जिफ के दौरान जयपुर में होगा। इस बार जिफ सिनेमैटिक ओलंपिक थीम पर आधारित है, जो इसे एक नए रूप में पेश करेगा। अब तक दोनों सूचियों में कुल 53 फीचर फिल्में और 100 शॉर्ट फिल्में शामिल की गई हैं, जो दुनिया के किसी भी अन्य फिल्म फेस्टिवल के मुकाबले सबसे बड़ी संख्या है।

इम्तियाज़ अली, कबीर खान, ओनिर और रीमा दास जैसे फिल्मकारों की निर्देशित माई मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया से एक अनोखी कॉमेडी-ड्रामा एंथोलॉजी है। यह फिल्म अंग्रेज़ी, बंगाली, हिंदी, दारी और ऑस्लन भाषाओं में बनाई गई है और फिल्म अभी रिलीज नहीं हुई है। विजय येलकंती निर्देशित मां काली में रायमा सेन और अभिषेक सिंह अभिनीत यह फिल्म तेलुगु, बंगाली, और हिंदी में तैयार की गई है। नागरिकता संशोधन अधिनियम पर आधारित एक गहन फिल्म, जिसमें भारत के इतिहास और शरणार्थी समुदायों की पीड़ा को दिखाया गया है।

रोडवेज में सात भ्रष्ट कार्मिकों पर कार्यवाही

जयपुर। रोडवेज प्रबंधन बसों में बेटिकट यात्री मिलने या भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने वाले कार्मिकों पर सख्त एक्शन ले रहा है। ऐसे कार्मिकों को निलंबित करने के साथ एपीओ करने जैसी कार्यवाही की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा के निर्देश पर रोडवेज बसों के राजस्व अर्जन में वृद्धि एवं आमजन को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, वहीं भ्रष्ट कार्मिकों पर कार्यवाही भी की जा रही है।

प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि वाहन में बेटिकट यात्री मिलने एवं भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए विभिन्न आगारों के ऐसे 7 कार्मिकों पर एक्शन लिया गया है। विद्याधर नगर, बारां, अनूपगढ़, लोहागढ़ आगार के चार परिचालकों को वाहन के निरीक्षण के दौरान बिना टिकट यात्रा करवाने के गंभीर प्रकरण पाए जाने के कारण अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए निलंबित किया गया है।

गृह रक्षा बल का स्थापना दिवस समारोह आज

जयपुर। गृह रक्षा बल का 62वां स्थापना दिवस शुक्रवार को फतेहपुरा बेगस स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान में मनाया जाएगा। महानिदेशक पुलिस होमगार्ड श्री राजेश निर्वाण इस अवसर पर परेड का निरीक्षण कर सलामी लेंगे। प्रात: 9 बजे से स्थापना दिवस के कार्यक्रम संचालित होंगे। इस अवसर पर गृह रक्षा बल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।

डीजी निर्वाण ने बताया कि वर्ष 1962 में देश और राजस्थान राज्य के नागरिकों को सुरक्षा और सहायता प्रदान करने और जीवन और संपत्ति की रक्षा करने के लिए स्वयं सेवी बल का संगठन "होमगार्ड" अस्तित्व में आया। होमगार्ड की मूल संकल्पना को विश्व युद्ध-2 के दौरान यूनाइटेड किंगडम में स्थानीय सुरक्षा के लिए गठित स्वंयसेवा बल से लिया गया है।

डीजी होमगार्ड ने बताया कि भारत-चीन युद्ध 1962 के दौरान हमारे देश में यह संगठन पुनर्जीवित हुआ। होमगार्ड नामक संगठन, देश के जिम्मेदार और स्वयंसेवी नागरिकों का बल, 1962 के चीनी आक्रमण के दौरान एक बड़ी ताकत बनकर सामने आया। संगठन की प्रभावशीलता को देखते हुए केंद्र द्वारा राज्यों को भी इस मॉडल को अपनाने और प्रत्येक राज्य में होमगार्ड बल गठित करनें की सलाह दी गई। इस दौरान कई राज्यो में एक साथ होमगार्ड का गठन हुआ, राजस्थान भी इनमें से एक था।

- डीजी होमगार्ड राजेश निर्माण लेंगे मार्च पास्ट की सलामी, बल के आला अधिकारी एवं कर्मचारी रहेंगे उपस्थित

निर्वाण ने बताया कि नागरिक अव्यवस्था, अशांति, संघर्ष एवं सांप्रदायिक दंगों के समय पुलिस, प्रशासन एवं अन्य एजेन्सियों के सहयोगी के रूप में नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने, उत्पादन एवं आवश्यक सेवाओं की आपूर्ति निरंतर बनाये रखने व आमजन के उच्चकोटी मनोबल को बनाये रखने में नि:स्वार्थ भाव से अपना योगदान देने के लिए नागरिक सुरक्षा और होमगार्डस के जुडवाँ संगठन की स्थापना राजस्थान राज्य में हुई।

आज होमगार्ड राजस्थान के सभी 33 जिलों में पुलिस और राज्य सरकार की सहायता सुनिश्रित करने के लिए बॉर्डर होमगार्ड, शहरी होमगार्ड ओर ग्रामीण होमगार्ड में संगठित 30 हजार से अधिक स्वंयसेवक एक मजबूत शक्ति के रूप में खड़े हैं।

सार-समाचार

लक्ष्यराज प्रकाश ऑफ सिरमौर ने जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल का अवलोकन किया

जयपुर। जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल का तीसरा दिन विशेष रूप से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, एग्जिबिशन, और गेम्स के माध्यम से वित्तीय साक्षरता पर जोर देने के लिए समर्पित था। हिज हाईनेस महाराजा लक्ष्यराज प्रकाश ऑफ सिरमौर इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और फेस्टिवल का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्कूलों के बच्चों से बातचीत की और उनके प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर सिटी पैलेस स्कूल के स्टूडेंट्स द्वारा तैयार एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट, ई-कार रश्मि रथ, को भी लॉन्च किया गया। महाराजा लक्ष्यराज ने बच्चों द्वारा प्रदर्शित प्रोजेक्ट्स और एग्जीबिशन को सराहा और उनके प्रयासों को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों द्वारा तैयार वित्तीय साक्षरता से संबंधित कई खेलों जैसे कि सांप सिढ़ी, पजल, स्पिनिंग व्हील, क्विज आदि में भी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इन खेलों का उद्देश्य बच्चों को वित्तीय साक्षरता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना था। महाराजा ने इन खेलों में भाग लेकर बच्चों को प्रोत्साहित किया और उनके प्रयासों की सराहना की, जिससे बच्चों का मनोबल और भी बढ़ा।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के चुनाव 6 व 7 को

जयपुर। 6 और 7 दिसंबर को चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के केंद्रीय और क्षेत्रीय परिषद के चुनाव आयोजित होंगे। पूरे देश में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे, जो उनके पेशे के भविष्य की दिशा निर्धारित करेगा। एक समूह ने मतदान को बढ़ावा देने के लिए शपथ ली है कि वे 6 और 7 दिसंबर को अवश्य वोट करेंगे। इस प्रेरक कदम का उद्देश्य अधिक से अधिक चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को चुनाव में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। यह चुनाव न केवल चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के विचारों और जरूरतों को प्रतिनिधित्व देगा, बल्कि इस पेशे की संरचना और नीतियों को भी प्रभावित करेगा। वोट से यह सुनिश्चित होगा कि सही नेतृत्व चुना जाए, जो चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के समुदाय के लिए सकारात्मक बदलाव लाए। मतदान करें और अपने पेशे को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में योगदान दें। समूह में सीए विष्णु अग्रवाल, दीपक मेहता, मोहित पाटनी, रोहन सोगानी, अंशुल चित्तोडा, कार्तिक बापना, नमन श्रीमाल, नमन मालू, निर्मल जैन, अक्षय जैन व अमित गुरनानी शामिल हैं।

कर्मचारी संघ, जलदाय विभाग के अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा द्वारा पानी बचाओ, पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ मिशन के तहत जयपुर के प्रतिष्ठित एडवांस लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. पंकज जुत्शी से मुलाकात की। डॉ. जुत्शी ने जल ही जीवन है, जल संरक्षण, स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण के शर्मा मिशन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व विधायक जालौर अमृता मेघवाल सहित यशस्वी, कविता एवं अतुल द्विवेदी उपस्थित रहे।

भारत के दुश्मनों से सांठ-गांठ कर अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं कुछ लोग : तिवाड़ी

नई दिल्ली/जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने बताया कि हमारे बचपन में घनश्याम दास बिड़ला और जमशेद टाटा के बारे में किताबों में पढ़ाया जाता था, ये भारत में उद्योग को आगे बढ़ाने वाले लोग हैं। तिवाड़ी ने बताया कि ये दुर्भाग्य की बात है कि आज इन सब भारतीय वेल्थ क्रियेटर्स को किताबों में पढ़ाया जाना तो दूर बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के दुश्मनों से सांठ-गांठ कर नुकसान पहुँचाने का काम किया जा रहा है। घनश्याम तिवाड़ी गुरुवार को सदन में भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के समर्थन में अपना वक्तव्य दे रहे थे।

- राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने गुरुवार को सदन में भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के समर्थन में अपना वक्तव्य दिया

घनश्याम तिवाड़ी ने बताया कि विदेशी ताकतें जो भारत की आर्थिक स्थिति को कमजोर करना चाहती हैं। विशेषकर जार्ज सोर्स और उसके अनुयायी भारतीय अर्थव्यवस्था को क्षति पहुँचाने के लिए काम कर रहे हैं। जब जब संसद सत्र शुरू होने वाला होता है तब तब कोई न कोई ऐसी तथ्यहीन रिपोर्ट जारी कर दी जाती है जिससे व्यवधान उत्पन्न हो जाता है।

तिवाड़ी ने बताया कि भारतीय लोकतंत्र का ये मोदी युग चल रहा है, जिसे विकास कार्यों के कारण आगे चलकर स्वर्णिम युग के नाम से जाना जाएगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि लगातार हवाई अड्डे, रेलवे लाइंस, रोड के विस्तार साथ साथ भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि का भी विस्तार हो रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम के साथ विपक्ष द्वारा किसी अन्य का नाम जोड़ना, उनके त्यागपूर्ण जीवन जो राष्ट्र को समर्पित है, के साथ अनुचित है। तिवाड़ी ने बताया कि वायुयान विधेयक 2024 के माध्यम से नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के साथ ही यात्रा की सरलता पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने बताया कि यह विधेयक विमानन क्षेत्र को न केवल अधिक संगठित बनाएगा बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी भी बनाएगा।

अपने वार्ड समस्याओं के समाधान लिए बाल पार्षद महापौर को लिखेंगे पत्र

जयपुर। हेरिटेज निगम, डिजिटल बाल मेला और फ्यूचर सोसायटी की ओर से गुरुवार को छोटी चौपड़ स्थित राजकीय महाराजा उच्च माध्यमिक विद्यालय में 'कौन बनेगा बाल पार्षद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा के वरिष्ठ नेता अविनाश राय खन्ना रहे, वहीं हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान महापौर कुसुम यादव ने सभी बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए कहा कि जयपुर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के जितनी जिम्मेदारी निगम प्रशासन की है, उतनी ही जिम्मेदारी जयपुर के नागरिकों की भी है और शहर के नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी से अवगत कराने का काम बच्चों का है। बच्चे अपने मन में एक बार संकल्प ले लें तो कोई काम असंभव नहीं है।

महापौर ने कहा कि जयपुर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने के लिए हमें छोटी छोटी बातों पर ध्यान देना होगा। इसकी शुरुआत अपने घर से करनी होगी। पॉलिथीन का उपयोग नहीं करना, सूखा और गीला कचरा अलग अलग डस्टबिन में रखना, सड़क पर कचरा नहीं फेंकना, कचरा हूपर में ही डालना आदि छोटी छोटी बातें जयपुर में स्वच्छता में नंबर वन बनाने में सहयोग करेगी। इस दौरान हेरिटेज निगम महापौर कुसुम यादव ने सभी विद्यार्थियों स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए रोको और टोको अभियान में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में पार्षद अरविंद मेठी, समाजसेवी गोविंद नाटाणी और विद्यालय प्रशासन मौजूद रहे। वहीं, बच्चों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाते हुए मुख्य अतिथि अविनाश राय खन्ना ने बताया कि आप सब बच्चे अपने वार्ड के पार्षद हों। अपने वार्ड और कालोनी की स्वच्छता के लिए आमजन को जागरूक करें और खुद भी कचरा नहीं फैलाएं। साथ ही ये प्रण लें कि अपने वार्ड में कोई भी समस्या के समाधान के लिए महापौर को पत्र लिखें। मुख्य अतिथि ने महापौर से भी बच्चों द्वारा बताई समस्याओं के जल्द निस्तारण कर प्रोत्साहित करने की बात कही।

हेरिटेज निगम कौन बनेगा बाल पार्षद कार्यक्रम में बच्चों ने स्वच्छता की शपथ ली।

- छोटी चौपड़ स्थित राजकीय महाराजा उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता अविनाश राय खन्ना रहे मुख्य अतिथि

प्रदेशभर में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का होगा आयोजन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी सोच और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता से राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं मे अभूतपूर्व सुधार और नवाचार हो रहे हैं।

राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की पहल पर प्रदेशभर में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविरों का आयोजन 15 दिसम्बर से 31 जनवरी तक सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर किया जाएगा।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने इस संबंध में सभी जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए है। मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों के साथ समुचित समन्वय करते हुए शिविरों में आमजन की अधिकाधिक भागीदारिता सुनिश्चित करने तथा आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि इन शिविरों में एलोपैथी के साथ ही आयुष पद्धित के माध्यम से भी रोगों का निदान एव उपचार किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा टेलीकंसल्टेशन से भी नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा। गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, बच्चों का टीकाकरण, असंक्रामक रोग यथा डायबिटीज, हाइपरटेंशन, कॉमन कैंसर एवं अंधता रोगियों की स्क्रीनिंग की जाएगी। मरीज को आवश्यकता होने पर एम्बुलेंस के माध्यम से उच्च चिकित्सा संस्थान पर ले जाकर भी उपचारित किया जाएगा। इन सभी शिविरों में 37 प्रकार की जांच सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध होंगी।

- 37 प्रकार की जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध होंगी
- शिविरों का आयोजन 15 दिसम्बर से 31 जनवरी तक होगा

गुणवत्तापूर्ण एवं समग्र उपचार की दृष्टि से पंचायत समिति मुख्यालयों पर फोलोअप एवं जिला स्तर पर रेफरल शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा उपचार किया जाएगा, साथ ही फॉलोअप शिविरों में भी अतिविशिष्ट विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा टेलीकंसल्टेशन की सेवाएं ली जाएंगी। शिविरों में मेडिकल बोर्ड के माध्यम से जाँच करवाकर दिव्यांगजन को यूडीआईडी प्रमाण पत्र भी जारी किए जाएंगे।

ARBiT it happens here...

Bartender Day

Most occupations have a day dedicated to them and the job of tending a bar is no exception. Bartender Day aims to make customers think about the great service their favourite bartenders give while pouring pints and mixing cocktails as well as their great people skills of talking, listening, joking and being a shoulder to cry on and a person to confide in. Over the centuries, a bartender's job has somehow evolved from just pouring your pint or shot into being a therapist of sorts, to the point that these days, that's what bartenders are best known for.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
06 December 2024
A-B

#TOWARDS A BETTER WORLD

Faux Fur Friday

Cozy and cruelty-free, it's the trendy way to stay warm when the weather cools down, with a touch of luxury.

Since man first started killing animals and wearing their skins, furs have been all the rage. Beaver fur, ocelot fur, wolf fur, bear fur, if it had four legs and a fuzzy exterior, we were going to use it as this year's latest fashion.

To be fair, in ages past, fur was utterly necessary, the same thing that kept our prey animals warm during the winter was being borrowed to help our ancestors survive the same. But times have changed, and with electric heating and synthetic fibers, there's no longer a need for fur. But it sure looks fantastic, even hundreds of years of fiber development can't change the fact that fur is a classic look that will never go out of style. But along with the fiber industry, our sensibilities have changed as well, and slaughtering tasty animals for their furs is no longer looked upon favourably. So, what's a lover of fuzzy clothes to do? Abandon it? Not at all! Faux Fur Friday is the answer to all of your animal hide needs, without the aching conscience.

History

The first fake furs started coming into the scene in the 1900s, with 'fur' being made from the wool of either newborn or unborn lamb, and sand was mixed with synthetic fibers soon after.

Since that day, fake furs have been expanding throughout the world and fashion industry. During the hey-day of fur fashion, fake furs were a way for those less financially enriched to get into the fur fashion.

Fur was considered to say a lot about the person wearing it, with *Vogue* Magazine stating that the fur you wear will reveal 'the kind of woman you are and the kind of life you will lead.' An expert in 1924 once told the *Times* that when a fur of any kind becomes fashionable, the (textile) trade will hunt for a substitute. Every girl wants to look like the fashionista's and would pay for the opportunity to do so. But what started as a way to produce realistic fake furs soon turned itself to a new pursuit. Fake furs had the benefit of being able to be produced in any colour and pattern, and thus, bright purple leopard prints became viability, and soon turned to fashion.

How to Celebrate

Need we say it? Spend the day decked out in Faux Furs! Get your best outfit together or invest in a new one, and show the world that Faux fur is still in. You can even have a themed party where everyone shows up wearing their fuzzy best. Faux Fur Friday is a great opportunity to bring back the 70's when the Frankly Fake Furs were in their hey-day, or you can use Faux Fur to host a 1920's themed party, where everyone shows up at their most (faux) elegance!

Buddhism began in China with a Han Emperor's Dream

Mingdi born Liu Zhang became emperor of the later Han or Eastern Han Dynasty at the age of 30.

The Sutra of Forty Two Sayings was, in most likelihood, written by Kashyapa Matanga to explain the basics of Buddhism wherever he preached. Saunders, who studied the text in detail, said that it was more or less an explanation of *Theravada* principles. It made him wonder that how well monastic teachings, that called for detachment, would have been received in a country of 'filial piety' like China? "But as if to disarm criticism, the Sutra goes on to suggest a sublimated family life. If the monk meets women, he is to treat the young as sisters or daughters, the old as mothers," Saunders said.

Ajay Kamalakaran

#HISTORY

No cultural or historic sight in China links the great Indian and Chinese civilisations more than the White Horse Temple Complex in Luoyang in the country's Henan province. In 68 CE, during the reign of Emperor Ming of Han or Mingdi, this temple became the first Buddhist house of worship in China. It was also from here that Buddhism spread further to Vietnam, Japan and Korea.

A reminder of the temple complex's kinship with India is an Indian-style Buddhist temple, inaugurated by Indian President, Pratibha Patil in 2010. "Historically, it has the unique distinction of symbolising an inter-mingling of Indian and Chinese cultures," Patil said.

As per a widely believed legend, the temple's construction as well as the arrival of Buddhism in China began with a dream. In this story, Mingdi, the emperor of the Later Han or Eastern Han Dynasty, dreamt that a golden figure flew over his palace, with the sun and moon behind its head. The next morning, he discussed his dream with his ministers, who suggested that it could have been the Buddha. At that time, it was only the learned men of China who knew of Buddhism, since the message of the Buddha arrived with traders and travellers, while the dominant religion of the country was Confucianism.

> "While Gotama was preaching in the Ganges Valley, Confucius and Lao-tse were grafting upon the ancient Chinese stock of Animism, or 'Universism,' their own distinctive teachings," American Buddhist scholar, Kenneth Saunders, wrote in the University of California, *Berkeley's Journal of Religion*.

"While Gotama was preaching in the Ganges Valley, Confucius and Lao-tse were grafting upon the ancient Chinese stock of Animism, or 'Universism,' their own distinctive teachings," American Buddhist scholar, Kenneth Saunders, wrote in the University of California, *Berkeley's Journal of Religion* in 1923. "And while in India and the adjoining countries, the exclusive *Theravada Buddhism* was being transmuted into the universalist *Mahayana*, this great parent-stem of Chinese religion was being shaped to receive the new graft."

Saunders believed that Mingdi's dream could not have come out of the blue. "There must have been some basis for the vision in thoughts already in the emperor's mind, and in some Buddhist image or Buddhist teachings already circulating in China," he said. "Indeed, an image is said to have been brought back by an expedition in 121 BC."

An image of Kasyapa Matanga and his name in Chinese at the White horse temple in China.

After consulting his ministers, Mingdi sent a delegation to India to learn more about Buddhism. Numbering 18, the group set off for India, travelling West and through modern-day Xinjiang. For three years, it was away from Luoyang. The mission interacted widely with laymen and Buddhist monks.

Perilous Journey

It is believed that Mingdi's mission convinced two Indian monks to move to China. One of them was Kashyapa Matanga, who hailed from a *Brahmin* family in Central India and became well-versed in the Mahayana *sutras*, and the other was the learned Dharmaratna.

Saunders believed that the monks were already missionaries in Central Asia and had tried to spread the word of the Buddha to the Yuezhi people, a nomadic community that lived in modern-day Afghanistan and parts of what is now Pakistan.

Travelling to China with Mingdi's delegation, the two monks took with them a white horse, that carried a bundle of Buddhist sutras and images of the Buddha. The journey was long and arduous, taking a lot out of the monks, but it was more than made up for by the grand welcome they received in Luoyang.

"Weary with their long journey, they would enjoy the wide prospect over lake and river, and not far away were mountains dear to the Buddhist heart," Saunders said. "In the year 67 CE, they settled in the capital, and the one work assigned to them, which has come down to us, was a handbook of moral teaching, which could give no great alarm either to Confucianists or to Taoists, and which might be claimed equally well by Theravada and by Mahayana Buddhists," Saunders said. "In the Royal Library, they worked," Saunders said, "and their first apologetic is still an honoured classic, a proof of the tact and skill with which they approached the Chinese mind. An early record tells us that they concealed their deep learning and did not translate many books. If they did nothing but give the Chinese this Sutra of Forty Two Sayings, their mission was amply justified." This Sutra was, in most likelihood, written by Kashyapa Matanga to explain the basics of Buddhism wherever he preached. Saunders, who studied the text in detail, said that it was more or less an explanation of Theravada principles. It made him wonder that how well monastic teachings, that called for detachment, would have been received in a country of 'filial piety' like China? "But as if to disarm criticism, the Sutra goes on to suggest a sublimated family life. If the monk meets women, he is to treat the young as sisters or daughters, the old as mothers," Saunders said.

According to a widely accepted story, within a year of the monks' arrival in Luoyang, Mingdi had the Temple of the White Horse built in the memory of the horse that accompanied the missionaries. To be sure, there are some scholars who dispute this account. "We were puzzled by the fact that a Buddhist temple should be named after a white horse, a symbol that had no relation to ancient Buddhism in India," Godfrey Liu and William Wang wrote in the *Chinese Journal of Linguistics* in 1996. They argued that the name of the temple came from the Sanskrit word for lotus (*padma*), adding that the Chinese word *bai ma* (white horse) was originally a transcription and the symbol of the white horse came about as a result of 'folk etymology' Liu and Wang added, "This is a process whereby an expression in a source language X, being semantically opaque in a target language Y, gets associated with a phonetically similar expression in Y, which has a different meaning."

> Indian monks were no doubt motivated to travel to China, inspite of the difficulties of their journeys and the slim likelihood of ever returning to their homeland, because of the respect and warmth with which they were received in China," Madhavi Thampi, who taught Chinese history at Delhi University for 35 years, wrote in her book.

The explanation offered by Liu and Wang is quite possible. The lotus is an important symbol in Buddhism, and several older temples in China and other parts of Asia are named after the flower. Still, whatever the origins of the temple name, it is the story of the white horse that is accepted by most pilgrims and the temple management.

Finding Respect

The white horse's companions on the journey did not live long. Chinese historians largely agree that Kashyapa Matanga, who was called Jia Yemoteng in Chinese, passed away in 73 CE. Dharmaratna, called Zhu Falan in Chinese, probably died a few years later. "The two pioneers did not long survive their arrival at the capital, but they left a tradition of sound scholarship and earnest work, and their Monastery of the White Horse, became the model for many of its successors," Saunders said. "Toil on as the ox plods through deep mire, his eye fixed on the goals that lie ahead," in these words of their Sutra, we may find perhaps an echo of their resolute endeavour, and their fitting epitaph. Both Indian monks were buried in the White Horse complex, a rare honour for clergymen in China. Centuries later, the great scholar and traveller, Xuan Zang, who returned to China after an epic India visit (629-645 CE), became the abbot of the White Horse temple.

After the death of Kasyapa Matanga and Dharmaratna, many other monks from India and Afghanistan began to undertake the arduous journey to Luoyang. "Indian monks were no doubt motivated to travel to China, inspite of the difficulties of their journeys and the slim likelihood of ever returning to their homeland, because of the respect and warmth with which they were received in China," Madhavi Thampi, who taught Chinese history at Delhi University for 35 years, wrote in her book *Indians in China, 1800-1949*. "From all accounts, the Indian missionaries to China were highly appreciated by their patrons, the Chinese emperors and princes, as well as other sections of society."

Indian Buddhist monks were regular travellers on the ancient Silk Road until the end of the 11th century, after which the decline of Buddhism in India was complete. As K. M. Pannikar, the writer-diplomat, who served as independent India's first ambassador to China, pointed out that this millennium of contact between the two countries, that was facilitated by Buddhist missionaries, was one of the most important occurrences in Asian history.

rajeshsharma1049@gmail.com

An Indian style Buddhist temple in Luoyang.

The White horse Temple in Luoyang, China.

#RESTROREVIEW

Kai Experience @Leela palace

The sit down began with a 'jewelled' *Kachori*. Now, could it get better in a city of jewellers?

Sadhana Garg
Journalist & Social Entrepreneur

Can love language be food? Yes, if you are at Hawa Mahal of Leela Palace. Like the rest of the uber lux hotel, the white walled rooftop dining against the backdrop of oldest mountain range in the world, the Aravallis, the food coma begins to unfold. The inner moonlight emanating from a beautiful ambience is matched by the one cascading the walls, fresh flower rangoli, candleabras flickering to notes of live music. It's the evening of many firsts. Not many of us had heard of a Michelin Green Star Chef or at least had not savored the spread curated by one.

For the uninitiated, a Michelin Green Star means a Chef given to sustainable gastronomy that supports local and ethical produce with seasonal ingredients.

The sit down began with a 'jewelled' *Kachori*. Now, could it get better in a city of jewellers? For the stuffing, it had braised onions, local goat *paneer*, smokey *kasundi* with ginger, sesame added to smashed cucumber, a little like the *kheera ka kachori* that Granny deep fried sans the goat cheese paneer.

If unlike hers, the ones served by Chef Jess were not piping hot, it was because of the guests who trickled in at different times believing like a true-blooded *jaipurite* that it's never too late, even for a sit down!

As the journey from the West of Ireland, home to Chef Jess began, we were in for more fusion. The next was a delectable salad of papaya ceviche, reminiscent of a *Thai papaya* salad. All of us carry our hometown in our hearts, no matter what pinnacles we scale, and Chef Jess Murphy is no different. Hometown Galway's food traits got blended with those of this city of palaces. For the vegetarians, the humble eggplant is schnitzeled with creamy *dahi* while for the carnivorous ones, there was Chicken Snitzel, coated in millet and oatmeal crumbs, somewhat Irish style drenched in buttermilk and served with Waldorf salad and *Kashmiri chilli* butter. The word 'Schintzel' has German roots meaning thinly sliced and fried. Said Chef Jess, "We use so much buttermilk in Ireland, so, this is the ultimate Yin and Yang dish," referring to its soothing and spicy kick, derived from *Kashmiri chilli* butter.

Not to forget the almond cauliflower served with saffron rice. The rich deep flavours of *Lamb Osso bucco* were enough to enhance the feast mode of guests. A few minutes of polite conversation and the burst of flavour that followed was inspired by memories of India playing New Zealand and of the cult drink of 70's, Thumbs Up. Millions of Indians had sought comfort in this bottled delight. So, now it was used by the Chef in a pre-dessert dish made of shredded *tandoori* pineapple, streaked with maple chilli, salt, yogurt and thumbs up granita.

The dessert, made of local bananas, toasted coconut gelato with a smoked turf whiskey butterscotch, turned out to be a delicious overload, truly combining two amazing cultures and their mouth-watering goodness, served in an uber lux moonlight setting that only Leela does with such flourish. As the Irish would say, *'slán go fóill.'*

THE WALL

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

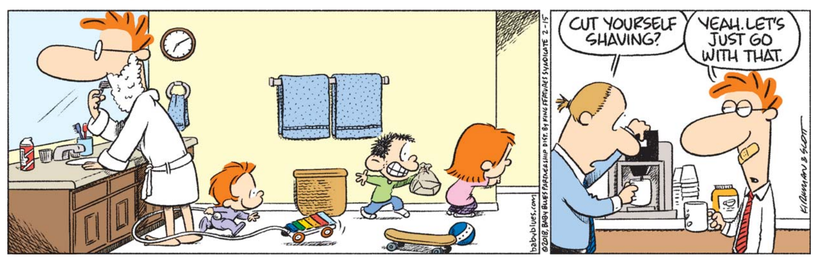

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

सूरतगढ़ सिटी पुलिस थाने की हवालात में मर्डर के आरोपी ने सुसाइड किया

ओढ़ने के लिए दिए गए कंबल के किनारे लगी कपड़े की पट्टी से फांसी लगाई

सूरतगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ सिटी पुलिस थाने की हवालात में बंद मर्डर के आरोपी ने सुसाइड कर लिया। ओढ़ने के लिए दिए गए कंबल के किनारे लगी कपड़े की पट्टी को पहले फाड़ा। फिर उसी का फंदा बनाया। युवक को बुधवार शाम गिरफ्तार किया गया था।

एएसपी रघुवीर सिंह ने बताया कि भोजेवाला गांव में 12 अगस्त की रात अशोक गोदारा (25) की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई थी। मामले में राजियासर थाना क्षेत्र के डीडवाना गांव निवासी नरेश कुमार (23) पुत्र पालाराम को बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे गिरफ्तार कर हवालात में डाला गया था। इस दौरान पुलिसकर्मी विक्रम गुर्जर नाइट ड्यूटी पर था। युवक को हवालात में ओढ़ ने के लिए कंबल दिया गया था। इसके कवर की पट्टी से उसने फंदा लगा लिया। पुलिसकर्मियों ने उसे फंदे से उतारने का प्रयास किया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद शव को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में भेजा गया।

हवालात में नरेश के साथ 2 अन्य युवक भी बंद थे। ये दोनों युवक किसी और मामले में गिरफ्तार किए गए हैं। हवालात के सामने सीसीटीवी कैमरा भी लगा हुआ है। दरवाजे के पास ही सरिए का रोशनदान बना हुआ है। नरेश रात करीब 1:30 बजे उठा। इसके बाद नरेश ने ठंड से बचाव के लिए पुलिस की ओर से दिए गए कंबल के कवर को धीरे से उतारा और उसके एक किनारे को फाड़कर फंदा बनाया। रात 1:36 बजे फंदा लगाकर लटक गया। घटना के बाद सिटी थाना स्टाफ में अफरा-तफरी मच गई। श्रीगंगानगर कलेक्टर डॉ. मंजू सिटी थाना पहुंची। उनके साथ न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) देवेंद्र मीणा, एसडीएम संदीप कुमार काकड़, तहसीलदार कुलदीप कस्वां, एडिशनल एसपी रघुवीर शर्मा, डीएसपी प्रतीक मील, रणवीर साईं और रामेश्वर लाल ने मौका निरीक्षण किया।

- **गिरफ्तारी के सात घंटे बाद शव लटका मिला, हवालात में दो अन्य युवक भी बंद थे**

इस दौरान एफएसएल की टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद विभिन्न पार्टियों से जुड़े लोग भी हॉस्पिटल पहुंच गए। इनमें कांग्रेस विधायक डूंगरराम गेदर, पीसीसी सदस्य परसराम भाटिया, भाजपा नेता संदीप कासनिया, पूर्व विधायक राजेंद्र भादू सहित बड़ी संख्या में गांव से आए ग्रामीण शामिल थे। हालात को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने हॉस्पिटल परिसर और सिटी थाना में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

नरेश कुमार के दादा मनीराम कुलडिया की ओर से सिटी थाना में मामला दर्ज करवाया गया। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया गया। मामले की संवेदनशीलता और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजियासर थाना अधिकारी सतीश कुमार यादव पुलिस टीम के साथ मृतक के पैतृक गांव डीडवाना पहुंचे। शाम को पुलिस की निगरानी में नरेश का अंतिम संस्कार किया गया। सूरतगढ़ के भोजेवाला गांव में 12 अगस्त की रात अशोक गोदारा की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने उसे सूरतगढ़ ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया था, जहां से उसे श्रीगंगानगर रेफर किया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद गांव में तनाव था। ग्रामीणों ने शव को श्रीगंगानगर ले जाने का विरोध करते हुए सड़क जाम कर दी थी। पुलिस ने मामले में अशोक के मामा की शिकायत पर महेन्द्र सिंह, मनोहर सिंह, सुनील सिंह समेत 12 से ज्यादा लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

पुलिस ने दूसरे दिन मनोहर सिंह समेत कुछ आरोपियों को डिटेन कर लिया था। हत्याकांड में शामिल डीडवाना गांव के निवासी नरेश कुमार फरार था। पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। नरेश को बुधवार शाम करीब 6.30 बजे उसके गांव से ही गिरफ्तार कर हवालात में बंद कर दिया गया था। नरेश को पुलिस गुरुवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने वाली थी।

बीकानेर में 18 घंटे में दो जवानों ने सुसाइड किया

बीएसएफ हेड कॉन्स्टेबल ने घर में फंदा लगाया, मौत

बीकानेर, (निसं)। जिले में 18 घंटे में दो जवानों ने सुसाइड कर लिया। गुरुवार दोपहर 12:30 बजे बीएसएफ के हेड कॉन्स्टेबल बंशीलाल सारस्वत (41) ने घर के बेसमेंट में रस्सी का फंदा लगाकर जान दे दी। 15 साल की नौकरी के बाद कुछ महीने पहले ही उन्हें गृह जिले में पोस्टिंग मिली थी। वहीं बुधवार शाम सात बजे महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में तैनात सेना के जवान संतोष पंवार (30) निवासी नासिक (महाराष्ट्र) ने अपने कमरे में फंदा लगा लिया था। साथी जवानों ने काफी देर तक उनके कमरे का दरवाजा खटखटाया। कोई जवाब नहीं मिलने पर दरवाजा तोड़ा तो वह पंखे से लटके मिले। दोनों ही मामलों में पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

जयनारायण व्यास कॉलोनी थानाधिकारी सुरेंद्र पचार ने बताया कि शिवबाड़ी में जवान बंशीलाल सारस्वत के सुसाइड की सूचना मिली थी। उनका शव घर के बेसमेंट में पंखे से लटका था। मामले को लेकर बंशीलाल के छोटे भाई दामोदर ने बताया कि उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं थी। हमें कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

- **महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में तैनात जवान ने फंदा लगाया**

बंशीलाल के भाई दामोदर ने बताया कि बीएसएफ में 15 साल की नौकरी के दौरान बंशीलाल देश के अलग-अलग हिस्सों में रहे। कुछ महीने पहले ही उन्हें बीकानेर में स्थित रेंज मुख्यालय में पोस्टिंग मिली थी। इसी कारण बीएसएफ रेंज मुख्यालय से 1 किमी दूर स्थित शिवबाड़ी क्षेत्र में ही घर बना लिया था। बच्चों की पढ़ाई बीकानेर में ही हो रही है। ऐसे में वह अपने गांव हेमेरा कम ही आते थे। सिर्फ खास मौके पर ही गांव आते थे। जानकारी के अनुसार, बंशीलाल के सुसाइड का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। सुसाइड के वक्त उन्होंने शूज पहने हुए थे। खादी का मफलर पहना हुआ था।

उधर, महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के नॉर्थ कैंप में तैनात संतोष पंवार नासिक (महाराष्ट्र) ने सुसाइड कर लिया था। सूचना के बाद सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे। संतोष पंवार की पोस्टिंग करीब 8 महीने पहले महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में हुई थी। बुधवार शाम वह कैंप से अपने कमरे में चले गए थे। काफी देर से कमरा बंद था। साथियों को शक हुआ तो कमरे के बाहर से आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। काफी देर तक दरवाजा भी खटखटाया, लेकिन जब गेट नहीं खोला वे उसे तोड़कर अंदर गए। कमरे में संतोष फंदे से लटके हुए मिले। सुसाइड की जानकारी मिलने के बाद महाजन पुलिस मौके पर पहुंची। सुसाइड के कारणों का अभी तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है। जोधपुर के सीआरपीएफ ट्रेनिंग सेंटर में तैनात सब इंस्पेक्टर ने सुसाइड कर लिया। उनका शव बीएसएफ कैंप में एक पेड़ से लटका हुआ मिला। सब इंस्पेक्टर के बेटे ने आरोप लगाया है कि कैंप के अधिकारी काम को लेकर दबाव बनाते थे और तबीयत खराब होने के बाद भी 2 दिन से उन्हें घर नहीं जाने दिया।

मासी बांध व बगड़ी बांध की नहरों का निरीक्षण किया

पीपलू, (निसं)। मासी बांध व बगड़ी बांध की नहरों में सिंचाई के लिए करीब 17 दिनों से पानी छोड़ा हुआ है। गुरुवार को गुणवत्ता अधीक्षण अभियंता राधामोहन शर्मा, अधिशासी अभियंता देवानंद आनंद, सहायक अभियंता कानाराम गुर्जर व कनिष्ठ अभियंता मुकेश गुर्जर ने मासी बांध की मुख्य नहर व बगड़ी बांध की मुख्य नहर का निरीक्षण किया। इस दौरान नहरों से किसानों को पर्याप्त पानी मिल रहा था। किसानों ने उच्चाधिकारियों से क्षेत्र के अभियंताओं की मेहनत से टेल तक पानी पहुंचाये जाने के कार्यों की सराहना की। अधीक्षण अभियंता ने अभियंताओं को नहर संचालन को लेकर दिशा निर्देश दिए।

कनिष्ठ अभियंता मुकेश गुर्जर ने बताया कि मासी बांध की नहरों से मिल रहे पानी से किसानों को सिंचाई में काफी राहत मिल रही हैं। किसानों के खेतों में सिंचाई के बाद सरसों की फसल लहलहाने लगी है। 18 नवंबर को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मासी बांध की नहर तथा टेल क्षेत्र की 4 माइनर गहलोद, बिलायतीपुरा, इस्लामपुरा व किशनपुरा में पानी छोड़ा गया था। पानी छोड़े जाने के साथ ही किसान सिंचाई में जुट गए थे। वहीं 26 नवंबर को शेष बची 5 माइनर आजमपुरा, पीपलू, कचोलिया, लोहरवाड़ा व अलीमपुरा में भी पानी छोड़ा गया था। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता कानाराम गुर्जर ने किसानों को जल का समुचित उपयोग करने की अपील की है।

रसद विभाग ने 65 अवैध सिलेंडर जप्त किए

दुकान से 16 सिलेंडर और दुकान के बाहर खड़े टेम्पो से 49 घरेलू सिलेंडर जप्त किए

कोटा, (निसं)। जिला रसद विभाग की टीम ने गुमानपुरा क्षेत्र में स्थित एक दुकान पर छापामार कार्रवाई कर 65 अवैध गैस सिलेंडर जप्त किए हैं, जिसमें से 6 सिलेंडर कमर्शियल थे। जप्त किए गए सिलेंडर में अधिकतर सिलेंडर एचपी कंपनी के हैं। गुमानपुरा इलाके में स्थित न्यू सूर्या एजेंसी सेल्स एंड सर्विस पर घरेलू गैस सिलेंडर द्वारा अवैध रूप से गैस रिफिलिंग की सूचना पर रसद विभाग टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने कार्रवाई करते हुए न्यू सूर्या एजेंसी सेल्स एंड सर्विस की दुकान से 16 सिलेंडर बरामद किए हैं, जिसमें से 6 कमर्शियल सिलेंडर थे। टीम ने कार्रवाई को अंजाम देते हुए दुकान के बाहर खड़े टेंपो से भी भरे सिलेंडर जप्त किए हैं।

रसद विभाग की प्रवर्तन अधिकारी संध्या सिन्हा ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर द्वारा अवैध रिफिलिंग की सूचना पर न्यू सूर्या एजेंसी सेल्स एंड सर्विस पर कार्रवाई करते हुए दुकान से 16 गैस सिलेंडर जप्त किए। जिसमें 6 सिलेंडर कमर्शियल निकले और 10 घरेलू सिलेंडर थे। दुकान सोनू मीणा के नाम से संचालित होना बताया जा रहा है। रसद विभाग प्रवर्तन अधिकारी संध्या सिन्हा ने बताया कि दुकान के बाहर गैस सिलेंडरों से भरा टेम्पो भी खड़ा था। कार्यवाही करते हुए टेम्पो से 49 घरेलू सिलेंडर जप्त किए हैं। साथ ही छोटे गैस सिलेंडर भरने के लिए रिफिलिंग मशीन, एक कांटा मशीन और उपकरण को जप्त किया है। कार्यवाही के दौरान रसद विभाग की अधिकारी अदिति, इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार यादव, सत्येंद्र शर्मा मौके पर मौजूद थे।

बताया जा रहा है कि दुकान कांग्रेस की वार्ड नंबर 22 की पार्षद सुमन पेशवानी के आवास में बनी हुई है। जिन्होंने दुकान किराए पर सोनू मीणा को दी हुई थी। मौके पर मौजूद वार्ड पार्षद सुमन पेशवानी ने टीम से कार्यवाही को लेकर बात की। वहीं नगर निगम कोटा दक्षिण के उप महापौर पवन मीणा भी मौके पर पहुंचे। रसद विभाग के इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मकान मालिक से दुकान किराए पर देने का किरायानामा मांगा गया था, लेकिन उन्होंने फिलहाल उपलब्ध नहीं करवाया है। इसी प्रकार दुकान संचालित करने वाले सोनू मीणा से एजेंसी के मालिकाना हक के दस्तावेज भी मांगे गए, लेकिन उन्होंने भी कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं करवाए हैं। इतनी बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर कहां से प्राप्त हुए इस पर भी सोनू मीणा ने कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया है। जप्त किए गए सिलेंडर में अधिकतर सिलेंडर एचपी कंपनी के हैं। हमने टेंपो के विषय पर जानकारी चाहिए तो सोनू मीणा ने टेंपो खुद का होना बताया है। मामले में संपूर्ण अनुसंधान किया जाएगा।

स्कूल में शिक्षकों की कमी

अचरोल, (निसं)। अचरोल गांव के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों की कमी के कारण ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों ने गुरुवार को विद्यालय पर ताला जड़कर अपना रोष प्रकट किया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

अचरोल और आसपास के गांवों के बच्चों के लिए यह स्कूल शिक्षा का प्रमुख स्त्रोत है, लेकिन विद्यालय में पर्याप्त शिक्षकों का न होना बच्चों की पढ़ाई पर बुरा असर डाल रहा है। विज्ञान, और अंग्रेजी जैसे महत्वपूर्ण विषयों के लिए शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। इन विषयों में पढ़ाई के लिए बच्चों को प्राइवेट ट्यूशन का सहारा लेना पड़ता है, जो आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीण परिवारों के लिए कठिन है। गांव के बुजुर्गों, युवाओं और महिलाओं ने मिलकर स्कूल पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों का कहना है कि जब तक स्कूल में सभी विषयों के लिए शिक्षक नियुक्त नहीं किए जाते, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

इस सम्बंध में सीबीईओ सुरेश कुमार राय का कहना है कि प्रदर्शन की सूचना मिलते ही स्थानीय ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को समझाने की कोशिश की। सीबीईओ ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्या को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और जल्द से जल्द शिक्षकों की नियुक्ति का प्रयास किया जाएगा।

शमशान भूमि के अभाव में शव की अंतिम क्रिया के लिए लोग परेशान

बयाना/भरतपुर, (निसं)। उपखंड की ग्राम पंचायत वीरमपुरा के गांव सेवा कुरवरिया में शमशान भूमि के अभाव में ग्रामीणों को शवों के अंतिम क्रिया कर्म के लिए भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही गुरूवार को हुआ जहां एक बुजुर्ग महिला की मौत के बाद अंतिम क्रिया कर्म के इंतजार में उसका शव दो दिनों तक रखा रहा।

बुधवार देर रात्रि को गांव निवासी सत्तर वर्षीय बुजुर्ग महिला गंगा देवी पत्नी धनीराम कोली का निधन हो गया था। जिसका शमशान भूमि के अभाव में गुरूवार को दोपहर तीन बजे बाद उसी के घर के बगल में खाली पड़े उसके एक आवासीय प्लॉट में अंतिम क्रिया कर्म किया जा सका। सूचना पर संबंधित पटवारी भी मौके पर पहुंचा और उसने

बुजुर्ग महिला का शमशान भूमि के अभाव में घर के बगल में खाली पड़े आवासीय प्लॉट में अंतिम क्रिया कर्म किया जा सका।

पास के गांव नगला बहादुरिया के शमशान में अंतिम क्रिया कर्म करने का सुझाव दिया। जिसे ग्रामीणों ने खारिज करते हुए शमशान भूमि आवंटन की मांग की। ग्रामीणों ने भी बताया कि पहले भी कई बार ऐसे मौके आए हैं जब गांव में शमशान भूमि के अभाव में दो-दो दिनों तक अंतिम क्रिया कर्म के लिए शव रख रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार इस क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से शमशान भूमि के लिए भूमि आवंटन की मांग की गई है किंतु अभी तक कोई सुनवाई नहीं हो सकी है गांव में स्थित सरकारी भूमि पर भी कई लोगों ने कब्जे कर रखे बताए हैं।

- **शमशान भूमि के अभाव में अंतिम क्रिया के लिए घंटे तक करना पड़ा इंतजार**

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले के संबंध में हाईकोर्ट मे हैबियस कॉर्पस दायर थी। कार्यवाहक थानाधिकारी अमित स्वामी ने बताया कि 12 अक्टूबर को परिवादी ने मुकदमा दर्ज करवाया कि 17 साल की बेटी को लालचन्द उर्फ रामदयाल कुम्हार बहला फुसलाकर ले गया है।

पुलिस ने मामले की गंम्भीरता को देखते हुए टीम का गठन कर अपहृत बालिका व आरोपी लालचंद की तलाश के लिए टीम गठित की। पुलिस टीम ने अपहृत बालिका को दस्तयाब कर बालिका सुधार गृह भिजवाया व आरोपी रामदयाल उर्फ लालचन्द कुम्हार को नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पुलिस पूछताछ कर रही है।

शादी समारोह से जेवर व नकदी का बैग चुराने वाली गैंग पकड़ी

ब्यावर, (निसं)। गार्डन में शादी के कार्यक्रम से ज्वैलरी व नकदी चुराने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गार्डन से लेकर ब्यावर, अजमेर, सरवाड, कोटा, कुन्हाडी, आगरा (उत्तरप्रदेश), ग्वालियर, राजगढ, गुना (मध्यप्रदेश) तक कुल 400 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। फोटोग्राफ व वीडियो रिकोर्ड का बारीकी से विश्लेषण करने से संदिग्धों की पहचान करने में आखिर सफलता मिली। उत्तरप्रदेश, राजस्थान व मध्यप्रदेश राज्यों से पुलिस टीम ने संदिग्धों की पहचान हेतु अहम सुराग प्राप्त किये।

जानकारी के अनुसार नवम्बर को प्रार्थी सुरेश वैष्णव निवासी फारसी कॉलोनी ने एक रिपोर्ट दर्ज करवाई की 21नवंबर को अपने परिवार के साथ गार्डन अपने भांजे की शादी मे मायरा (भात) भरने गये। उस समय मेरे बैग में तीन लाख पिच्यासी हजार नकद व मायरे के लिए खरीदे 6 तोला सोने के आभुषण और मेरी पत्नी के 15 तोला सोने के आभुषण थे। सुरक्षा के लिहाज से पत्नी के गहने भी बैग में मेरे पास थे। गार्डन में हल्दी का प्रोग्राम चल रहा था मात्र 10 सैकेण्ड के लिए मैंने अपना बैग रखा और वापस मुडकर देखने पर अज्ञात चोर बैग मय आभुषण व नकदी सहित चोरी कर ले गये। मामले की गंभीरता देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्यवाही शुरू कर दी। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा रोहूराम उप निरीक्षक पुलिस थाना ब्यावर सिटी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।पुलिस टीम को आगरा भेजी जाकर वाहन मालिक को डिटेन करने पर जानकारी मिली की उक्त वाहन को वर्ष 2022 में कडिया निवासी रीतिक सांसी को बेचान करना पाया गया। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस अधीक्षक राजगढ़ मध्यप्रदेश से वार्ता कर पुलिस जाप्ता लिया गया। पुलिस टीमों द्वारा कडिया गांव में गोपनीय तरिके से जानकारी कर एवं दबिश देकर घटना में शरीक आरोपियों को नामजद किया गया। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की पहचान कर उनके निवास स्थान पर बार-बार दबिशे देकर आरोपियों को नामजद कर चोरी गये आभुषण व नगदी की बरामदगी की। घटना में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुन: पुलिस टीम भेजी जायेगी। नामजद आरोपियों में रीतिक पुत्र महेश सांसी निवासी कडिया, बॉबी पुत्र दिनेश सांसी निवासी मुगावली, काला पुत्र जग्गा सांसी निवासी कडिया, अशोक लंगडा पुत्र बलवीर सांसी निवासी कडिया आदि थे।

बिजली बिल से परेशान डॉक्टर ने कलेक्टर से इच्छा मृत्यु मांगी

डॉक्टर ने बिजली विभाग के एईएन, जेईएन और लाइनमैन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए

झुंझुनूं, (निसं)। सोलर पैनल लगाने के बावजूद हर महीने करीब 30 हजार रूपए के बिजली के बिल से परेशान झुंझुनूं के डॉक्टर ने जिला कलेक्टर से इच्छा मृत्यु मांग ली। कलेक्टर को बुधवार को लिखे पत्र में डॉक्टर ने बिजली विभाग के एईएन, जेईएन और लाइनमैन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और लिखा कि मैं मानसिक रूप से प्रताड़ित हो चुका हूं। मुझे इच्छा मृत्यु की इजाजत प्रदान करें। मामला झुंझुनूं जिले के वार्ड नंबर एक का है। यहां लिटिल पब्लिक स्कूल के पास रहने वाले फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. मनीष कुमार सैनी के घर का बिजली का कनेक्शन उनकी पत्नी मनीषा सैनी के नाम है। लेटर सामने आने के बाद विभाग ने गलती मानते हुए गुरूवार को मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

डॉ. मनीष कुमार सैनी ने बताया कि उन्होने सरकारी योजना के तहत 5 महीने पहले 10 के.वी. का सोलर पैनल लगाया था। घर पर वे और उनकी पत्नी ही रहते हैं। बिजली विभाग की ओर से लगातार भारी भरकम बिल भेजा रहा है। पिछले 4 महीने में कई बार विभाग को भी अवगत करवा दिया गया है। एप्लीकेशन भी दे दी है, लेकिन विभाग द्वारा मामले पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। भ्रष्टाचार से लिप्त ये कर्मचारी जेईएन और लाइनमैन आम आदमी को तवज्जो नहीं देते। अभी तो मुझे डराते हैं। ये कहते हैं कि हमारी सरकार है और हम तुम्हारा कनेक्शन कटवा देंगे। इस तरीके की मुझे धमकी दी जा रही है। आपसे निवेदन है कि मुझे इच्छा मृत्यु की इजाजत दें, ताकि मैं इस मानसिक रूप से प्रताडना से बच सकूं। लेटर में उन्होंने लिखा, मेरी मौत के जिम्मेदार राजस्थान सरकार, ऊर्जा मंत्री और झुंझुनूं के सभी बिजली बोर्ड कर्मचारी होंगे।

- **सोलर पैनल लगाने के बावजूद हर महीने करीब 30 हजार रूपए के बिजली के बिल से परेशान हैं झुंझुनूं के डॉक्टर मनीष कुमार सैनी**

4 माह में एक लाख का बिल:-

डॉ. मनीष कुमार सैनी ने बताया कि वे घर में ही फिजियोथेरेपिस्ट का क्लिनिक चलाते हैं। सोलर पैनल लगवाने के बावजूद जुलाई में 19,080, अगस्त में 19,797 और सितंबर में 31,224 रूपए का बिल विभाग द्वारा भेजा था। ये तीनों बिल मैंने जमा करवा दिए। इसके बाद नवंबर में 30,094 रूपए का बिल भेजा गया है। डॉ. सैनी ने बताया कि बिजली विभाग में तीन बार एप्लीकेशन दे चुका हूं। अधिकारी उसे फेंक देते हैं। कहते हैं कि ये तो बिल तो जमा ही करवाना पड़ेगा और भी पैसे लगेंगे। सैनी का आरोप है कि विभाग में रिश्वत का खेल चल रहा है। जो पैसे दे रहे हैं, उनका काम हो रहा है। हताश होकर उन्हें यह कदम उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा की मैं महीने के 20 से 25 हजार रूपए कमाता हूं। इतना भारी-भरकम बिल भरने में सक्षम नहीं हूं।

मामले को लेकर बिजली विभाग के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर (एसई) महेश टीबडा ने बताया कि डॉ. मनीष कुमार सैनी ने पहले लोड बढ़वाया। उन्होंने सिंगल से थ्री फेस करवाया। सितंबर में लोड बढ़वाया था। यह सब उसकी बिलिंग है। वह जेईएन के पास नहीं गए या रिपोर्ट नहीं हुई। यह सब जांच का विषय है। हमने इसके लिए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (एक्सईएन)को लिख दिया है। इसमें किसी न किसी कर्मचारी की लापरवाही है। जांच करवा रहे हैं। गुरूवार को ही उनकी मीटर की रीडिंग में सुधार किया गया है।

प्राचीन भारतीय ज्ञान की धरोहर को जन-जन तक सुलभ कराएं : राज्यपाल बागड़े

"आयुर्वेदिक औषधि मानकीकरण-चुनौतियां और समाधान" विषयक संगोष्ठी आयोजित

जोधपुर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा है कि आयुर्वेद के भारतीय ज्ञान को युगानुकूल बनाते हुए इससे जुड़ी दुर्लभ औषधियों का पेटेंट, प्रमाणीकरण और इससे जुड़े स्वास्थ्यवर्धक गुणों का अधिकाधिक प्रसार किया जाए। उन्होंने आयुर्वेदिक औषधियों पर शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ असाध्य रोगों में भी इनके उपयोग के परीक्षण और प्रसार की दिशा में कार्य करने आव्हान किया है। राज्यपाल बागड़े गुरुवार को जोधपुर में राष्ट्रीय आयुर्वेद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "आयुर्वेदिक औषधि मानकीकरण-चुनौतियां और समाधान" विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक औषधियों की ब्रांडिंग और पैकेजिंग भी इस तरह से हो कि वह उपयोग के लिए आकर्षित करे। उन्होंने इनके विपणन की कारगर नीति पर भी कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने प्राचीन भारतीय आयुर्वेद ज्ञान की चर्चा करते हुए आत्रेय, चरक, सुश्रुत आदि द्वारा प्रवर्तित चिकित्सा प्रणालियों के उपयोग और संभावनाओं पर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे आयुर्वेद के महान ज्ञान को सुनियोजित तरीके से देश से बाहर ले जाया गया। उस ज्ञान में कुछ हेर-फेर कर उसे अपना बनाने के प्रयास निरंतर हुए। इसलिए यह जरूरी है कि जो उपलब्ध ज्ञान हमारा है, आयुर्वेद की दुर्लभ औषधियां हैं उनके पेटेंट की दिशा में निरंतर कार्य हो।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत की।

उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय में आयुर्वेद के महान ज्ञान से जुड़ी किताबों की चर्चा करते हुए कहा कि बख्तियार खिलजी ने देश के उस महान ज्ञान को सदा के लिए समाप्त करने के लिए नालंदा पुस्तकालय में आग लगा दी, पर भारतीय ज्ञान को कोई मिटा नहीं सका है। उन्होंने आयुर्वेदाचार्यों से आग्रह किया कि वे प्राचीन भारतीय ज्ञान की धरोहर को जन-जन तक सुलभ कराएं। उन्होंने औषधीय प्रयोजनों के लिए जड़ी-बूटियों के उपयोग और लिखित ठांथों के महत्व पर भी कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने इससे पहले विश्वविद्यालय के अंतर्गत बने होम्योपैथी महाविद्यालय के भवन का भी लोकार्पण किया।

- **राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने आयुर्वेदिक औषधियों पर शोध और अनुसंधान को बढ़ावा देने पर जोर दिया**

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने इस अवसर पर संबोधित करते कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान को विकसित और समृद्ध प्रदेश बनाना है। साथ ही प्रदेश सरकार राजस्थान के विश्वविद्यालयों के सर्वांगीण विकास के प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। पटेल ने कहा आयुर्वेद प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली है जो शरीर, मन और आत्मा का संतुलन बनाए रखने में सहायक है। आयुर्वेद रोगों की रोकथाम और व्याधि के उपचार के रूप में संपूर्ण विश्व में लोकप्रिय है। उन्होंने औषधीय पादप आक के आयुर्वेदिक गुणों के बारे जानकारी दी। पटेल ने कहा मार्च 2025 तक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में 52 हजार पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी, जिसमें आयुर्वेद विभाग के रिक्त पदों को भी भरा जाएगा। साथ ही इस वर्ष एक लाख एवं 5 वर्ष में 4 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की जाएगी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य प्रदीप कुमार प्रजापति, कुलसचिव प्रो. गोविंद सहाय शुक्ल, पूर्व कुलपति प्रो. बी एल गौड़, उत्तराखंड विश्वद्यालय के वाइस चांसलर अरुण कुमार त्रिपाठी, गुजरात आयुर्वेद विश्विद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस एस सावरीकर, एम्स जोधपुर के अध्यक्ष डॉ. एस एस अग्रवाल, प्रबंध मंडल के सदस्य, अन्य निकायों के सदस्य, विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

शौचालय की स्वच्छता की जानकारी दी

निवाई । पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राहोली में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान विषय पर कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य डॉ. योगेन्द्रसिंह नरूका ने बताया कि अभियान के अन्तर्गत बच्चों को शौचालय की उपयोगिता व स्वच्छता के बारे में बताया गया। प्रतियोगिता प्रभारी किरण शर्मा ने बताया कि कविता प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया।

मोटरसाइकिल चोरी

निवाई । झिलाय रोड पर स्थित पुराने हीरो होंडा शो रूम के बाहर खडी मोटरसाइकिल को अज्ञात चोर चुराकर ले गए। पीडित धन्नालाल माली निवासी जमात ने पुलिस थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ बाइक चोरी का मामला दर्ज करवाया है। धन्नालाल पुत्र मूलचंद माली ने पुलिस को को बताया कि उसका पुत्र आशु बुधवार की सुबह पुराने हीरो होंडा शोरूम के बाहर मोटरसाईकिल को खडा कर काम पर चला गया था। दोपहर करीब 12:30 बजे जाकर देखा तो मोटरसाइकिल गायब थी। आस-पास तलाश की लेकिन मोटरसाइकिल का कहीं भी पता नहीं चला। पुलिस ने मामला दर्ज करके चोरो की तलाश कर रही है।

पेंशनर समाज की हुई बैठक

आठ को जयपुर अधिवेशन में लेंगे भाग

किशनगढ़ बास। राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा किशनगढ बास की बैठक अध्यक्ष सुल्तान सिंह यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अध्यक्ष सुल्तान सिंह यादव ने बताया कि बैठक में राजस्थान पेंशनर समाज के 8 दिसंबर को जयपुर में होने वाले अधिवेशन में जाने के लिए चर्चा की गई। बैठक में जयपुर अधिवेशन में जाने के लिए बस की व्यवस्था किए जाने का निर्णय लिया गया।
अधिवेशन में जाने के लिए 8 दिसंबर सुबह 7:00 बजे किशनगढ बास बाईपास से बस जयपुर के लिए रवाना होगी।

साइकिल मिलने पर बालिकाएं खुश

शाहपुरा । शाहपुरा की ग्राम पंचायत पिपलोद नारायण में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पिपलोद में राज्य सरकार द्वारा कक्षा 9 वीं की बालिकाओं को साईकिल वितरित की गई। साईकिल मिलने से बालिकाओं के चेहरे खिले उठे। साईकिल मिलने से बालिकाओं की राह अब सुगम हो जाएगी। इस मौके पर स्कूल प्रधानाचार्य रामेश्वर प्रसाद जाट, सरपंच राजेंद्र बुनकर, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहनलाल सराधना, भाजपा नेता सुभाष पौषवाल, मालीराम सराधना, जयराम सराधना, जगदीश सराधना, गोपाल रावत, शिंभुदयाल सराधना, सूरज सराधना, स्कूल स्टाफ के धूडाराम पौषवाल, सी एम सैनी, छाजूराम यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

चतुर्थ पुण्यतिथि

हमारी पूज्यनीय
स्व. श्री श्यामपाल जी सोनी
(पुत्र स्व. श्री राम प्रसाद जी जड़ियाँ) की
बैकुंठवास: दिनांक 06.12.2020
पुण्यतिथि पर हम सभी भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।
श्रद्धावनत- लीला देवी (धर्मपत्नी), नरेन्द्र-तारा, विनोद-हेमलता, योगेश-ललिता (पुत्र-पुत्रवधु), सीमा-घनश्याम जी (पुत्री-दामाद), लक्ष्मीनारायण, जगदीश प्रसाद, गोविन्द, लीलाधर, शिव कुमार, घनश्याम (भाई), रामेश्वरी, तारा, जसोदा (बहन), आदित्य-माधुरी, आशुतोष-दिशिका (पौत्र-पौत्रवधु), अर्पित, अभिषेक, नारायण, गुजन (पौत्र, पौत्री), भागवत (पड़पौत्र), गोविन्द, कृष्णा, यशस्वी (दोहिते, दोहिती) एवं समस्त मंडोरा परिवार।
प्रतिष्ठान- विजय लक्ष्मी सेल्स कॉर्पोरेशन, नारायण जैम्स एण्ड ज्वैलर्स (जयपुर)

सात दिवस में मालिकाना हक नहीं मिला तो गुर्जर समाज के साथ होगा उग्र आंदोलन

मालपुरा, (निस) बृजलाल नगर ग्राम पंचायत की सदरपुरा रोड स्थित महाराणा प्रताप कॉलोनी के पास अपनी खातेदारी तरमीमशुदा जमीन पर मालिकाना हक की मांग को लेकर बुधवार को राम जन्मभूमि के कारसेवक जगदीश गुर्जर अपने परिवारजनो व समाज की महिला-पुरूषो के साथ अनिश्चितकालीन धरने पर बैठा था जो कि गुरूवार को दुसरे दिन भी जारी रहा। दोपहर बाद एडीएम विनोद मीणा से पिडित परिवार की और से प्रतिनिधि मंडल की हुई वार्ता मे एडीएम द्वारा दिये सात दिन मे समस्या समाधान के आश्वासन पर पिडित जगदीश गुर्जर ने अपना धरना उठा लिया।

जगदीश ने बताया कि सदरपुरा रोड पर उसकी तरमीमशुदा खातेदारी 4 बीघा जमीन को प्रशासन ने गत माह 29 अक्टुम्बर को बिना किसी नोटिस अथवा सुचना के जेसीबी मशीन से खुर्द-बुर्द कर उसे बेदखल कर दिया। जमीन पर उगी फसल व चारे के ढेर को नष्ट कर दिया। पिडित परिवार ने मौके पर प्रशासन को अपनी जमीन के दस्तावेज दिखाने का भरकस प्रयास किया लेकिन प्रशासन ने उसकी एक नही सुनी। श्री राम जन्मभूमि का कारसेवक अपने परिवारजनो के साथ प्रशासन के सामने गिड-गिडाता रहा। लेकिन प्रशासन का पीला पंजा चलता रहा। अपनी खातेदारी जमीन पर मालिकाना हक की मांग को लेकर बीते दिनो पिडित जगदीश गुर्जर अपने परिवारजनो व गुर्जर समाज के महिला-पुरूषो के साथ केबिनेट मंत्री कन्हैयालाल चौधरी व जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंच जमीन के दस्तावेज दिखा न्याय की गुहार लगाई। लेकिन आज तक उसे न्याय नही मिला। बुधवार को पिडित परिवार ने एक बार फिर उपखण्ड अधिकारी अमित कुमार चौधरी से मिल न्याय की गुहार लगाई। लेकिन न्याय नही मिलने पर अपने परिवारजनो व समाज के महिला-पुरूषो के साथ एसडीएम आवास के सामने फुटपाथ पर अनिश्चिकालीन धरने पर बैठ गया। गुरूवार को एडीएम से वार्ता मे मिले आश्वासन के बाद धरना स्थल पर पहुंचे थानाधिकारी चेनाराम बेडा की समझाईश पर गुर्जर ने धरना समाप्त करते हुये कहा कि यदि सात दिवस मे उसे अपनी जमीन का मालिकाना हक नही मिला तो पुन: अपने परिवारजनो के साथ-साथ गुर्जर समाज एवं सर्व समाज के लोगो के साथ आंदोलन कर दोबारा धरने पर बैठ करेगें प्रदर्शन।

एसडीएम आवास के सामने फुटपाथ पर धरने पर बैठे राम जन्मभूमि कारसेवक व गुर्जर समाज के महिला-पुरूषों ने एडीएम के आश्वासन पर धरना उठाया।

बाल वाहिनियों के सुरक्षा पेरामीटर की जांच के निर्देश

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में जिला निष्पादन समिति कि बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर ने जिले की रैंकिंग के सभी बिन्दुओं की समीक्षा कर निर्देश दिये कि जिले की रैंकिंग में समन्वित प्रयास कर सुधार करें। उन्होंने एक माह में 32 कम्प्यूटर लैब पूर्णत क्रियाशील कराने व नरेगा से 176 स्कूलों में चारदिवारी कराने के प्रस्ताव तैयार करने एवं आगामी 15 दिवस में सभी बाल वाहिनियों के सुरक्षा पेरामीटर की जांच कराने के सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रभावी मॉनिटरिंग कर जिले के शिक्षा के स्तर को अठाणी जिलों की श्रेणी में लाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा में आधुनिक तकनीक का उपयोग करने के साथ विद्यालय में भौतिक संसाधनों व सहशिक्षण सामठी की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करावे। उन्होंने जिले की आईटीसी लैब की समीक्षा कर निर्देश दिये कि 197 विद्यालयों में संचालित कम्प्यूटर लैब में से प्रथम चरण में 32 आईटीसी लेब को एक माह में पूर्णत: क्रियाशील करावे। तथा सभी विद्यालयों से इन लैब्स की वर्तमान स्थिति का नोट भिजवाने।

प्रत्येक ब्लॉक में 5-5 खेल मैदान मय रनिंग ट्रेक बनवाने प्रस्ताव तैयार कर एक माह में स्वीकृत करावाने उन्होंने सीडीईओ को निर्देश दिये कि जिला परिषद से समन्वय कर नरेगा योजना के माध्यम से जिले के चारदिवारी विहीन 176 स्कूलों में चार दीवारी बनाने के प्रस्ताव तैयार करावे तथा इसी प्रकार सरकारी विद्यालयों में खेल मैदान विकसित करने के प्रस्ताव तैयार करावे। जिसमें प्रथम चरण में प्रत्येक ब्लॉक में 5-5 खेल मैदान मय रनिंग ट्रेक की स्वीकृति 1माह में जारी कराकर कार्य प्रारम्भ करें।

आम सूचना
सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है कि भागीदारी फर्म रॉयल क्रिएशन्स, फर्म रजिस्ट्रेशन नं: RF/JPU/2021/3166 पता SP-1013-B सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर राज-302022 जिसमें श्री हितेश गोयल, श्री दौलत राम, श्री उमेश गर्ग एवं श्री मनीष गर्ग भागीदार थे। उक्त फर्म से मौजूदा भागीदार श्री मनीष गर्ग दिनांक 21/11/2024 को रिटायर हो गये हैं। दिनांक 21/11/2024 से उक्त फर्म के मालिक श्री हितेश गोयल, श्री दौलत राम एवं उमेश गर्ग होंगे। इस संदर्भ में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति 7 दिवस के भीतर जिला उद्योग केंद्र जयपुर (राज) एवं श्री मनीष गर्ग निवासी फ्लैट न B1202, 12th Floor, B ब्लॉक, आशादीप वेदान्ता, गांव-मुरलीपुरा, सांगानेर जयपुर-302033 राज को लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है।
एडवोकेट भानू मिश्रा
मो. 9929113203

जन्मतिथि संशोधन
मैं विजय सिंह मीना आयु 44 साल पुत्र श्री पृथ्वी लाल मीना जाति मीना निवासी नंगला मीना तहसील श्रीमहावीर जी जिला करौली (राज.) यह कि मेरी पुत्री के विद्यालय रिकार्ड में गलती से जन्मतिथि 03.04.2012 दर्ज करवा दिया था जो कि गलत है, जबकि मेरे पुत्री की सही जन्मतिथि 23.09.2009 है जो सही व सत्य है। मेरी पुत्री के आधार कार्ड में भी सही जन्मतिथि 23.09.2009 दर्ज है।

खोया- पाया
मेरी पुत्री नेहा भार्गव व पुत्र मोहित भार्गव ने दिनांक 25.08.2007 को फ्लैट नं. A-101 आकाश गंगा अपार्टमेंट बाइस गोदाम जयपुर का मुख्तयारआम (पावर ऑफ अटार्नी) रेखा भार्गव व उमेश भार्गव के पक्ष में की गई थी जो कि दिनांक 20.11.24 नंदपुरी से सोडाला के बीच फोटो कॉपी करवाते समय कही गुम हो गए है । FIR दर्ज करा दी गई है (LR no 248208/2024) मिलने पर सूचित करे 9783307190

नाम/जन्मतिथि संशोधन
मैं विजय सिंह मीना आयु 44 साल पुत्र श्री पृथ्वी लाल मीना जाति मीना निवासी नंगला मीना तह. श्रीमहावीर जी जिला करौली (राज.) यह कि मेरे पुत्र नीमरोठ के विद्यालय रिकार्ड में गलती से जन्मतिथि 04.03.2011 दर्ज करवा दिया था जो कि गलत है, जबकि मेरे पुत्र की सही जन्मतिथि 11.07.2011 है जो सही व सत्य है। इसी प्रकार विद्यालय प्रवेश के समय मेरेपुत्र का नाम गलती से दीवेश मीना (DIVVESH MEENA) दर्ज करवा दिया था जो कि गलत है, जबकि मेरे पुत्र का सही नाम दीवेश नीमरोठ (DEEVESH NEEMROTH) है जो सही व सत्य है।

खोया पाया
भूखण्ड संख्या 127 निजी खातेदारी योजना रघुनंदन एनक्लेव सी-1, जेडीए द्वारा जारी संशोधित साइड प्लान लीज डीड पत्र एवं मूल आवंटी से उनके वारिसों के नाम स्थानान्तरण पत्र कहीं गुम हो गए है मिलने पर सूचित करें। विमल कुमार-9929690788

आवास संख्या 21/103 मानसरोवर जयपुर का मूल कब्जा पत्र क्रमांक 292 दिनांक 03.05.2008 गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। सुनीता खरिटा मो. 9610970586

मेरे भूखण्ड सं- II/A/13 जे.डी.ए की योजना झालाना डूंगरी क.ब. पुनस्थापन योजना चरण द्वितीय का जे.डी.ए. जारी मूल आवंटन-पत्र, साईट प्लान और इकरारनामा कही गुम हो गये है मिलने पर सूचित करे- पुष्पा देवी मो.-9887016674

अपील की सुनवाई के लिए नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना
(आदेश 41 के नियम 14)
न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी
सवाई माधोपुर कैम्प गंगापुर सिटी
अपील 223 आरटी एक्ट
कप्तान सिंह बनाम गोपाल वगै०
प्रकरण सं. 90/2021
अधिनस्थ एसडीओ गंगापुर सिटी के न्यायालय की तारीख16/04/2015 व 20/05/2017 को निर्णय व डिक्री की अपील - 1. रमेश चन्द पुत्र श्योलाल माली निवासी मिर्जापुर 2. राजेश पुत्र श्योलाल माली निवासी मिर्जापुर हाल रामरतन जी की पाल, जालोरी गेट, जोधपुर 4. श्रीमती केशर पुत्री श्योलाल पत्नि ओमप्रकाश माली निवासी-मिर्जापुर हाल सोफिया स्कूल के पीछे, भोपी का बाडा, अजमेर। 5. कमला पुत्री श्योलाल पत्नि लक्ष्मीचन्द माली निवासी मिर्जापुर हाल हनुमान जी के मंदिर के आगे, कबूतरों का चौक, जोधपुर 6. रानी पुत्री श्योलाल पत्नि श्यामलाल माली निवासी मिर्जापुर हालधान मण्डी के पीछे इन्दालिया की डूंगरी चित्तोडगढ़ रोड़, बूंदी। 7. पुष्पा पुत्री श्योलाल माली माली निवासी मिर्जापुर हाल मनिहारी हाऊस कबूतरों का चौक, जोधपुर। आपको सूचना दी जाति है कि इस मामले में 16/04/2015, 20/05/2017 की डिक्री की अपील अपीलार्थी द्वारा उपस्थित की गई हैं और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा तारीख 11 दिसम्बर 2024 नियत की गई है। यदि इस अपील में आपकी ओर से स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिए कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी। यह आज तारीख पेशी 19 नवम्बर 2024 को मेरे हस्ताक्षर सेऔर न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई है।
दिनांक
आज्ञा से-
राजस्व अपील अधिकारी, सवाई माधोपुर

जयधोष के साथ चढाया श्रीफल

निवाई । जैन समाज के श्रद्धालुओं ने गुरुवार को निवाई से श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बाडा पदमपुरा में विराजमान मुनि प्रणम्य सागर महाराज को श्रीफल चढाकर शीतकालीन प्रवास के लिए अनुनय विनय करके निवेदन किया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि मुनि प्रणम्य सागर महाराज मीरा मार्ग जयपुर से चातुर्मास करते हुए पदमपुरा पहुंचे। पदमपुरा कार्यक्रम में निवाई से पहुंचे जैन समाज के मंत्री महावीरप्रसाद पराणा, दिगम्बर जैन अठावाल समाज अध्यक्ष विष्णु बोहरा, सुशील आरामशीन, नितिन चंवरिया, नेमीचंद सिरस, संजय जैन, नवरत्न जैन व मुकेश जैन सहित कई श्रद्धालुओं का जत्था निवाई में शीतकालीन प्रवास हेतु गाजे बाजे के साथ श्रीफल चढाकर निवेदन किया।

शिविर में 250 यूनिट ब्लड एकत्रित

बौंली-बामनवास । क्षेत्र में सामाजिक कार्यों में भाग लेने वाली अग्रणी संस्था अरुणोदय जन कल्याण सेवा संस्थान द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के निर्वाण दिवस पर गुरुवार को बौंली चिकित्सालय में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर में करीब 200- 300 युवाओं ने 250 यूनिट ब्लड एकत्रित कर जनकल्याण के लिए दान किया।

रक्तदान शिविर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी चंद्र प्रकाश वर्मा थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश देवी जोशी ने की कार्यक्रम में तहसीलदार रामचंद्र मीणा सहित अनेको सामाजिक कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के संयोजक रामावतार मीना ने बताया कि राजस्थान के कई जिलों से युवाओं ने रक्तदान शिविर में भाग लेकर रक्तदान किया रक्तदाताओं का 6 दिसंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सम्मान किया जाएगा। रक्तदान शिविर के दौरान गोविंद नारायण भदोरिया सहित अनेको कार्यकर्ता एवं अधिकारी उपस्थित थे। यह जानकारी भाजपा के वरिष्ठ नेता भगवान सिंह नरूका ने दी।

बौंली में अरुणोदय संस्थान की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित हुआ।

श्मशान के रास्ते के अतिक्रमण पर चला पीला पंजा

मानपुरा माचेडी । ग्राम पंचायत बिलोंची के रेगर मोहल्ले से गोमती नदी स्थित सर्व समाज के श्मशान घाट के रास्ते में आ रहे अतिक्रमण को ग्राम बिलोंची सरपंच मामराज गुर्जर गिरदावर राजबल मीना पटवारी राहुल मीना नरेगा सहायक हेमपाल गुर्जर ने मौके पर जेसीबी की सहायता से अवैध अतिक्रमण को हटवाया।

■ लंबे समय से ग्रामीण कर रहे थे अतिक्रमण हटवाने की मांग

जेसीबी की सहायता रास्ते को 21 फिट चौडा किया। सरपंच मामराज गुर्जर ने बताया की आम रास्ते में ग्रामीणों द्वारा अवैध अतिक्रमण कर रखा था आम रास्ते में आ रही फ़सल को हटवा कर आम रास्ते को 21फिट चौड़ा किया गया। अब गुरुवार से इस रास्ते पर ठोवल सडक का निर्माण कार्य शुरू हो सकेगा। ठामीणों को पिछले कई वर्षों से समस्या बनी हुई थी ठामीणों को शवयात्रा को लेकर जाने में होने वाली दिक्कत का अब सामना नहीं करना पडेगा।गौरतलब हैं कि जिला कलेक्टर के रास्ता खोलो अभियान के तहत प्रशासन को भी ग्रामीणों ने जन सुनवाई कार्यक्रम में ज्ञापन देकर अवगत करवाया था।इस बारे में सरपंच मामराज गुर्जर ने बताया कि ठामीणों को शव यात्रा लेकर जाने में भारी समस्याओं का सामना करना पडता था।ग्रामीण लम्बे समय से अतिक्रमण हटवाने की मांग कर रहे थे।

मतदाता जागरूक अभियान आयोजित

गोविंदगढ /अलवर गोविंदगढ कस्बे के राजकीय महाविद्यालय गोविंदगढ में दिनांक 6 दिसंबर को मतदाता सूची में नाम जुडवाने के लिए एक क्लस्टर कैंप का आयोजन किया जा रहा है प्राचार्य प्रोफेसर लक्ष्मीकांत शर्मा और चुनाव साक्षरता क्लब की प्रभारी राखी जैन ने बताया कि जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है या जो 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेंगे उन सभी पात्र व्यक्तियों के नाम वोटर लिस्ट में जोड़े जाने हैं इस हेतु आधार कार्ड ,2 फोटो तथा अपने से संबंधित व्यक्ति के वोटर आईडी का नंबर लेकर प्रात 11:15 बजे महाविद्यालय में उपस्थित उपस्थित हो ।

गोविंदगढ़ में मतदाता जागरुकता शिविर का आयोजन होगा।

भगवान श्रीराम की बारात निकली

श्रीमाधोपुर। कस्बे के श्री रघुनाथ मंदिर में भगवान श्रीराम-जानकी विवाह महोत्सव को लेकर शाहीलाजमें के साथ बारात निकली । श्री रघुनाथ मंदिर के महंत बुद्धिप्रकाश शर्मा ने बताया कि गुरूवार जीवंत झांकियों के साथ शोभायात्रा व बारात का नगर भ्रमण करवाया गया ।
शाहीलाजमे व बग्गियों के साथ भगवान की बारात निकली जिनकी जगह-जगह पुष्पवर्षा कर कस्बेवासियों बारात का स्वागत किया। जगह-जगह स्टाल लगाकर कुल्फी खिलाकर व दूध पिलाकर बारातियों की मानमवार की।इसी दौरान ड्रोन से जगह-जगह पुष्पवर्षा की वहीं जीवंत झांकिया आकर्षण का केंद्र रही। मंदिर महंत ने बताया कि इससे पहले सुबह 8.15 बजे बान सुबह 11 बजे महिला मित्र मंडली द्वारा मंगल गीत-संगीत हुआ, जिसमें महिलाओं ने भजनों आनंद उठाया। महंत शर्मा ने बताया कि 6 दिसंबर शाम 4 बजे से भंडारा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा । हजारों श्रद्धालुओं की भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। रात 8 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।इस महोत्सव के दौरान ध्रुवदास महाराज, बिहारीलाल पारीक, महावीर ठठेरा, सागरमल सैनी, परशुराम भातरा, कृष्णमुरारी चेजारा, कैलाश सारस्वत, बाबूलाल कटारिया, पहलाद शर्मा ,श्यामलाल शर्मा ,अनिल अठावाल, पवन कुमार शर्मा, सोनू गोठवाल, हरीश जीनगर, मुकुल सारस्वत, मुकेश कुमार शर्मा, सतीश खुटेटा, राकेश नाणका जोशी, नवीन शर्मा, अजय मिश्रा, रवि प्रजापत सहित सैकडों संख्या में भक्ति मौजूद थे।

तिजारा के रूघ में सरिस्का से विस्थापित हुए परिवारों की पीड़ा सुनकर भावुक हुए कलेक्टर

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने गुरुवार को तिजारा उपखंड के रुंध गांव में सरिस्का से विस्थापित हुए ठामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इसके साथ ही उन्होंने 9 दिसंबर को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के उद्घाटन का जिला स्तर पर लाइव टेलीकास्ट की तैयारियों का निरीक्षण किया।

तिजारा उपखंड क्षेत्र के रुंध में सरिस्का से विस्थापित होकर लंबे समय से रह रहे परिवारों से मिलने पहुंचे जिला कलेक्टर किशोर कुमार को बताया 198 ठामीण लंबे समय से राजस्व, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ठामीण ओमकार सिंह ने बताया विस्थापन के बाद से खातेदारी अधिकार नहीं मिलने से कई कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है। इस पर जिला कलेक्टर ने ठामीणों को कहा कि शीघ्र समाधान कराया जाएगा। रतिराम ने कहा लंबे समय से रह रहे हैं बिजली कनेक्शन नहीं हुए है। रतिराम की बिजली की शिकायत पर कलेक्टर ने मौके पर ही विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता को निर्देश देकर जल्द से जल्द बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराने का आदेश दिए। जिला कलेक्टर ने ठामीणों को आश्वासन दिया और कहा जल्दी ही सभी समस्याओं का निदान कराया जाएगा। इस दौरान डीएफओ जगदीश दहिया, तहसीलदार कृष्ण कुमार, पटवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इसके उपरांत जिला कलेक्टर ने राज्य स्तरीय राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के जिला स्तर पर लाइव टेलीकास्ट की तैयारियों हेतु एमएसएमई सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया यह लाइव प्रसारण 9 दिसंबर को एमएसएमई सेंटर पर किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन स्थल पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

■ अधिकारियों से पूछा विलंब का कारण, समाधान के दिए निर्देश

जिला कलेक्टर ने बताया इस कार्यक्रम में जिले के उन उद्यिमयों को जिन्होंने निवेश के लिए समझौता ज्ञापन में किया है, तथा औद्योगिक संघों, जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा।

मशीनों के संचालन की ली जानकारी

पीपलू । महात्मा गांधी राजकीय अंठोजी माध्यम विद्यालय के मानक क्लब के 25 विद्यार्थियों ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित एक्सपोजर विजिट के तहत जयपुर स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सिपेट का भ्रमण किया। प्रधानाचार्य मधु सक्सेना ने बताया कि विद्यालय में मानक क्लब है जिसमें प्रभारी के पद पर विज्ञान शिक्षक रतनलाल कुलदीप है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा चलाए जा रहे गुणवत्ता पूर्ण उत्पादों की जागरूकता कार्यक्रम के तहत अलग अलग गतिविधियों के माध्यम से जानकारी दी जा रही हैं। जिसमें तहत यह एक्सपोजर विजिट करवाई गई।

दल की बस को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विष्णु शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीपेट में सेमिनार के माध्यम से प्रिंसिपल डायरेक्टर संजय चौधरी ने विद्यार्थियों को कुशलता अर्जित कर इंडस्ट्री के माध्यम से करियर बनाने की सलाह दी। सीपेट में विद्यार्थियों ने प्लास्टिक उत्पादों के निर्माण और उनकी मशीनों के संचालन की जानकारी ली और उत्पादों को बनते हुए समझा और साथ ही लेबोरेट्री में गुणवत्ता टेस्टिंग की जानकारी ली।

सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास

सांभर लेक । मै कहता हूं वह करता हूं यह बात विधायक विक्रम बंशीवाल ने गुरुवार को नेशनल हाईवे-21 पीलोडी से आसतवाडा मिसिंग लिंक सड़क का लोकार्पण कार्यक्रम में लोगो को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के कोई भी नागरिक छोटे से लेकर बडे काम तक सीधे मेरे से आकर मिले किसी दुसरे को साथ में लेकर आने की जरूरत नहीं है। आमजन के लिए चौबीस घंटे मेरे दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं। हमेशा मै आमजन की सेवा करने के लिए तत्पर रहता हूं। इससे पहले विधायक ने सिकंदरा चौराहे से गीजगढ वाया गेरोटा के लिए 15 करोड रुपयों की लागत से निर्माण होने वाले सड़क के निर्माण कार्य का शिलान्यास पट्टीका का अनावण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम बंशीवाल ने कहा कि क्षेत्र के विकास कार्यों में धन की कोई कमी नहीं आयेगी।

व्यायाम और प्राणायाम की जानकारी देकर बच्चों को किया लाभान्वित

पावटा। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ढाणी लालू सिंह भौनावास में गुरुवार को योग गुरु पूरणमल यादव द्वारा विद्यार्थियों की परीक्षा संबंधी एकाग्रता बनाए रखने और शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के क्रम में प्रार्थना सभा में योग सत्र के दौरान व्यायाम और प्राणायाम की जानकारी देकर बच्चों को लाभान्वित किया।

योग सत्र में विद्यालय का समस्त स्टाफ प्रधानाध्यापक सीताराम कुहार, अध्यापक घनश्याम बिहारी शर्मा, रामकुमार मीणा, जयप्रकाश शर्मा, छोटीलाल बुनकर तथा गांव से पधारे हुए अभिभावकगण मदनलाल सैनी, कबुली देवी, उर्मिला देवी, मोनिका कंवर एवं राजबाला देवी ने योग और प्राणायाम का लाभ उठाया। सत्र के समापन पर संस्था प्रधान द्वारा योग गुरु पूरणमल यादव को सर्वहित अच्छा कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर समानित किया और साथ ही गांव से पधारे हुए अभिभावकगणों का हार्दिक आभार जताया।

पावटा में छात्रों को योग की जानकारी दीं

बिजली करंट से युवक की मौत

निवाई । गांव भांवती में खेत पर काम करने गए एक युवक की ट्रांसफार्मर के करंट लग जाने से मौत हो गई। भांवती निवासी सौभागमाल जाट ने पुलिस थाने में दी। रिपोर्ट में बताया कि उसके भाई का पुत्र राजेंद्र उम्र 21 वर्ष मंगलवार की सुबह खेत पर काम करने गया था। इसी दौरान खेत पर लगे हुए ट्रांसफार्मर में आ रहे करंट की चपेट से वह घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे निवाई निजी हॉस्पिटल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। जहां से गंभीर अवस्था में उसे जयपुर रैफर कर दिया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत अजनोटी पंचायत समिति स.मा., जिला सवाई माधोपुर
क्रमांक-56 दिनांक-27.11.2024
निविदा सूचना
पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत अजनोटी में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।
सुरेश कुमार सैनी — सरपंच
ग्राम विकास अधिकारी — ग्राम पंचायत सवाई माधोपुर
ग्राम पंचायत सवाई माधोपुर

संक्षिप्त

जुआ खेलते 4 आरोपी गिरफ्तार

टोंक। मालपुरा वृताधिकारी आशीष प्रजापत व डिग्गी थानाधिकारी ओमप्रकाश चौधरी ने जुआं प्रकरण में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ओमप्रकाश ने बताया कि उनकी विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना पर सार्वजनिक स्थान चावण्डिया मोड के पास जंगल में चौसला में दबिश देकर रूपये,पैसो पर दांव लगाकर जुआं खेलते हुए चार आरोपी गोपाल लाल पुत्र नारायण रेगर उम्र 47 साल निवासी प्रतापपुरा, फतेह मोहम्मद पुत्र भूरे खां देशवाली उम्र 54 साल, मुकेश पुत्र रामदेव भील उम्र 28 साल निवासी हरनौदा डिग्गी व वशोराज उर्फ राजू पुत्र बजरंगलाल शर्मा उम्र 50 साल निवासी चौसला डिग्गी जिला टोंक को धरपकड कर उनके कब्जे से दांव पर लगी राशि 29530 रूपय जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान जारी है।

वायलेंस अगेंस्ट वूमेन का आयोजन

टोंक। महिला अधिकारिता जयपुर के निर्देश पर 16 दिवसीय इंटरनेशनल डे फॉर एलिमिनेशन ऑफ वायलेंस अगेंस्ट वूमेन का आयोजन गुरुवार को राजकीय कन्या महाविद्यालय, गुलजार बाग में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में महिला अधिकारिता की संरक्षण अधिकारी नेहा जोशी ने बालिकाओं से संवाद कर महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए उपलब्ध कानूनों की जानकारी दी। संवाद में लागू किए गए भारतीय न्याय संहिता पर चर्चा की गई। भारतीय न्याय संहिता चिंतन पर आधारित न्याय प्रणाली है तथा इसमें दंड के स्थान पर न्याय को प्राथमिकता दी गई है। यह न्याय संहिता भारतीय लोकाचार को अपने मूल में रखते हुए, नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में बदलाव की प्रतीक हैं। नेहा जोशी ने बताया कि धाराएं 511 से घटा कर 358 कर दी गई है, 20 नए अपराध भी जोडे जाने के साथ महिला, पुरुष के अतिरिक्त ट्रांसजेंडर वर्ग के विरुद्ध किए गए अपराधों की श्रेणी भी जोडी गई है। साथ ही, आज के समय की आवश्यकता के अनुसार नई न्याय संहिता में लाए गई ई-एफआईआर, जीरो एफआईआर इत्यादि पर भी चर्चा की गई।

ऋण आवेदन की अंतिम 31 दिसम्बर

दौसा। राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड की ओर से संचालित राष्ट्रीय योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2०24-25 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछडा वर्ग, स्वच्छकार व दिव्यांग वर्ग के व्यक्तियों को स्वरोजगार के ऑनलाइन ऋण आवेदन की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2०24 है। अनुजा निगम के परियोजना प्रबंधक श्याम सुन्दर शर्मा ने बताया कि ऋण आवेदन करने के लिए आवेदक स्वयं की एसएसओ आईडी या ई-मित्र के माध्यम से अनुजा निगम पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय जन आधार कार्ड, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, बीपीएल कार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, विकलांग प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता, अनुभव प्रमाण पत्र, स्वयं के द्वारा प्रमाणित पूर्व में अनुजा निगम द्वारा ऋण ना लेने का शपथ पत्र आदि दस्तावेज आवश्यक रूप से अपलोड करने होंगे। उन्होंने बताया कि 18 से 6० साल के बीच उम्र वाले राजस्थान के स्थाई निवासी आवेदन कर सकते हैं। आवेदक के स्वयं का बैंक खाता संख्या जन आधार से लिंक होना जरूरी है।

उपजिला अस्पताल पावटा को लाडाकाबास में स्थानांतरित करने के विरोध में चौथे दिन भी धरना जारी

पावटा। कस्बा पावटा में मंगलवार को जनप्रतिनिधियों व आमजन ने बजट मे उपखंड स्तर पर ग्राम पावटा तहसील पावटा मे स्थित पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को उपजिला अस्पताल मे क्रमोंन्नत होने के बाद उसे ग्राम लाडाकाबास में स्थानांतरित किए जाने के विरोध में जनप्रतिनिधि व आमजन सहित विभिन्न संगठनो का चौथे दिन भी धरना जारी रहा। धरने को संबोधित करते हुए सरपंच संघ जिलाध्यक्ष मेहर सिंह धनकड, सामाजिक कार्यकर्ता ओपी बायला, किसान नेता श्योनाथ सैनी, सुरेश शर्मा सहित वक्ताओ ने बताया कि उपखंड पावटा क्षेत्र की बहुतायत आबादी स्वास्थ व्यवस्थाओं के लिए उपजिला अस्पताल पावटा पर आश्रित है। लेकिन, बीते कुछ दिनों से चर्चा है कि, उपजिला अस्पताल पावटा को पावटा कस्बे मे ही रखने के लिए भूमि उपलब्ध नही है कहकर प्रशासन द्वारा जनता को गुमराह किया जा रहा है।

जबकि भूमि की उपलब्धता बहुत है लेकिन पता नही गुमराह क्यो किया जा रहा है। जबकि बजट मे पावटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को ही उप जिला अस्पताल मे ऋमोंन्नत किया गया है। जिसे लेकर उपजिला अस्पताल मे ऋमोंन्नत होने के बाद उसे ग्राम लाडाकाबास में स्थानांतरित करने की बात से विरोध बढता जा रहा है। इसके लिए मातृ शक्ति ने भी धरने का समर्थन किया है। यह कार्य पावटा उपखंड क्षेत्र की गरीब जनता के लिए न्याय संगत नहीं है। उपजिला अस्पताल को ग्राम लाडाकाबास मे स्थानांतरित करने से उपखंड पावटा क्षेत्र की एक बहुत बडी आबादी को स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी होगी और स्वास्थ्य योजनाएं प्रभावित होगी। उप जिला अस्पताल के भवन, भूमि, स्टॉफ को ग्राम लाडाकाबास मे स्थानांतरित किया जाना है जो जनहित में नहीं है। इससे आम जनता में असंतोष उत्पन्न होगा। उपजिला अस्पताल पावटा के ग्राम लाडाकाबास मे स्थानांतरित होने से चिकित्सालय का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। गरीब जनता के लिए इसे रोकना अति आवश्यक है। उपजिला चिकित्सालय पावटा अभी जहां स्थित है, वह जगह लगभग क्षेत्रवासियों के लिए सुविधाजनक है। हम उपजिला अस्पताल पावटा को खत्म नहीं करने देंगें। उपजिला अस्पताल पावटा को बचाने के लिए लडाई लडी जायेगी। सारे संगठन, पार्टियां व आमजन उपजिला अस्पताल पावटा को ग्राम लाडाकाबास मे स्थानांतरित होने से रोकने के लिए एकमत हैं। इस दौरान युवा समाजसेवी ओपी बायला ने कहा कि उपजिला अस्पताल पावटा सत्ताईसा क्षेत्र की जीवनरेखा है, इसके लिए हम लगातार आवाज उठा रहे है। सरकार से हमारी मांग है की उपजिला अस्पताल को यथावत ही रखे। इस दौरान सरपंच संघ जिलाध्यक्ष मेहरसिंह धनकड, युवा समाजसेवी ओपी बायला, समाजसेवी गणेश सैनी, पंडित सुरेश शर्मा, सुदरपुरा सरपंच उमेश यादव, कृष्णा देवी, सुशील योगी, करतार सिंह, विजेश मुहानियाँ, धूनी देवी, प्रकाश सिंह, राहुल योगी, हजारी धनकड प्रहलाद मंजू देवी, हेमन्त कुलदीप, रमेश यादव सहित सैकडो ग्रामीण मौजूद रहे।

अस्पताल स्थानान्तरित करने के विरोध में धरने पर बैठे ग्रामीण ।

- बजट में क्रमोंन्नत उपजिला अस्पताल पावटा को अन्यत्र जगह ले जाना जनहित में नहीं : सुरेश शर्मा

रन फॉर विकसित राजस्थान का होगा आगाज

सांभरझील, (निसं)। राजस्थान में खेल और खिलाडियों को बढावा देने के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में, 12 दिसंबर को राजस्थान के खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड के कुशल नेतृत्व में रन फॉर विकसित राजस्थान का आयोजन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य खेल और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढाना और राजस्थान के विकास में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना है। खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरणादायक नेतृत्व और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश में खेलों के विकास को नई ऊंचाइयां मिल रही हैं। खेलो इंडिया जैसी योजनाओं से खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिल रहा है, और राजस्थान में खेल संस्कृति को बढावा देने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए जा रहे हैं।

इस आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड ने बताया कि 12 दिसंबर को अमर जवान ज्योति, जयपुर से प्रात: 8 बजे रन फॉर विकसित राजस्थान का उद्घाटन राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हरी झंडी दिखा कर करेंगे। साथ ही इस अवसर पर पेरिस ओलंपिक-2024 और एशियन गेम्स-2023 में भाग लेने वाले खिलाडियों को सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन विकसित भारत और विकसित राजस्थान के सपने को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पूरणमल चौधरी ने सी.एच.सी. प्रभारी का संभाला कार्यभार, ग्रामीणों ने किया स्वागत

नारायणपुर । कस्बे में गुरुवार को सीएचसी प्रभारी का कार्यभार डॉ. पूरणमल चौधरी ने संभाला। इससे पहले पिछले ढाई साल से डॉ.सुरेश मीणा सीएचसी प्रभारी थे। बुधवार को विधायक देवीसिंह शेखावत की अनुशंसा के बाद कोटपुतली-बहरोड सीएमएचओ डॉ.आशीष सिंह शेखावत ने डॉ.पूरणमल चौधरी को सीएचसी प्रभारी बनाने के आदेश जारी किए थे।

सीएचसी प्रभारी बनाए जाने के बाद ठाामीणों ने नवनियुक्त प्रभारी डॉ.पूरणमल चौधरी को मिठाई खिलाकर साफा और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

डॉ.पूरणमल को प्रभारी बनाए जाने के बाद दिनभर उनके चाहने वाले लोग बधाई देते नजर आए। इस दौरान सीएचसी प्रभारी डॉ.पूरणमल चौधरी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना पहली प्राथमिकता है। सरकारी अस्पतालों में और अधिक मरीज आएं, उनको और बेहतर चिकित्सा सेवा यहां मिले। इस पर फोकस किया जाएगा। इस मौके समाजसेवी राजू प्रजापत, बृजमोहन सैनी, गोपाल प्रजापत, दिनेश जाट, राकेश तिवाड़ी, नत्थू प्रजापत, राकेश यादव, कमलेश सैनी, महेश ठेकेदार, महेंद्र चौधरी, सुनील बाबूजी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

- मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देना पहली प्राथमिकता

डॉ. पूरणमल चौधरी (बीच में) के कार्यभार संभालने पर स्वागत किया।

कृषि महाविद्यालय कोटपुतली में मनाया विश्व मृदा दिवस

विश्व मृदा दिवस पर छात्रों को उपजाऊ मिट्टी की जानकारी दी।

पावटा। कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के अंतर्गत कृषि महाविद्यालय कोटपुतली द्वारा गुरुवार को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। इस दौरान कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सुशीला ऐचरा मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय मृदा संध ने वर्ष 2002 मे प्रतिवर्ष 5 दिसंबर को विश्व मृदा दिवस आयोजित करने की सिफारिश की थी।

इस वर्ष विश्व मृदा दिवस 2024 की थीम मिट्टी की देखभाल, माप, निगरानी, ? प्रबंधन- है, जो मिट्टी की विशेषताओं को समझने और खाद्य सुरक्षा के लिए टिकाऊ मिट्टी प्रबंधन पर सूचित निर्णय लेने का समर्थन करने में सटीक मिट्टी डेटा और जानकारी के महत्व को रेखांकित करता है। डॉ. सुशीला ऐचरा ने कॉलेज की मृदा प्रयोगशाला मे विभिन्न प्रकार की मिट्टीयो, चट्टानों व खनिजो का युजियम बनाने का आश्वासन दिया। छात्र कल्याण सहायक निदेशक डॉक्टर डी के बैरवा ने मृदा व जलवायु परिवर्तन पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉक्टर विष्णु शंकर मीणा ने राष्ट ीय सेवा योजना स्वयंसेवकों को मृदा संरक्षण के प्रति गाँवों मे जागरूकता फैलाने को कहा। कृषि महाविद्यालय डीन डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहां की मृदा हमारी मां है इसे ही हमारा जीवन है। रसायनों के अधिक प्रयोग से हमारी मृदा बीमार हो रही है। इससे मानव जानवर व जल के जीवों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड रहा है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नीरज कुमार मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर अवसर पर डॉ. पार्वती दीवान, डॉ. प्रवीण पिलानिया, दीपक सैनी, चेतना, विजय सिंह यादव, सुमन,अजय, सचिन, सरजीत आदि उपस्थित रहे।

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन

दौसा । शहर में हिंदू संगठनों द्वारा बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। गुरुवार को आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में स्थानीय नागरिकों और संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बांग्लादेश में बढती हिंसा और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के उत्पीडन के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। प्रदर्शनकारियों ने नेहरू गार्डन से रैली निकाली और बांग्लादेश के चरमपंथी उग्रवादियों के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से मांग की कि वह हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करे और वहां हो रहे हमलों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के अधिकारों की रक्षा करने की अपील की। गांधी तिराहे पर पहुंचने के बाद विरोध प्रदर्शन में शामिल वक्ताओं ने बांग्लादेश सरकार पर कडा हमला करते हुए हिंदू समुदाय को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की। उन्होंने बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए इस्कॉन के संत चिन्मय कृष्ण दास प्रभुजी की तत्काल रिहाई की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि बांग्लादेश सरकार इस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है, और चिन्मय कृष्ण दास के लिए कोई वकील भी खडा नहीं हो रहा है। इससे पहले, सुबह हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एडीएम को ज्ञापन सौंपा, जिसमें बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों और उनकी गिरफ्तारी को तुरंत रोकने की मांग की गई। ज्ञापन में बांग्लादेश की वर्तमान सरकार की आलोचना करते हुए यह कहा गया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर वामपंथी और जेहादी मुसलमानों द्वारा हिंसा और हमले किए जा रहे हैं। इसके अलावा, हिंदू महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले और धार्मिक स्थलों को तोडे जाने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ज्ञापन में यह भी कहा गया कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को गंभीरता से विचार करना चाहिए और बांग्लादेश सरकार पर दबाव डालकर इन घटनाओं को रोकने के प्रयास करने चाहिए। भारतीय सरकार से भी अपील की गई कि वह इस मामले में सक्रिय भूमिका निभाए और बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के लिए कदम उठाए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार नहीं रुके, तो वे इस आंदोलन को और उग्र रूप से बढाएंगे। उनका कहना था कि बांग्लादेश सरकार को जल्द से जल्द कदम उठाने होंगे, ताकि वहां के हिंदू समुदाय को सुरक्षा मिल सके और उत्पीडन रुक सके।

सार-समाचार

ट्रैक्टर व कार में टक्कर से दो जने घायल हुए

मालपुरा, (निस) मालपुरा -टोडारायसिंह सडक मार्ग पर पथराज कलां से कुकड मार्ग पर गुरूवार की दोपहर ईंटो से भरे ऑवरलोड ट्रेक्टर व अल्टो कार मे भिंडत होने पर कार सवार दो जने गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्है प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर किया गया। मोर थानाधिकारी राधेश्याम जाट ने बताया कि गुरूवार को पथराज कलां से कुकड की और आ रही एक अल्टो कार व सामने से आ रहै ईंटो से भरे ट्रेक्टर मे भिंडत हो गई। दोनो वाहनो मे हुई भिंडत के बाद कार व ट्रेक्टर सडक किनारे खाई मे पलट गया। हादसे मे कार सवार मनोज पुत्र दीपक निवासी चेतन विहार कॉलोनी जयपुर व शुभम पुत्र जगत उम्र 15 वर्ष निवासी गोपालपुरा जयपुर घायल हो गये। राहगीरो ने निजी वाहन से दोनो घायलो को टोडारायसिंह अस्पताल पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार कर चिन्ताजनक हालत मे जयपुर रैफर किया गया।

विद्युत ट्रांसफार्मर का सामान चोरी

निवाई । गांव खलीलाबाद मौजा में चोरों ने माता जी के मंदिर के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर को खोलकर उसका सामान चुराकर ले गए। ग्रामीणों ने बताया कि बुधवार की रात चोर गिरोह ने विद्युत डीपी को खोलकर उसका कीमती सामान चोरी कर ले गए। विद्युत डीपी चोरी होने का मालूम लोगों को सुबह मौके पर उसका सामान बिखरा हुआ देखकर लगा। ग्रामीणों ने विद्युत डीपी चोरी की कनिष्ठ अभियंता को सूचना दी। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से विद्युत डीपी चोर गिरोह को पकडने की मांग की है।

विभिन्न कलाओं पर चर्चा की

टोंक। अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक और व्यावहारिक सम्मेलन "डिजाइन और कलात्मक रचनात्मकता" कार्यक्रम रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजीज एंड डिजाइन में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न देशों के कलाकार ने भाग लिया और विभिन्न कलाओं पर चर्चा की। टोंक जिले से युवा चित्रकार महेश गुर्जर का 5 दिसम्बर को जयपुर से आनलाईन जुडे और राजस्थानी कला पर चर्चा कर, संबोधन दिया। जिसमे लोकदेवता भगवान देवनारायण, वीर तेजाजी, रामदेव सहित लोक देवताओं व फड़ चित्रण की जानकारी दी। महेश गुर्जर राजस्थानी वेशभुषा मे आनलाईन कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रूस सहित अनेक देशों के कलाकारों को राजस्थानी कलाओं कि जानकारी दी और भारत पधार कर राजस्थान की कलाओं को अवलोकन करने के लिए सभी कलाकारों को आमंत्रित किया।

एक ट्रैलर व दो डम्पर जप्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सागवान के निर्देशन में चलाये जा रहे अवैध बजरी खनन/परिवहन की रोकथाम हेतु विशेष अभियान के तहत निवाई वृताधिकारी मुत्युजंय मिश्रा एवं दत्तवास थानाधिकारी कालूराम ने कार्यवाही करते हुए बीती रात्रि को ग्राम करेडा बुजुर्ग से एक ट्रेलर को अवैध बजरी परिवहन करते हुए जप्त किया तथा 5 दिसम्बर को गश्त के दौरान दत्तवास पेट्रोल पम्प के पास से दो डम्परो को अवैध बजरी परिवहन करते हुए पाये जाने पर जप्त किया गया। चालक व मालिक के खिलाफ एमएमआरडी एक्ट में थाने में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

विधायक ने पत्र लिखा

शाहपुरा । कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने विधानसभा क्षेत्र में आमजन को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग को लेकर राज्य सरकार को पत्र लिखकर मांग कर रहे है। विधायक ने पूर्व में विधानसभा सत्र में राज्य सरकार से आमजन की सुविधाओं के लिए प्रश्न सदन के सामने रखे हैं, जिसमें अवगत करवाया कि नवीनीकरण व स्मार्ट शौचालयों (पिंक टायलेट) के निर्माण का विचार रखती है? तो कब तक संभव है। दफ्तरों व सार्वजनिक स्थानों पर सुविधाओं को लेकर अब हाईकोर्ट ने भी कहा है कि इस प्रकार की समस्या को अनदेखा नहीं किया जा सकता। विधायक मनीष यादव ने कहा कि वे सार्वजनिक शोचालय की समस्या के निस्तारण को लेकर लगातार सरकार से मांग करते आ रहे है। कहा कि उन्होने सदन से भी पूछा था कि विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा में इसके अंतर्गत कितने व कहां-कहां पर नये शौचालयों का निर्माण व पुरानों का नवीनीकरण किया जाएगा ओर कब तक किया जाएगा। गोरतलब है कि विधायक मनीष यादव क्षेत्र की समस्याओं के समाधान को लेकर करते है रहे हैं लगातार प्रयास। गौरतलब है कि केन्द्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बावजूद महिलाओं के लिए सार्वजनिक टॉयलेट नहीं होने पर सवाल उठाया है और जवाब के लिए केन्द्रीय आवासन एवं नगरीय विकास सचिव, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास सचिव, प्रदेश के मुख्य सचिव, प्रमुख नगरीय विकास सचिव व स्थानीय निकाय निदेशक को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। कोर्ट ने केन्द्र व राज्य सरकार सात जनवरी तक जवाब मांगा है।

सर्व हिन्दू समाज ने बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार को लेकर दिया ज्ञापन

टोंक में सर्व हिन्दू समाज की ओर से हिन्दू जागरुकता रैली का आयोजन किया।

टोंक। सर्व हिन्दू समाज द्वारा राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया कि बांग्लादेश मे हिन्दू समुदाय पर हो रहे गंभीर अत्याचार किए जा रहे हैं इन हमलों से केवल उनकी धार्मिक स्वतंत्रता और मौलिक अधिकार खतरे में पढ सकते हैं बल्कि एक गहरी मानवीय त्रासदी बन गया है।

धार्मिक स्थलों पर हमले और पूजा स्थलों पर लगातार हमने हो रहे हैं, भौतिक और मानसिक उत्पीडन हिंसा, की बलात्कार और संपत्तियों को नुक्सान जैसी घटनाएं बढती जा रही हैं। भारत सरकार से इस मामले को प्राथमिकता से उठाएं और बांग्लादेश सरकार के साथ कूटनैतिक चर्चा कर हिंदू समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करें तथा संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग और महासचिव इस विषय पर तत्काल हस्तक्षेप करें और बांग्लादेश पर अंतरराष्ट्रीय दबाव डालें। भारत में आने वाले हिंदू शरणार्थियों को सुरक्षा और पुनर्वास प्रदान करने के लिए ठोस कदम उठाएं। बांग्लादेश में धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून को सख्ती से पालन करवाया जाए।

ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर हुई जनसुनवाई

दौसा। प्रत्येक माह त्रिस्तरीय जनसुनवाई के तहत के प्रथम गुरुवार को ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन जिले में सभी ग्राम पंचायत मुख्यलयों पर किया गया, वहीं पंचायत समिति दौसा की ग्राम पंचायत चौरडी एवं बोरोदा में जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन हुआ। जिला कलक्टर ने परिवादियों की समस्याएं व्यक्तिगत सुनी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को निश्चित समय सीमा में परिवादों को नियमानुसार निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार ने कहा कि राज्य सरकार एवं प्रशासन का उद्देश्य है कि ग्रामवासियों की समस्या को उन्हीं के स्थान पर आकर सुने एवं उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। उन्होंने कहा सरकार एवं प्रशासन आमजन की समस्याओं के लिए संवेदनशील है, संबंधित विभागीय अधिकारी परिवादियों की समस्या का समाधान न्यूनतम समय में करें और अगर प्रक्रिया में किसी औपचारिकता की आवश्यकता है तो परिवादी को वह भी विस्तार से समझाए। ग्राम पंचायत स्तरीय जनसुनवाई में लगभग 45 परिवाद आए। जिनमें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास आवंटन, बिजली लाइन शिफ्टिंग, ई-मित्र सेवा प्रारंभ करवाने, सडकों की मरम्मत, शमशान के लिए भूमि आवंटन, सीमाज्ञान सहित बिजली, पेयजल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से सम्बंधित परिवादों को सुन उनके निस्तारण के निर्देश दिये। जनसुनवाई में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र कुमार , उपखंड अैधिकारी दौसा मूलचंद लूणिया, विकास अधिकारी राजबाला मीणा, जिला स्तरीय एवं उपखंड स्तरीय अधिकारी, स्थानीय सरपंच, कार्मिक एवं बडी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

राज्य सरकार की वर्षगांठ के आयोजनों को सफल बनाएं : रामरतन सौकरिया

टोंक। राज्य सरकार के वर्तमान कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों की बैठक गुरुवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौकरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई।

बैठक में एडीएम ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में होने वाले कार्यक्रमों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएं। अधिकारी अपनी जिम्मेदारी गंभीरता एवं सजगता से निभाते हुए सभी कार्यक्रमों को सफल बनाए। एडीएम ने बताया कि 9 दिसंबर को राज्य स्तरीय राइजिंग राजस्थान समिट के तहत जिला स्तर पर भी कृषि ऑडिटोरियम में कार्यक्रम होगा। इसके अलावा 12 दिसंबर को रन फॉर विकसित राजस्थान मैराथन का आयोजन किया जाएगा।

इसके पश्चात जिला मुख्यालय पर जिला प्रभारी मंत्री हीरालाल नागर समेत सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में रोजगार उत्सव, पंच गौरव, जिला स्तरीय विकास प्रदर्शनी एवं जिला विकास पुस्तिका का विमोचन किया जाएगा। एडीएम ने संबंधित नोडल विभागों से तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही, सभी विभागों को समन्वय से कार्य करते हुए आयोजन को बेहतर ढंग से संपन्न करने पर जोर दिया। एडीएम ने बताया कि 13 दिसंबर को जिला स्तर पर किसान सम्मेलन, 14 दिसंबर को महिला सम्मेलन होगा।

17 दिसंबर को जयपुर में होने वाले राज्य स्तरीय मुख्य समारोह के क्रम में जिला व पंचायत स्तर पर कार्यक्रम होंगे। बैठक में सीईओ परशुराम धानका ने कहा कि कार्यक्रमों में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएं। साथ ही, विभागीय योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी आमजन से साझा करें। बैठक में समस्त जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

एडीएम रामरतन सौकरिया ने अधिकारियों की बैठक ली।

केएल राहुल ही यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करेंगे। रोहित पिछली न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर खेली गई सीरीज के बाद से लगातार सवालों के घेरे में हैं।

- रोहित शर्मा

भारतीय क्रिकेटर, केएल राहुल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जसप्रीत बुमराह

नवंबर के प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की रेस में भारत के जसप्रीत बुमराह का नाम जोड़ा गया है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट में 8 विकेट लिए थे। बुमराह के साथ पाकिस्तान के हारिस रऊफ और साउथ अफ्रीका के मार्का यानसन भी नॉमिनेट हुए हैं। विमेंस में बांग्लादेश की शरमिन अख्तर, इंग्लैंड की डैनी व्याट-हॉज और साउथ अफ्रीका की नदिन डी क्लर्क को नॉमिनेट किया गया। विमेंस में तीनों नॉमिनेशन बैटर को हुए, वहीं मेंस में तीनों नॉमिनेशन बॉलर्स को हुए। रऊफ ने ऑस्ट्रेलिया को बैकफुट पर धकेला था

क्या आप जानते हैं ?... भारत की ओर से डब्लूटीए टूर्नामेंट जीतने वाली पहली खिलाड़ी सानिया मिर्जा है। सानिया ने फरवरी, 2005 में हैदराबाद टूर्नामेंट जीतते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

भारत से पिंक बॉल टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 की घोषणा

हेजलवुड की जगह बोलैंड को मिला मौका

एडिलेड, 5 दिसम्बर। बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट में 295 रन से हार के बाद ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने परंपरा का निर्वाह करते हुए एडिलेड में दूसरे टेस्ट के प्लेइंग 11 की घोषणा एक दिन पहले गुरुवार को कर दी। पिंक बॉल टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग 11 में 1 बदलाव हुआ। कप्तान पैट कमिंस ने जानकारी दी कि चोटिल जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड खेलते दिखेंगे।

स्कॉट बोलैंड को ऑस्ट्रेलिया के लिए लगभग 18 महीनों बाद पहला मैच खेलते देखा जाएगा। बोलैंड ने अपना आखिरी टेस्ट मैच पिछले साल एशेज सीरीज में खेला था। कमिंस ने ये भी जानकारी दी कि मिचेल मार्श दूसरे टेस्ट में गेंदबाजी करते दिखेंगे। ये ऑलराउंडर पीठ की जकड़न से जूझ रहा है। इसके कारण वह भारत की दूसरी पारी के दौरान गति से गेंदबाजी करने में असमर्थ है। ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी में बदलाव न होने का मतलब है कि उस्मान ख्वाजा के साथ नाथन मैकस्वीनी ओपनिंग करते दिखेंगे। स्टीव स्मिथ की चोट गंभीर नहीं है। स्मिथ को हाल ही में प्रैक्टि सेशन के दौरान अंगूठे पर चोट लग गई थी। भारतीय टीम ने प्लेइंग 11 में बदलाव नहीं किया, लेकिन पहला टेस्ट जीतने के बाद भी 2 बदलाव तय हैं। रोहित शर्मा और शुभमन गिल की वापसी होगी।

भारत की संभावित प्लेइंग 11

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, रोहित शर्मा, नितीश रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर/रविंद्र जडेजा, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह।

चैम्पियंस ट्रॉफी की मीटिंग फिर हुई स्थगित

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर विवाद थम नहीं रहा है। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी के आयोजन को लेकर आईसीसी गुरुवार को फैसला करने वाला था लेकिन एक बार फिर से मीटिंग स्थगित हो गई है। शनिवार को मीटिंग में अंतिम निर्णय आने की उम्मीद है। आईसीसी ने दोबारा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने के लिए कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पीसीबी जल्द ही बोर्ड के सामने अपना अंतिम फैसला बताएगा। इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी से कहा था कि वह अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने को तैयार है लेकिन विश्व संस्था को 2031 तक भारत में होने वाले टूर्नामेंट के लिए भी यही व्यवस्था अपनाने की अनुमति देनी होगी। हालांकि, बीसीसीआई ने पीसीबी की इस शर्त का कड़ा विरोध किया है। आगामी चैंपियंस ट्रॉफी को शुरू होने में 100 दिन से भी कम बचे हैं लेकिन शेड्यूल का ऐलान नहीं हो सका है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को जल्द से जल्द अपना फैसला बताना होगा, वहीं बोर्ड के पास ज्यादा विकल्प भी नहीं है। पीसीबी ने पहले टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी थी जिससे ये प्रस्ताव थोड़ा नरमी भरा है। उसने कहा था कि अगर उसे मेजबानी के पूर्व अधिकार नहीं दिए गए और भारत की तटस्थ स्थल की मांग स्वीकार कर ली गई तो वह टूर्नामेंट का बहिष्कार करेगा।

जय शाह ने आईसीसी मुख्यालय का दौरा किया

दुबई, 5 दिसम्बर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष जय शाह ने गुरुवार को पहली बार आईसीसी मुख्यालय का दौरा कर बोर्ड के निदेशकों और कर्मचारियों से मुलाकात की। शाह ने आईसीसी मुख्यालय के दौरे के बाद कहा, इस दौरे से आईसीसी बोर्ड में मेरे सहयोगियों से जुड़ने का एक अमूल्य अवसर मिला। इस दौरान हमने खेल के भविष्य को आकार देने के लिए प्रारंभिक रोडमैप और रणनीतियों पर चर्चा की।उन्होंने कहा, क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए पर्दे के पीछे अथक परिश्रम करने वाली समर्पित आईसीसी टीम से मिलकर मुझे खुशी हुई। आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा ने भी खेल के लिए शाह की महत्वाकांक्षी दृष्टि की सराहना की। ख्वाजा ने कहा, बोर्ड की ओर से मैं जय शाह का इस पद पर स्वागत करता हूं और उनके कार्यकाल के लिए अपना उत्साह साझा करना चाहता हूं।उन्होंने कहा, शाह की महत्वाकांक्षा और अनुभव आईसीसी और खेल को भविष्य में मार्गदर्शन करने में सहायक होंगे। हम सफलता प्राप्त करने में उनके, सदस्यों और आईसीसी टीम के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

एडिलेड टेस्ट मैच पर बारिश का साया

एडिलेड, 5 दिसम्बर। भारत और ऑस्ट्रेलियाई टीम 10 दिन के ब्रेक के बाद एक बार फिर आमने-सामने होगी। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट मैच एडिलेड में खेला जाएगा। भारत ने पर्थ में जीत हासिल की थी जिसके बाद वह सीरीज में 1-0 से आगे है। अब उसकी नजर एडिलेड टेस्ट पर है जिसे जीतकर वह इस सीरीज में बढ़त हासिल करने पर होगी। जबकि ऑस्ट्रेलिया इस मैच से सीरीज में वापसी करना चाहेगी। पिच क्यूरेटर डेमियम हॉफ ने एडिलेट टेस्ट की पिच को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि पिच पर 6 मिमी घास होगी, जहां तेज गेंदबाजों को मदद मिलेगी। गेंद स्विंग और सीम करेगी। हालांकि, क्यूरेटर ने ये भी कहा कि वह बैलेंस विकेट बनाना चाहते हैं ताकि बल्लेबाज और गेंदबाज को समान फायदा मिले। भारत ने 2020 में यहां पिंक बॉल टेस्ट खेला था जब भारत 36 रन के स्कोर पर ऑलआउट हो गया था। पिच पर मौसम का भी असर होगा। एडिलेड टेस्ट पर काले बादल भी मंडरा रहे हैं। मैच के पहले दिन बारिश की संभावना है। एक्टूवेदर के अलावा पिच क्यूरेटर का भी कहना है कि पहले दिन आंधी-तूफान के कारण खेल में खलल पड़ सकता है। पहले दिन शुक्रवार को 88 प्रतिशत बारिश के आसार हैं। रात में बादल छाए रहते हैं तो फिर यहां बल्लेबाजी करना मुश्किल है।

आयरलैंड की महिला टीम ने बांग्लादेश को 12 रन से हराया

सिलहट, 5 दिसंबर। कप्तान गैबी लुईस (60),ली पॉल (नाबाद 79) की शानदार पारियों के बाद ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत आयरलैंड की महिला टीम ने गुरुवार को

पहले टी-20 मुकाबले में बंगलादेश को 12 रनों से शिकस्त दी। 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगलादेश के लिए दिलारा अख्तर और शोभना मोस्तारी की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 103 रन जोड़े। 12वें ओवर में ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने शोभना मोस्तारी (46) को आउट कर आयरलैंड को पहली सफलता दिलाई। 14वें ओवर मे आर्लीन केली ने कप्तान निगार सुल्ताना (चार) को अपना शिकार बनाया। इसी ओवर में केली ने दिलारा अख्तर (49) को भी आउट कर दिया। एमी मग्वायर की गेंद पर एमी हंटर ने ताज नेहर (19) को स्टंप कर पवेलियन भेज दिया। 17 ओवर में बंगलादेश के पांच विकेट पर 152 रन थे, लेकिन आयरलैंड के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए बंगलादेश को निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 157 के स्कोर पर रोक कर मुकाबला 12 रनों से जीत लिया।आयरलैंड की ओर से ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली ने तीन-तीन विकेट लिये। एमी मग्वायर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां आयरलैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के लिए टीम घोषित की

वेलिंगटन, 5 दिसंबर। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने गुरुवार को कल से शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए अपनी-अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। दूसरे टेस्ट मैच से पहले गुरुवार को न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लेथम ने गुरुवार को कहा, हमने जिस संतुलन के साथ मैदान में उतरे हैं, वह इस विकेट के लिए सही है और हमारे पास शीर्ष सात में कुछ स्पिन विकल्प भी हैं। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि यह सही एकादश है और खिलाड़ी चुनौती के लिए तैयार हैं।पिछले 47 टेस्ट मैचों में यह तीसरी बार है जब न्यूजीलैंड ने बिना किसी बदलाव के टेस्ट एकादश का चयन किया है। इंग्लैंड ने भी बिना किसी बदलाव के पिछली टीम को मैदान में उतराने का फैसला किया है। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार को दूसरे टेस्ट खेला जाना हैं।

झारखंड और मप्र. के बीच होगा सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का खिताबी मुकाबला

सिकंदराबाद, 5 दिसम्बर। 14वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के गुरुवार को खेले गये सेमीफाइनल मुकाबलों में झारखंड ने ओडिशा तथा मध्य प्रदेश ने मिजोरम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दक्षिण मध्य रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, आरआरसी ग्राउंड, रेल निलयम में आयोजित चैंपियनशिप के पहले सेमीफाइनल में मध्य प्रदेश ने हॉकी मिजोरम को 3-2 से हराया। हालांकि रूथी लाललामजुअली ने (तीसरे मिनट) में मिजोरम को शुरुआती बढ़त दिलाई, लेकिन मध्य प्रदेश ने नाज नौशीन ने (13वें) और रूबी राठौर ने (32वें) मिनट में के गोल से बढ़त हासिल कर ली। कप्तान लालतलांचुंगी ने (52वें मिनट) में चौथे क्वार्टर में मिजोरम के लिए बराबरी का गोल किया। इसके बाद तन्वी ने (56वें मिनट) आखिरी क्षणों में गोल कर मध्य प्रदेश को फाइनल में पहुंचा दिया। दूसरे सेमीफाइनल में झारखंड ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा को शूटआउट में हराया।

रोहित मध्य क्रम में करेंगे बल्लेबाजी

एडिलेड, 5 दिसम्बर। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने आज कहा कि शुक्रवार से एडिलेड में शुरु होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पारी की शुरुआत और वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने उतरेंगेमैच से पहले गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में रोहित ने कहा, वह पारी की शुरुआत नहीं करेंगे। उन्होंने कहा मैं मध्यक्रम में बल्लेबाजी करूंगा।मध्य क्रम में अपनी बल्लेबाज़ी को लेकर रोहित ने कहा, यह एक अभ्यास मैच था।

इसी कारण से हमने अधिक कुछ सोचे बिना, अपना खेल आगे बढ़ाना चाह रहे थे। पहले से ही एक दिन बारिश के कारण धुल चुका था। हम चाह रहे थे कि हमें थोड़ा गेम टाइम मिले। हम मैच के डिटेल के बारे में अधिक कुछ नहीं सोच रहे थे। हमने गुलाबी गेंद के साथ अधिक नहीं खेला है तो हम चाह रहे थे कि हमें इस गेंद के साथ खेलने का अवसर मिले। रोहित ने राहुल की अनुकूलन क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा, राहुल ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी पारी ने हमें वह स्थिरता दी जिसकी हमें जरूरत थी।जायसवाल के प्रदर्शन पर रोहित ने कहा, जायसवाल की पारी ने उनकी उम्र से कहीं अधिक परिपक्वता दिखाई। राहुल के साथ उनकी साझेदारी टर्निंग पॉइंट थी।भारतीय कप्तान ने कहा, पर्थ जैसी पिच पर 500 रन बनाना बहुत बड़ी बात है।

बाहर से यह देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा और इसमें कोई बदलाव करने की भी जरूरत नहीं है। व्यक्तिगत तौर पर यह मेरे लिए आसान नहीं था लेकिन टीम के लिहाज से यह तर्कसंगत भी था।उन्होंने कहा, गुलाबी गेंद खेल में एक नया आयाम जोड़ती है। हम अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने और पर्थ से मिली लय को जारी रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

मुश्ताक अली ट्रॉफी, अभिषेक ने 28 बॉल पर सेंचुरी लगाई

राजकोट, 5 दिसम्बर। पंजाब के ओपनर अभिषेक शर्मा ने 28 गेंद पर शतक लगाया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गुरुवार को मेघायल के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने 29 बॉल पर 106 रन बनाए। इस पारी में 11 छक्के और 8 चौके शामिल रहे। अभिषेक की पारी के दम पर टीम ने मेघालय के खिलाफ 142 रन का टारगेट 9.3 ओवर में ही हासिल कर लिया।

एक अन्य मैच में बड़ौदा ने टी-20 इतिहास का सबसे बड़ा 349 रन का स्कोर भी बनाया। टीम ने जिम्बाब्वे का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने इसी साल अक्टूबर में 344 रन बनाए थे। वहीं, तीसरे मैच में उत्तर प्रदेश के भुवनेश्वर कुमार ने हैट्रिक ली। उन्होंने 4 ओवर में महज 6 रन देकर 3 विकेट लिए। पंजाब के खिलाफ 142 रन ही बना सका मेघालय राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में सुबह 9 बजे पंजाब और मेघालय के बीच मैच शुरू हुआ। मेघालय ने बैटिंग चुनी, लेकिन टीम 7 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी। टीम से एक भी बैटर ने फिफ्टी नहीं लगाई। पंजाब से रमनदीप सिंह और अभिषेक शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। 143 रन के टारगेट के सामने पंजाब ने बेहद तेज शुरुआत की।

टीम ने तीसरे ओवर में ही फिफ्टी लगा दी। ज्यादातर रन अभिषेक ने बनाए, इस दौरान हरनूर सिंह 6 और सलिल अरोरा 1 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक ने फिर सौरभ धालीवाल के साथ 62 रन जोड़े, धालीवाल 22 रन बनाकर आउट हुए।

अभिषेक ने करियर का चौथा शतक लगाया पंजाब के रमनदीप सिंह ने 4 गेंद पर 8 रन बनाए, लेकिन उनके सामने अभिषेक ने 29 गेंद पर 106 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। अभिषेक ने 365.52 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। मेघालय के पांचों बॉलर्स की इकोनॉमी 12.50 से ज्यादा रही। अभिषेक ने अपने करियर का चौथा शतक लगाया, वह टूर्नामेंट इतिहास में सबसे ज्यादा सेंचुरी लगाने वाले खिलाड़ी हैं।

अभिषेक ने उर्विल की बराबरी की अभिषेक ने सबसे कम गेंदों पर टी-20 शतक के मामले में उर्विल पटेल की बराबरी कर ली।

3 दिवसीय पहला एशिया कप टूर्नामेंट खेलने ऑस्ट्रेलियन फूटी टीम वियतनाम रवाना

जयपुर, 5 दिसम्बर। ऑस्ट्रेलियन फूटी की भारतीय टीम 3 दिवसीय पहला एशिया कप टूर्नामेंट खेलने दिल्ली एयरपोर्ट से वियतनाम रवाना हुई। भारतीय टीम एशिया कप में 4 मैच खेलेगी। 6 दिसंबर को पहला मैच भारत बनाम वियतनाम, दूसरा मैच भारत बनाम चीन, 7 दिसंबर तीसरा मैच भारत बनाम हांगकांग चीन, चौथा मैच भारत बनाम इंडोनेशिया से मैच खेलेगी। टूर्नामेंट में 10 देशों की टीमें भाग ले रही है जिनमे भारत, पाकिस्तान, जापान, चीन, हांगकांग, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड। टीम में 15 खिलाडियो का चयन किया गया है। जिसमे पूरे राजस्थान से केवल जयपुर के डेविड डिकोस्टा का भारतीय टीम में चयन हुआ है। खिलाड़ियों के नाम- कैप्टन महेश तिर्कर, वीसी सुदीप राजबंशी, एसके राकेश, सोयब, डिकोस्टा डेविड, विल्सन नोयड, महेश बडेकर, रोहन, एक शीट, ओमान, मनीष, प्रकाश, मिधलाज, रजनीश, शीबा। मुख्य कोच: सुधासिल मित्रा, सहा. कोच हारिस जमाल, जसीम अख्तर को बनाया गया है।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत को 5 विकेट से हराया

ब्रिसबेन, 5 दिसंबर। मेगन शूट (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद जॉर्जिया वॉल (नाबाद 46) और फीबी लिचफील्ड (35) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में भारतीय टीम को पांच विकेट से हरा दिया है। 100 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वॉल और फीबी लिचफील्ड की सलामी जोड़ी ने अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाते हुए पहले विकेट के लिय 48 रन जोड़े। सातवें ओवर में रेणुका सिंह ने फीबी लिचफील्ड (35) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद नौवें ओवर में रेणुका ने एलिस पेरी (एक), बेथ मूनी (एक) को आउट कर भारत को वापसी की उम्मीद जताई। ऐनाबेल सदरलैंड (6) और एश्ली गार्डनर (आठ) को प्रिया मिश्रा ने आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने 16.2 ओवर में पांच विकेट पर 102 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। मेगन शॅट को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। भारत की ओर से रेणुका सिंह ने तीन विकेट लिये। प्रिया मिश्रा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, राजस्थान-बंगाल मैच

राजस्थान के कार्तिक शर्मा व महिपाल लोमरोर की साहसी पारियां टीम को जीत नहीं दिला सकी

जयपुर, 5 दिसंबर। राजस्थान के युवा प्रतिभावान बल्लेबाज कार्तिक शर्मा व कप्तान महिपाल लोमरोर की साहसी पारियां भी आज राजकोट में बीसीसीआई की सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के बंगाल के विरुद खेले गए मैच में राजस्थान को जीत नहीं दिला पाई।

टॉस हारकर पहले बलबाजी करते हुए राजस्थान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई। टीम के 3 विकेट मात्र 29 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। चौथे विकेट के लिए युवा कार्तिक शर्मा व कप्तान महिपाल लोमरोर के मध्य 84 रनो के साझेदारी हुई। राजस्थान के युवा खिलाडी कार्तिक शर्मा ने 46 रनो की आतिशी अर्धशतकीय पारी खेली जिसमे उन्होंने 29 गेंदों का सामना करते हुए 4 आसमानी छक्के व 1 चोक्के लगाए। कप्तान महिपाल लोमरोर 45 रनो की पारी खेली जिसमे उन्होंने 37 गेंदों का समाना किया व 2 छक्के व 2 चोक्के लगाए। दीपक हुड्डा 17, मानव सुथार 11 व दीपक चाहर 11 रनो का योगदान दिया।

बंगाल पारी 154/3 (18.3 ओवर)

टीम के लिए अभिषेक पोरेल 78 व सुदीप नाबाद 50 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज कमलेश नागरकोठी 27/1, अनिकेत चौधरी 37/2 विकेट प्राप्त किया।

राजस्थान-आसाम अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच आज से : जयपुर में खेला जायेगा। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में कल दिनांक 6 दिसंबर से जयपुर में के एल सैनी मैदान पर राजस्थान - आसाम टीमों के मध्य अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच खेला जायेगा। मैच से पूर्व आज दोनों टीमों ने अभ्यास किया।

जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी ने जीता अंडर-14 दिशा कप

जयपुर, 5 दिसम्बर। दिशा क्रिकेट एकेडमी के द्वारा आयोजित 6 दिशा कप अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए फाइनल मैच में जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी ने अरावली क्लब को

85 रनों से हराकर विजेता बनी। जयपुर स्पोर्ट्स एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रिंस सोनी के 103 रन, अमरनाथ के 42 रन व केविन चड्ढा के 55 रनों से 40 ओवर में 6 विकेट पर 266 रन बनाए। अरावली क्लब के लिए मोहम्मद कैफ ने 33 पर 3, मिलन व दक्ष ने 1-1 विकेट लिया। जवाबी पारी में अरावली क्लब की टीम लक्की के 42 रन, मोहम्मद कैफ के 20 रन, अंशु के 18 रन व यशवंत के 19 रनों से 35.2 ओवर में 181 रन बनाकर आउट हो गई। जयपुर स्पोर्ट्स के लिए सचिन शर्मा ने 23 पर 3, कुशाठा ने 31 पर 3, सचिन मीना ने 34 पर 2 व प्रिंस सोनी ने 19 पर 2 विकेट लिए।

51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता

वेदांग की घातक गेंदबाजी से राजस्थान यूथ की जीत

जयपुर, 5 दिसम्बर। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज जी. आर. क्रिकेट एकेडमी ठाउण्ड सिरसी में खेले गये मुकाबले में राजस्थान यूथ के गेंदबाज वेदांग 24 रन पर 6 विकेट, संजय महावर 12 रन पर 3 विकेट की घातक गेंदवाजी के बदोलत मरूधर क्रिकेट क्लब को 206 रन से हराकर अगले राउण्ड में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। दिलखुश 50 रन, रोहन सिंह 55 रन नाबाद रिहान आली 44 रन, भुवनेश शर्मा 40 रन, अभय शर्मा 28 रन, वासु 23 रन, देवांश सिंह जसवाल 20 रन कि पारियों की मदद से स्कोर निर्धारित 40 ओवर में 6 विकेट खोकर 292 रन पहुँचा दिया गेंदवाजी में मरूधर क्लब कि और से नवीन यादव 71 रन पर 2 विकेट, रिषभ भाटिया 48 रन पर 2 विकेट तथा जय प्रकाश साहिल जांगिड प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदवाज रहे।

जवाबी पारी में मरूधर क्रिकेट क्लब मे हिमांशु 30 रन नावाद जय प्रकाश 15 रन को छोडकर कोई भी बल्लेवाज राजस्थान युथ क्रिकेट क्लब के गेंदबाजों वेदांग 24 रन पर 6 विकेट, संजय महावर 12 रन पर 3 विकेट की घातक गेंदवाजी के समक्ष नही टिक सकें और पुरी टीम 22.3 ओवर में मात्र 86 रन पर सिमट गए और 206 रन के विशाल अन्तर से राजस्थान युत क्रिकेट क्लब ने जीत हासिल कर ली। मैच का मैन ऑफ द मैच वेदांग 24 रन पर 6 विकेट राजस्थान युथ क्रिकेट क्लब रहे।

मनीषा और अभिषेक को दोहरी कामयाबी

अखिल भारतीय एसबीआई इंटर सर्किल बैडमिंटन टूर्नामेंट सम्पन्न

जयपुर, 5 दिसंबर। भोपाल सर्किल की मनीषा शर्मा और अभिषेक ने गुरूवार को सम्पन्न अखिल भारतीय एस.बी.आई. इंटर सर्किल बैडमिंटन टूर्नामेंट में दोहरी कामयाबी हासिल की। यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम पर खेले गए महिला एकल के फाइनल में मनीषा शर्मा ने चंडीगढ की दीक्षा सालगोर्ता को सीधे गेमों में 21-17, 21-10 से पराजित किया। मनीषा शर्मा ने टीम चैम्पियनषिप मे भोपाल सर्किल को विजेता बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। महिला टीम चैम्पियनषिप के फाइनल में भोपाल सर्किल ने बेंगलूरू सर्किल को आसानी से 2-0 से हरा दिया।

चंडीगढ़ के अभिषेक ने भोपाल सर्किल के सूरत मोहन प्रजापति को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 17-21, 21-15, 21-6 से पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। अभिषेक ने चंडीगढ को टीम चैम्पियनषिप जितवाने मे भी अहम योगदान दिया। पुरूषों की टीम चैम्पियनषिप के फाइनल में चंडीगढ़ ने गुवाहाटी सर्किल को 2-0 से षिकस्त दी। महिला युगल के फाइनल में बेंगलूरू की पुष्पांजली भाटी और लक्ष्मी प्रवीण की जोड़ी ने भोपाल की अंकिता सिंह और मनीषा शर्मा की जोड़ी को 21-19, 21-14 से हराया। पुरूष युगल फाइनल में गुवाहाटी सर्किल वात्सव बोहरा और मोर्निंगम रोषन की जोड़ी ने अषोक एस और हेमंत अस्विल की जोड़ी को 21-12, 21-17 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के अध्यक्ष व खेल सचिव नीरज के पवन थे। उन्होंने व अतिथियों ने पुरूष्कार वितरित किया। जयपुर सर्किल वेलफेयर कमेटी के सचिव विनोद तंवर धन्यवाद ज्ञापित किया एवं डी.जी.एम. एवं सी.डी.ओ. कल्याण गजरेली ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर जयपुर सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक संदीप भटनागर और महाप्रबंधक ए.एम.एल.सी. एफ.टी. अरविन भटनागर, महाप्रबधंक नेटवर्क तीन प्रबुद्ध कुमार, सहायक महाप्रबधंक एच.आर. मानव अठावाल, एस.बी.आई. ऑफिसर एसोसिएषन के अध्यक्ष रामावतार सिंह जाखड, महासचिव विनय कुमार भल्ला, सेवा के अध्यक्ष अषोक मीणा और जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत, कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता भी मौजूद थे।

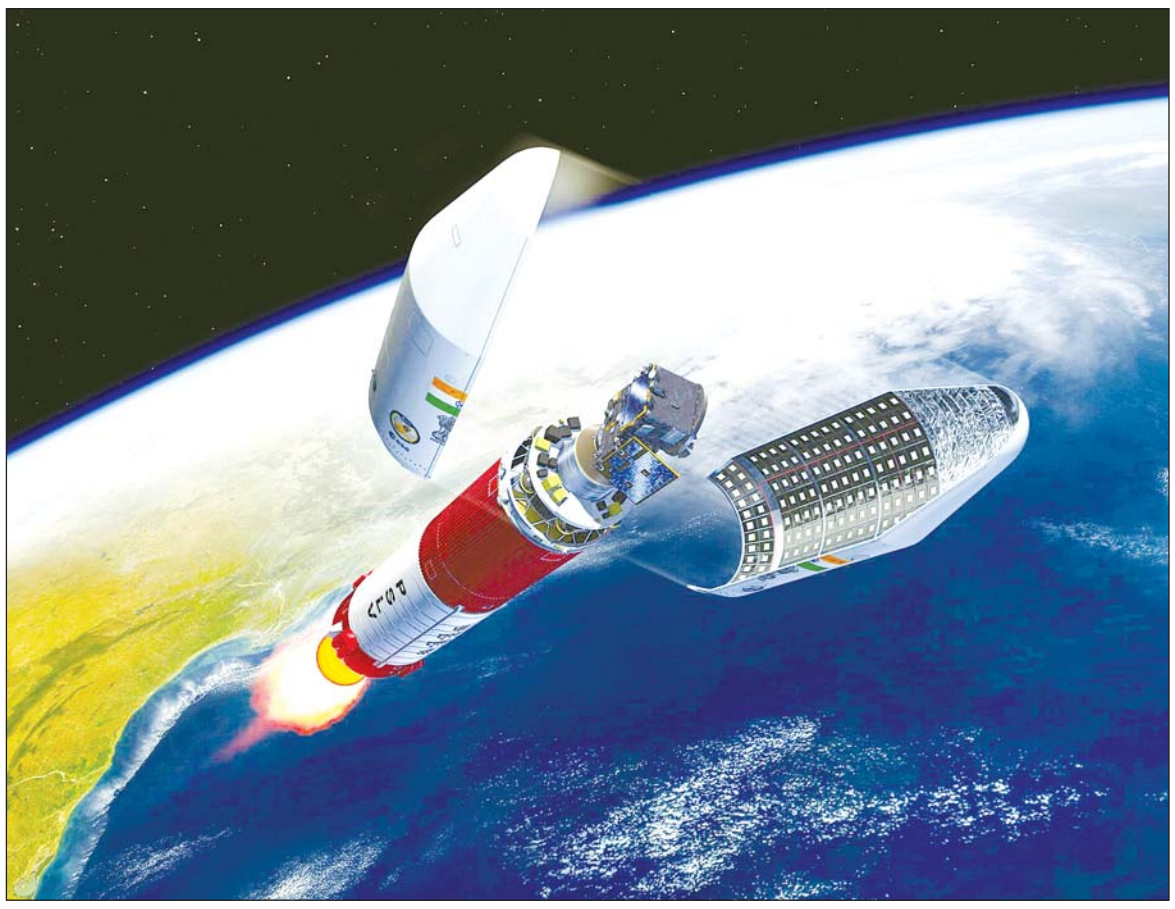

इसरो ने फिर कीर्तिमान रचा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। प्रोबा-3 मिशन के जरिए वैज्ञानिक सूर्य के अंदरूनी और बाहरी कोरोना के बीच बने काले घेरे का अध्ययन करेंगे। यूरोपियन अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के ऑस्ट्रेलिया स्थित उपग्रह स्टेशन ने प्रोबा-3 का भेजा पहला संदेश प्राप्त किया। ईएसए के महानिदेशक जोसेफ एशबैकर ने कहा कि यह मिशन अंतरिक्ष अन्वेषण को 'शानदार बढ़ावा' देगा। इसे अंतरिक्ष में शानदार ढंग से स्थापित करने के लिए इसरो का धन्यवाद।

सी.एम. ने ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' पर जल शक्ति मंत्री से चर्चा की

मुख्यमंत्री भजनलाल के साथ मध्यप्रदेश के मुख्य मंत्री मोहन यादव भी चर्चा में शामिल थे

नई दिल्ली/जयपुर, 5 दिसंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से मुलाकात कर ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' अभियान पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद थे।

■ **इस कार्यक्रम में प्रवासी नागरिक मातृभूमि के विकास में योगदान देते हैं। राजस्थान में इस कार्यक्रम में भूजल के स्तर में बढ़ोतरी के लिये 45 हजार ट्यूबवैल रीचार्ज स्ट्रक्चर का निर्माण होगा।**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल संचय के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए ''कर्मभूमि से मातृभूमि'' कार्यक्रम की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के अंतर्गत प्रवासी बंधुओं की जनभागीदारी के माध्यम से मातृभूमि के विकास में योगदान के रूप में राजस्थान राज्य में भूजल स्तर में बढ़ोतरी के लिए 45 हजार ट्यूबवैल रीचार्ज स्ट्रक्चर का निर्माण होगा। यह अभियान प्रदेश में वॉटर रीचार्ज के क्षेत्र में वरदान साबित होगा।

उल्लेखनीय है कि इस अभियान के अंतर्गत राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं बिहार के प्रवासी बंधुओं द्वारा भूजल पुनर्भरण हेतु आधुनिक रीचार्ज शाफ्ट्स का निर्माण करवाया जाएगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होगी एवं जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश में युवाओं के रोजगार व कौशल विकास के लिए किए जा रहे कार्यों एवं अन्य जनकल्याणकारी विषयों पर सार्थक चर्चा की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस के मुंबई में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री फडनवीस तथा उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे व अजित पवार को बधाई दी। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री, अनेक केन्द्रीय मंत्री तथा कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए थे।

'बगैर ट्रैक्टर-ट्रॉली वाले किसान को रोकना अलोकतांत्रिक'

पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने कहा सरकार की बात मानकर किसान बिना ट्रैक्टर-ट्रॉली दिल्ली जाना चाहते थे

चंडीगढ़, 05 दिसंबर (वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने गुरुवार को कहा कि किसानों ने सरकार की बात मानते हुये बिना ट्रैक्टर-ट्राली के दिल्ली जाने की बात मान ली है, ऐसे में उनको रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक है। हुड्डा ने अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सभी को प्रजातंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से कहीं भी आने-जाने या अपनी बात कहने का अधिकार है।

■ **उन्होंने यहा पिछली बार आंदोलन खत्म करवाते समय सरकार ने एमएसपी के लिये कमेटी बनाने का ऐलान किया था। लम्बा समय बीत जाने पर भी कुछ नहीं हुआ।**

उन्होंने कहा कि पिछली बार आंदोलन खत्म करवाते हुये सरकार ने न्यूनतम समर्थ मूल्य (एम.एस.पी.) के लिये बाकायदा एक कमेटी बनाने का ऐलान किया था, लेकिन इतना लंबा समय बीत जाने के बाद भी किसानों के हाथ खाली हैं और वे सरकार को उसका वादा याद दिलाने के लिए दिल्ली जाना चाहते हैं। हुड्डा ने आरोप लगाया कि भाजपा किसानों को बिजाई के समय डी.ए.पी., सिंचाई के समय यूरिया और कटाई के समय एम.एस.पी. देने में हमेशा नाकाम साबित हुई है। यही वजह है कि बार-बार अपनी मांगों को लेकर किसानों को आंदोलन करना पडता है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार विज्ञापनों में 24 फसलों पर एम.एस.पी. देने की बात कहती है, जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा में कुल 24 फसलें होती ही नहीं हैं और जो फसलें होती हैं, उन पर भी किसानों को कभी एमएसपी नहीं मिलती। धान का उदाहरण सभी के सामने है। चुनाव के समय मुख्यमंत्री ने किसानों को 3100 रु धान का दाम देने का ऐलान किया था लेकिन चुनाव के बाद सरकार अपने वादे को भूल गई और किसानों को एम.एस.पी. तक नहीं मिल पाई।

कांग्रेस नेता ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संभल जाने से रोकने को भी आलोकतंत्रिक करार दिया है। उन्होंने कहा कि प्रजातंत्र में विपक्ष की एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है और उसकी बात को सुना जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली प्रदूषण प्रतिबंधों पर सशर्त ढील दी

नयी दिल्ली, 05 दिसंबर। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गंभीर स्तर के वायु प्रदूषण से निपटने के उपायों में कुछ शर्तों के साथ ढील देने की गुरुवार को अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की गुहार पर ग्रेडेड रैस्पॉंस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण-4 से 2 तक नीचे जाने की अनुमति दी। न्यायालय ने हालांकि सी.ए.क्यू.एम से कहा कि उसे चरण 3 से कुछ अतिरिक्त अतिरिक्त उपाय लागू करने होंगे।

गैर आर.ए.एस. से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पदोन्नति के लिये अधिक से अधिक 15 प्रतिशत सीटों को एक कोटा ही माना जायेगा, को वर्तमान में भी ना जाने क्यों जारी रखा गया है? इस संदर्भ में याचिकाकर्ताओं की ओर से पिछली सरकार के मुख्य सचिव की एक ''नोट शीट'' को भी पेश किया।

तनवीर अहमद और आर.एन.माथुर का कहना था कि इस नोट शीट में सीटों का मूल्यांकन गलत तरीके से किया गया और स्पष्ट रुप से कहा गया कि गैर आर.ए.एस. अफसरों की आई.ए.एस. पदों के लिये चार सीटें रिक्त हैं। उन्होंने अदालत को यह भी बताया कि 17 फरवरी 2023 को राज्य सरकार और केंद्र सरकार के बीच हुए पत्राचार से भी स्पष्ट होता है कि दोनों ने वर्ष 2022 के लिये गैर आर.ए.एस. अफसरों के लिये चार सीटों का ''कोटा'' तय किया था।

याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि हर वर्ष की पदोन्नति की रिक्तियां उसी वर्ष में समाप्त हो जाती है और यह अगले वर्ष की रिक्तियों में नहीं जोड़ी जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की चयन समिति हर वर्ष बैठकर तय करती है कि उस वर्ष कितनी पदोन्नति होंगी। सरकार पिछले वर्ष की रिक्तियों को इस वर्ष नहीं जोड़ सकतीं, ऐसा करना नियमों के विरूद्ध जाकर ''कोटा'' तय करने के समान होगा।

उन्होंने अदालत को कहा कि नियम में 15 प्रतिशत रिक्त पद गैर आर.ए.एस. से भरे जाने के लिये ''विशेष परिस्थितियों'' का वर्णन है, जिनमें ''आउटस्टेंडिंग'' श्रेणी के उम्मीदवारों की भरा जा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य व केंद्र सरकार को बताना पड़ेगा कि इस वर्ष ऐसी क्या विशेष या विकट स्थिति थी कि उन्हें 15 प्रतिशत सीटें इन अभ्यर्थियों से भरनी पड़ी, और यह कह देना कि, पिछली सरकार में भी यह किया गया था, पर्याप्त नहीं है।

इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने कहा कि सरकार नियमानुसार आई.ए.एस. के कुछ फीसदी पद गैर आर.ए.एस. से भर सकती है। दूसरी सेवाओं से अधिकारी को पदोन्नति देने से पूर्व उनकी विशेषज्ञता की जांच की जाती है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आई.ए.एस. प्रमोशन नियम, 1954 के तहत इस तरह से प्रमोशन करती आ रही है। इसके अलावा याचिका में दूसरी सेवाओं से आने वाले कार्मिकों की योग्यता को चुनौती नहीं दी गई है। याचिकाकर्ता एसोसिएशन चाहती है कि सिर्फ उनके संगठन के सदस्य ही आई.ए.एस. पदों पर पदोन्नत हो। उन्होंने अदालत को कहा कि याचिकाकर्ता अपनी याचिका की आड़ में पदोन्नति के नियमों को चुनौती देना चाहते हैं, जिनमें तीनों श्रेणियों के नियम हैं।

सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने राज्य सरकार के पक्ष में फैसला दिया है। हालांकि याचिकाकर्ता के वकील तनवीर अहमद ने कहा कि वे अपने मुवक्किल से बात करके उन्हें सलाह देंगे कि वह इस आदेश को एस.एल.पी. के माध्यम से चुनौती दें।

अमेरिका ''क्रिसमस ट्री'' के आयात...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भगवान की मूर्तियां और सजावट के बिजली के बल्बों की लड़ियां शामिल हैं। भारत चीन से 96 अरब डॉलर का आयात करता है और इसके एवज में चीन हमारी सीमा में घुसपैठ करता है हमारी जमीन हड़पता है।

भारत चीन से आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर हो गया है। भारत का दवा उद्योग चीन से ही कच्चा माल आयात करता है जिससे दवा बनती है यही नहीं चिकित्सकीय उपकरण भी चीन से आते हैं। दूसरी ओर अमेरिका चीन से एक खरब डॉलर का आयात करता है और नव निर्वाचित राष्ट्रपति धमकी दे रहे हैं कि चीन के माल पर भारी शुल्क लगाएंगे। चीन व अमेरिका के बीच जबरदस्त ट्रेड वॉर लड़ा जाएगा।

इसके अलावा नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने यह भी कहा, ब्रिक्स देशों में अगर अमेरिकन डॉलर के इस्तेमाल में कमी करने की कोशिश की तो उन पर 100 प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा उन्होंने कड़े शब्दों में धमकी दी है।

ब्राजील में आयोजित पिछले ब्रिक्स सम्मेलन में, सहभागी देशों ने डॉलर वैकल्पिक मोड्स के उपयोग के विचार में ऊपरी तौर पर दिलचस्पी दिखाई थी किन्तु व्यापार-सन्तुलन के सैटलमेन्ट्स के लिये ही अमेरिकन डॉलर पर निर्भरता हो।

इसके बाद, डॉलर के उपयोग की स्थिति स्पष्ट करना और जरूरी हो गई, क्योंकि यूक्रेन-युद्ध शुरू हो जाने के बाद अमेरिका ने रूस पर विभिन्न प्रतिबन्ध लगा दिये थे। रूस पर सीधे ही प्रतिबन्ध लगाने के तुरन्त बाद ही, अमेरिका ने उन देशों पर भी प्रतिबन्ध लगा दिये थे, जो रूस या ईरान के साथ व्यापार या सौदे कर रहे थे।

इसी संदर्भ में, अमेरिका ने अपना दबदबा दिखाते हुये, रूसी बैंकों को प्रभावशाली इन्टरनेशनल बैंक्स सैटलमेन्ट्स मैकेनिज्म, अर्थात एस.डब्ल्यू.आई.एफ.टी. नैटवर्क से बाहर कर दिया था। अमेरिका ने कह दिया था कि प्रतिबन्धित देशों के साथ व्यापारिक सम्बन्ध रखने वाले अन्य देशों के बैंक भी ''स्विफ्ट'' नैटवर्क से बाहर कर दिये जायेंगे।

रूसी राष्ट्रपति ने अमेरिका की धमकियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा था कि अमेरिका जिस तरह से अपनी मुद्रा का उपयोग कर रहा है उसके चलते डॉलर के विकल्प निश्चित रूप से उभर कर आयेंगे। अमेरिका जिस तरह से डॉलर को काम में ले रहा था, उस तरीके की रूस के राष्ट्रपति ने निन्दा की थी।

पुलिस ने कहा कि रूस डॉलर से दूर नहीं हो रहा। उन्होंने यह भी कहा कि रूस को डॉलर के प्रयोग से अमेरिका ही रोक रहा है, रूस नहीं।

लेकिन इस बात पर विश्वास करना अकारण नहीं है कि ट्रेड वॉर जोरों पर है तथा डॉनल्ड ट्रम्प इसे घोर टकराव के स्तर तक ले जा रहे हैं।

'मर्यादाओं को ताक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वेणुगोपाल ने कहा कि शून्यकाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निशिकांत दूबे ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड से सांसद श्रीमती वाड्रा के साथ-साथ पूरी कांग्रेस पार्टी के खिलाफ बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

प्रियंका ने कहा,देश की जनता चाहती है कि अडानी महा घोटाले पर संसद में चर्चा हो। इंडिया समूह के सभी दल संसद में चर्चा की मांग कर रहे हैं लेकिन नरेन्द्र मोदी और सरकार लगातार चर्चा से भाग रहे हैं। सारी मर्यादाओं को तार-तार करते हुए प्रधानमंत्री जिस तरह अडानी के भ्रष्टाचार का बचाव कर रहे हैं, वह बेहद हैरान करने वाला है। आज साथी सांसदों के साथ इस मुद्दे पर संसद परिसर में प्रदर्शन किया।

टैटू के कारण अयोग्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता के लिए खाली रखने को कहा है। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि अंतरिम आदेश से याचिकाकर्ता के कोई हित सृजित नहीं होंगे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश दिलखुश बैरवा की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता एस.के. सैनी ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन आयोग ने 24 नवंबर, 2023 को केन्द्रीय पुलिस बल में कांस्टेबल भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था, जिसमें याचिकाकर्ता ने एस.सी. वर्ग में भाग लिया और सफल हुआ। उसका बीकानेर में 29 अक्टूबर, 2024 को दस्तावेज सत्यापन भी हो गया। याचिका में कहा गया कि उसे यह कहते हुए अनफिट घोषित कर दिया कि विस्तृत चिकित्सीय परीक्षण में उसके हाथ की कलाई पर उसके नाम का टैटू (गोदना) बना हुआ है।

इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि सामाजिक प्रथा के चलते, बचपन में उसके दाएं हाथ पर यह टैटू बनाया गया था और अब सर्जरी के जरिए उसे हटा दिया गया है। ऐसे में उसे चयन प्रक्रिया में शामिल किया जाए। यदि अंतिम भर्ती का अंतिम परिणाम घोषित किया गया तो तृतीय पक्ष के अधिकार सृजित हो जाएंगे।

मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को चयन प्रक्रिया में शामिल करते हुए एक पद रिक्त रखने को कहा है।

'समझौते'' के बाद दोनों...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निन्दा करते हैं।'' असल में कांग्रेसी सांसद सदन में ''मोदी-अडानी एक है'' नारा लिखी टी शर्ट पहनकर आए थे।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री किंजारप्पू राममोहन नायडू ने सदन में कहा कि यहाँ संविधान का कोई उल्लंघन नहीं है। कई सदस्यों ने एक्ट का नाम हिन्दी में होने पर चिन्ता जाहिर की। इस पर उन्होंने कहा, ''मुझे तेलुगूभाषी होने पर गर्व है। मैं तेलुगू लिखता और बोलता हूँ.. लेकिन ''वायु'' तथा ''भारत'' जैसे शब्द तो तेलुगू में भी इसी रूप में हैं। विधेयक के टैक्स्ट अंग्रेजी में है, इसलिये किसी को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिये।'' राज्य सभा में ''भारतीय वायुयान विधेयक 2024 पर चर्चा हो गई।

द्रमुक सांसद कनिमोई एन.वी.एन. सोमू ने भी कहा कि केन्द्र विधेयकों के नाम केवल हिन्दी और संस्कृत में रखने से बाज आये। उन्होंने सरकार से यह भी कहा कि वह इस विधेयक का नाम बदलकर ''एयरक्राफ्ट बिल 2024'' कर दे। माकपा सांसद ए.ए. रहीम ने कहा कि केन्द्र सरकार का ''भारतीय उड्डयन क्षेत्र तीन लोगों के ग्रुप के नियन्त्रण में है- टाटा, इंडिगो तथा अडानी।''

उन्होंने आगे कहा कि सभी बड़े हवाई अड्डे अडानी के नियन्त्रण में है तथा उड़ानों पर टाटा और इंडिगो का अधिपत्य है। अन्य सांसदों की तरह, रहीम ने भी हवाई जहाजों का किराया हद से ज्यादा होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, ''प्राइवेट कम्पनियाँ किराया तय कर रही हैं।''

आई.यू.एम.एल. सांसद हरीश बीरन ने कहा कि पुराने एक्ट में आर्थिक नियमन का प्रावधान था, लेकिन ऐसा किया नहीं जा रहा है।.. नया संशोधन ''नई बोतल में पुरानी शराब ही है। वीरन ने कहा कि प्रस्तावित संशोधनों में जिम्मेदारी दी गई है लेकिन हवाई किराये के लिये सीमा निर्धारित करने वाला कोई नियामक तन्त्र नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि छुट्टियों के मौसम में हवाई किराये बढ़ जाते हैं, तथा एक्ट में इसे रोकने की व्यवस्था होनी चाहिये।

बीजू जनता दल सांसद सुलातो देव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वो वादे याद दिलाये कि हवाई यात्रा ''उड़ान'' जैसी स्कीमों के जरिये आम आदमी की पहुँच में की जायेगी लेकिन साफ जाहिर है कि इस दिशा में कुछ खास काम नहीं किया गया है। आँकड़ों के अभाव का जिक्र करते हुये, उन्होंने कहा, ''ऐसी स्कीमों के तहत कितने लोगों को लाभ मिला है?'' इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने संसद में अडानी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के अन्तर्गत ''मोदी अडानी एक है'' लिखी हुई जैकेट पहनी हुई थीं।

राहुल गांधी ने अडानी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुये, संसदीय जाँच की माँग की। टी.एम.सी. इस प्रदर्शन से दूर रही।

तृणमूल सांसद सागारिका घोष ने कहा, ''इंडियन पेनल कोड'' का नाम बदलकर ''भारतीय न्याय संहिता'' कर दिया गया है। ''द इंडियन एयरक्राफ्ट एक्ट'' का नाम ''द भारतीय वायुयान विधेयक'' कर दिया गया है। ऐसा कुछ ज्यादा नहीं है, जो नया हो। सरकार स्वयं को ''गेम चेन्जर'' सरकार के रूप में प्रस्तुत करना चाहती हैं, लेकिन यह केवल ''नेम चेन्जर'' सरकार है।

उन्होंने कहा, ''बहुत सारे अधिनियमों के हिन्दी नाम क्यों हैं। यह हिन्दी को थोपना है। 2024 में जनता का जनादेश विविधता तथा संघ सिद्धान्त के पक्ष में था। सरकार अधिनियमों के ''हिन्दीकरण'' पर तुली हुई है। यह हिन्दी को थोपना है। संविधान का अनुच्छेद 348 कहता है कि संसद या राज्य विधानसभा द्वारा बनाया गया कोई भी कानून अंग्रेजी भाषा में होगा।''

'अडानी ग्रुप...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाड़ी और थे-एजर पावर इंडिया लि. तथा नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड।

नवयुग इंजीनियरिंग, अडानी समूह के साथ आंध्रप्रदेश में अपने बंदरगाह को बेचने के लिए हज़ारों करोड़ रूपए के सौदे पर हस्ताक्षर करने के बाद नीलामी से बाहर हो गई, जिसके लिए पहले से बातचीत चल रही थी और साथ-साथ दोनों ही सौर ऊर्जा अनुबंध के लिए प्रतिस्पर्धा भी कर रहे थे।

अब, एजर पावर पर आरोप है कि उसने अडानी समूह के साथ मिलीभगत करके राज्य सरकार के अधिकारियों को 2 हज़ार करोड़ रूपए की रिश्वत दी, एस.ई.सी.आई. के माध्यम से उनसे महंगी सौर ऊर्जा खरीदने के लिए।

डैंटल ऑफिसर भर्ती...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मांगी गईं। इस पर याचिकाकर्ताओं ने चार प्रश्नों के विवादित उत्तरों पर अपनी आपत्ति दर्ज करा दी। इसके बावजूद आपत्तियों का निस्तारण कर भर्ती की संशोधित उत्तर कुंजी जारी नहीं की गई। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि उनके चार प्रश्नों के उत्तर सही थे, लेकिन उनके उत्तरों को गलत माना है। जबकि याचिकाकर्ताओं ने भारतीय दंत शिक्षा परिषद से अनुमोदित पुस्तकों में बताए जवाब ही लिखे हैं। वहीं, आर.यू.एच.एस. ने जो किताब पेश की है वह न तो दंत शिक्षा परिषद से मान्यता प्राप्त है और ना ही प्रदेश में चलती है।

आर.यू.एच.एस. के अधिवक्ता रामसिंह भाटी ने अदालत को बताया कि मान्यता प्राप्त पुस्तकों और विशेषज्ञ कमेटी की ओर से प्रश्नों का परीक्षण करने के बाद ही उत्तर कुंजी जारी की गई थी। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाओं को खारिज कर दिया है।

'राहुल गांधी अव्वल नम्बर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा हमेशा इनकी कड़ी आलोचना करती रहती है, पर राहुल पर हमला करने के लिए फ्रांस के प्रकाशन ''मीडिया पार्ट'' की एक रिपोर्ट का सहारा लिया और दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने खोजी पत्रकारिता की बड़ी मीडिया कम्पनी ऑर्गनाइज्ड क्राइम एण्ड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजैक्ट (ओ.सी.सी.आर.पी.) तथा अमेरिका से गुप्त सम्बंध हैं। यह ओ.सी.सी.आर.पी. एम्स्टर्डम न्यूज़ नैटवर्क है। मीडिया पार्ट ने कहा कि ओ.सी.सी.आर.पी. जो खुद को विश्व का सबसे बड़ा खोजी पत्रकार संगठन मानता है, आर्थिक रुप से अमेरिका पर निर्भर है, इसे सोरॉस के ओपन फाउण्डेशन और यूरोपियन देशों जैसे फ्रांस व स्वीडन से भी पैसा मिलता है।

■ **कांग्रेस पार्टी ने इस घिनौने आरोप को दुर्भाग्यपूर्ण बताया, तथा सांसद शशि थरुर, के.सी. वेणुगोपाल ने कहा, संसद की सभी परम्पराएं तोड़ी गईं, इस घिनौने आरोप से तथा इन लोगों ने संसद में पीठासीन अध्यक्ष, को लिखित में शिकायत की, तथा सभी भाजपा नेताओं द्वारा काम में लिये गये अपमानजनक शब्दों को सदन की कार्यकारी से निकालने का मांग की, जो गुरुवार को रात तक पूरी नहीं की गई।**

भाजपा ने कहा कि यह संगठन भारत विरोधी खबरे प्रकाशित करता जिनका इस्तेमाल करके कांग्रेस सत्तारुढ़ पार्टी व भारत के व्यवसायिक हितों पर निशाना साधती है। उन्होंने कहा इसी संस्थान की रिपोर्ट के आधार पर कांग्रेस ने को वैक्सीन पर निशाना साधा था।

पैगसस पर भी इसी संस्थान ने रिपोर्टिंग की थी जिसके आधार पर विपक्ष ने सरकार पर विरोधियों की जासूसी करने का आरोप लगाया था।

भाजपा सांसद सम्बित पात्रा ने गुरुवार सुबह प्रैस कॉन्फ्रैंस बुलाकर दावा किया इसमें जॉर्ज सोरॉस और अमेरिका की एजेंसियां और ओ.सी.सी.आर.पी. शामिल है।

भारत के जॉर्ज सोरॉस विवाहित व्यक्ति है। दक्षिणपंथी आरोप लगाते है कि वह भारत विरोधी तत्वों को मदद करता है तथा पश्चिम को एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए दुनियाभर में तख्तापलट को उकसाता है।

पात्रा ने कहा यह एक त्रिकोण है एक कोने पर जॉर्ज सोरॉस व अमेरिकन संस्थाएं है और दूसरे पर ओ.सी.सी.आर.पी. और सबसे महत्वपूर्ण है तीसरा कोना है राहुल गांधी ''उच्च दर्जे का गद्दार''। मुझे यह शब्द कहने में कोई डर नहीं है। विपक्ष के नेता को गद्दार कहने में मुझे कोई हिचक नहीं है। पात्रा ने गांधी पर भारत से विश्वासघात करने के आरोप लगाया और कहा वे ओ.सी.सी.आर.पी. के निर्देशों का पालन करते हैं। उन्होंने कहा ओ.सी.सी.आर.पी. ग्लोबल मीडिया एजेंसी है और ओपन सोसायटी फाउण्डेशन बड़ी दानदाता। यह संस्था जॉर्ज सोरॉस की है। इस आरोप को भाजपा के निशिकांत दुबे ने संसद में दोहराया और आरोप लगाया कि प्र.मंत्री मोदी से नफरत करने के कारण भाजपा सरकार गिराना चाहती है।

दुबे ने कहा जॉर्ज सोरॉस अन्य देशों की अर्थव्यवस्था नष्ट करने के षडयंत्र रचते हैं। उनकी वजह से ही 1991 में बैंक ऑफ इंग्लैंड बंद हो गया था। इससे सोरॉस को 6 अरब रु. का फायदा हुआ था अब वे भारत की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारने में जुटे हैं।

दुबे के आरोप पर कांग्रेसियों ने जोरदार विरोध जताया भारी हल्ला गुल्ला हुआ भाजपा सांसदों ने दुबे के पक्ष में मेजे थपथपाई। विपक्ष ने कहा कि राहुल गांधी अमेरिकन सीनेटर इल्हान ओमर से मिले थे, इसकी भी जांच होनी चाहिए ओमर मोदी के आलोचक हैं।

उन्होंने कहा कांग्रेस जवाब दे इन मुलाकातों में क्या साजिश रची गई क्योंकि वे राहुल गांधी के विदेशी दौरों में भारत विरोधी एजेंडा पर काम करते हैं। कांग्रेस ने इस प्रकरण को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने कहा मानवीय स्पीकर ने दुबे को शून्यकाल में बोलने की अनुमति दी इस बार विपक्ष के नेता व वायनाड सांसद व समूची कांग्रेस पार्टी के लिए बेहद अपमानजनक शब्दों का प्रयोग हुआ जो नितांत अस्वीकार्य है। शशि थरुर ने भी दुबे पर निशाना साधा व कहा, अव्वल तो आप लोगों पर इस मर्यादाहीन तरीके से हमला नहीं कर सकते हैं, दूसरे सम्बधित व्यक्ति को नोटिस दिए बिना उसका नाम नहीं ले सकते हैं।

तीसरे, आप संसदीय विशेषाधिकार का हनन नहीं कर सकते हैं। थरुर ने पत्रकारों को कहा कि उन्होंने सभी नियम तोड़े हैं, हमने स्पीकर से मांग की है कि उनकी टिप्पणी सदन की कार्यवाही से हटाई जाए उनसे माफी मांगने को कहा जाए। पर ऐसा अभी तक भी नहीं हुआ है।

जस्टिस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के वकील के रूप में दिल्ली उच्च न्यायालय तथा सर्वोच्च न्यायालय में प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। जनवरी 2003 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने उन्हें वरिष्ठ एडवोकेट का दर्जा दे दिया था और 13 मार्च, 2008 को वे दिल्ली उच्च न्यायालय के ऐडिशनल जज बने तथा 17 दिसम्बर, 2009 को वे इस पद पर स्थाई कर दिये गये थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908